वार्षिक प्रतिवेदन

2021-22

भारतीय प्रबंध संस्थान रायपुर
Indian Institute of Management Raipur
Atal Nagar, P. O.- Kurru (Abhanpur), Raipur (C.G.) 493 661
Phone : 0771-2474700, Fax : 0771-2474701,
Email : cao@iimraipur.ac.in
www.iimraipur.ac.in

विषय सूची

1	शासी मंडल			115
2	निदेशक का संदेश			116
3	संस्थान			118
4	शैक्षणिक कार्यक्रम			119
	4.1	पी.जी.पी		119
		4.1.1	प्रवेश	120
		4.1.2	ग्रीष्मकालीन नियोजन रिपोर्ट	123
		4.1.3	अंतिम नियोजन रिपोर्ट	127
	4.2	ई.पी.जी.पी		132
		4.2.1	प्रवेश	133
	4.3	एफ.पी.एम.		139
		4.3.1	प्रवेश	141
		4.3.2	स्नातक शोध छात्र	143
		4.3.3	सम्मेलन में भाग लिया	143
		4.3.4	प्रकाशन	144
	4.4	ई.एफ.पी.एम.		145
		4.4.1	प्रकाशन	145
		4.4.2	स्नातक शोध छात्र	146
	4.5	वार्षिक दीक्षांत समारोह		147
5	अनुसंधान और प्रकाशन			149
	5.1	शोध पत्रिका		149
	5.2	अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन		153
	5.3	राष्ट्रीय सम्मेलन		153
6	अंतर्राष्ट्रीय संबंध			154
	6.1	अंतर्राष्ट्रीय शैक्षणिक सहयोग		154
	6.2	छात्र आदान–प्रदान		154
7	कार्यकारी शिक्षा और विकास			156
8	भा.प्र.सं. रायपुर के अतिथि (अकादमिक वर्ष 2021–22)			158
9	सम्मेलन और कार्यशालाएं			161
	9.1	5वां नेतृत्व शिखर सम्मेलन 2021		161
	9.2	5वें एचआर शिखर सम्मेलन 2022 का आयोजन		163
10	सहायक सुविधाएं			165
	10.1	पुस्तकालय		165
11	छात्र क्रिया–कलाप			167
	11.1	अकादमिक क्लब		167
	11.2	गैर अकादमिक क्लब		173
	11.3	छात्र मामलों की समिति के कार्यक्रम		180
12	समग्र प्रशासन			182
13	संकाय और अधिकारी			183
	13.1	संकाय		183
	13.2	अतिथि संकाय		185
	13.3	अधिकारी		185
14	सूचना का अधिकार प्रकोष्ठ			186
15	निदेशक की रिपोर्ट (भा.प्र.सं. अधिनियम की धारा 26 के अनुसार)			187
16	सहायता अनुदान और सामाग्री निधि			189
17	लेखापरीक्षा प्रतिवेदन			190
18	तुलन–पत्र			194

1. शासी मंडल

(31/03/2022 तक)

अध्यक्षा, शासी मंडल

श्रीमती श्यामला गोपीनाथ
पूर्व डिप्टी गवर्नर, भारतीय रिजर्व बैंक और
वर्तमान में अध्यक्ष, स्थायी बाह्य परामर्श समिति (एसईएसी), आरबीआई

सदस्यगण, शासी मंडल

श्री पी के बनर्जी
संयुक्त सचिव (प्रबंधन और एमसी और छात्रवृत्ति)
शिक्षा मंत्रालय

श्रीमती रेणु जी पिल्लै, आईएएस
प्रमुख सचिव, कौशल विकास,
तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार विभाग
छत्तीसगढ़ सरकार

डॉ. विजय चौथाईवाले
स्वतंत्र स्वास्थ्य सेवा और प्रबंधन सलाहकार

श्री आशीष चौहान
प्रबंध निदेशक और सीईओ
बीएसई, मुंबई

प्रोफेसर उत्कर्ष मजमुदार
अकादमिक और सलाहकार

श्री भूपेश डिंगर
निदेशक – परिचालन
एनरिच सैलूंस एंड एकेडमी, मुंबई

श्री फिरदोस वांद्रेवाला
पूर्व अध्यक्ष
अखिल भारतीय प्रबंधन संघ

श्री आनंद शक्तिकुमार संचेती
प्रबंध संचालक
एसएमएस लिमिटेड, नागपुर

प्रोफेसर अंजिला गुप्ता
अर्थशास्त्र की प्रोफेसर
इग्नू, नई दिल्ली

सुश्री अनुराधा पारस्कर
स्वतंत्र व्यापार और विपणन सलाहकार

प्रोफेसर राम कुमार काकांणी
निदेशक
भारतीय प्रबंध संस्थान रायपुर

प्रोफेसर एम. कन्नादासन
वित्त के प्रोफेसर
भारतीय प्रबंध संस्थान रायपुर

सचिव

कर्नल (डॉ.) हरीन्द्र त्रिपाठी (सेवानिवृत्त)
मुख्य प्रशासनिक अधिकारी
भारतीय प्रबंध संस्थान रायपुर

भारतीय प्रबंध संस्थान (भा.प्र.सं.) रायपुर विस्तार और विकास के रोमांचक प्रक्षेपपथ पर है और इसने अपनी उत्कृष्टता के 12 वर्ष पूरे कर लिए हैं। हमारी दृष्टि और मिशन के अनुसार, संस्थान अपने प्रमुख स्नातकोत्तर कार्यक्रम (एमबीए), कार्यकारी स्नातकोत्तर कार्यक्रम (ईपीजीपी), डॉक्टरेट कार्यक्रम, कार्यकारी प्रशिक्षण और अनुसंधान और परामर्श गतिविधियों के माध्यम से भारतीय प्रबंध शिक्षा को व्यावसायिक बनाने में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। हमारी शक्ति हमारी अधिगम–उन्मुख शिक्षा पद्धतियों, सीखने उन्मुख प्रशिक्षण अध्यापन, और समकालीन उद्योग–विशिष्ट पाठ्यचर्य में निहित है। यह हमारे मजबूत कॉर्पोरेट इंटरफेस द्वारा दृढ़ता से समर्थित है। संस्थान को हमेशा से अपने संकाय पर गर्व रहा है, जिन्होंने गुणवत्तापूर्ण शिक्षण, उच्च और गहरा प्रभाव डालने वाले कॉर्पोरेट प्रशिक्षण और अत्यधिक प्रासंगिक शोध के क्षेत्र में नाम कमाया है।

राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न प्रतिष्ठित संगठनों द्वारा रैंकिंग हमारे अभ्युत्थान को बार–बार परिलक्षित करती है और सुनिश्चित करती है कि हम उत्कृष्टता के सही मार्ग पर रहें। 2022 की एमएचआरडी–एनआईआरएफ रैंकिंग में भा.प्र.सं. रायपुर को 14वां स्थान दिया गया है।

2. निदेशक की कलम से

हमारे उद्योग कार्यक्रमों, जैसे कि 'नेतृत्व शिखर सम्मेलन 2021', 'डिजिटल अर्थव्यवस्था 2021', और 'मानव संसाधन शिखर सम्मेलन 2022', को भारी सफलताएँ मिलीं। अंतर्राष्ट्रीय मोर्चे पर, विश्व भर के बी–स्कूलों के साथ हमारे तेरह द्विपक्षीय समझौते है। हमने अंतर्राष्ट्रीय आदान–प्रदान कार्यक्रम और अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए मेधावी और आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों को प्रोत्साहित करने के लिए वित्तीय सहायता भी प्रदान की है।

हमारा अंतर्निहित दर्शन प्रभावशाली प्रदर्शन और निरंतर विकास की विचारणा शक्ति है। भा.प्र.सं. रायपुर ''स्व–कर्म निरतः सिद्धिम्'' के आदर्श–वाक्य में दृढ़ता से विश्वास करता है, जिसका निहितार्थ यह है कि संस्थान के प्रत्येक सदस्य का मानना है कि ''अपनी भूमिका–कार्यों के माध्यम से, व्यक्ति पूर्णता प्राप्त करता है।'' इस विश्वास के साथ, संस्थान मजबूत उद्योग इंटरफेस और अंतर्राष्ट्रीय संबंध का निर्माण करते हुए अकादमिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देता है। इस विश्वास ने विश्व स्तर पर शीर्ष बिजनेस स्कूल बनने की हमारी दृष्टि को आकार दिया है।

यदि शिक्षण और शोध भा.प्र.सं. रायपुर की जान है, तो परामर्श और प्रायोजित शोध गतिविधियां रक्त और मांस हैं– क्योंकि ये शिक्षा और शोध गतिविधियों का अभिन्न अंग हैं। इस मोर्चे पर, भा.प्र.सं. रायपुर गर्वोक्ति के साथ राज्य विद्युत नियामक आयोग, राज्य सहकारी डेयरी फेडरेशन और जेएनएनयूआरएम के लिए परामर्श परियोजनाओं के सफल समापन का दावा करता है। वर्तमान में हम भारत के शीर्ष लोक प्रशासन प्रशिक्षण संस्थान, एलबीएसएनएए मसूरी और पीएसयू महारत्न, एचपीसीएल को परामर्श सेवाएं दे रहे हैं। हमारे कार्यकारी शिक्षा और विकास प्रभाग ने अच्छा काम किया है। इसने भारत सरकार के क्षमता निर्माण आयोग के साथ समझौतों पर हस्ताक्षर किया है, जो मिशन कर्मयोगी की दिशा में सिविल सेवा क्षमता निर्माण पारितंत्र का अभिरक्षक है।

संक्षेप में, 2021–22 एक बार फिर से वैश्विक महामारी के बीच अपनी दृष्टि की दिशा में उपलब्धियां प्राप्त करने में सफलता का वर्ष रहा है। हमारा शैक्षणिक वर्ष जीवंत और हलचल भरा था। मैं स्वीकार करता हूँ कि भा.प्र.सं. रायपुर ने एक दशक में जिस सफलता और ब्रांड का निर्माण किया है, वह सभी हितधारकों के हार्दिक समर्थन और अनुग्रह के बिना संभव नहीं होता। केंद्रीय और राज्य दोनों स्तरों पर नेतृत्व सहित भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय की सहायता के साथ हमारी पहल में हमारे दूरदर्शी बोर्ड सदस्यों की सक्रिय भागीदारी ने भा.प्र.सं. रायपुर के विकास में और योगदान दिया है। पूर्व निदेशक प्रो. भरत भास्कर ने इस संस्थान के विकास में बहुत योगदान दिया है जहाँ आज यह

खड़ा है। मैं प्रतिभाशाली छात्रों के शानदार प्रयासों, अपने संकाय की अकादमिक उपलब्धियों, प्रतिबद्ध कर्मचारियों और लगातार बढ़ रहे पूर्व छात्रों को हार्दिक धन्यवाद देता हूँ। उन्होंने बारंबार अपनी मातृ संस्था के प्रति अपनी निरंतर प्रतिबद्धता का प्रदर्शन किया है।

संस्थान लगभग 1200 छात्रों को स्थान देने के लिए नए छात्रावास और शैक्षणिक भवन समूह का निर्माण करने की योजना बना रहा है, और निर्माण कार्य जल्द ही शुरू हो जाएगा। 30,000 वर्ग फुट के आकार के साथ आगे बढ़ते हुए, हमारा लक्ष्य पुस्तकालय को छात्रों की शिक्षा प्रक्रिया के केंद्र में रखना है। हमारा लक्ष्य ईआरपी की स्थापना करना भी है। हमें परिसर को विशेष रूप से सक्षम हितधारकों के अनुकूल बनाने पर गर्व होगा। मैं वैश्विक कोविड महामारी की स्थिति में भी इस वर्ष को सफल बनाने के लिए पूरे भा.प्र.सं. रायपुर समुदाय के संकाय और प्रशासनिक कर्मचारियों को हृदय से धन्यवाद देना चाहता हूँ। मैं आगे एक और घटनापूर्ण और फलदायी वर्ष की आशा करता हूँ।

प्रो. राम कुमार कांकाणी
निदेशक

प्रो. राम कुमार कांकाणी
(निदेशक)

कर्नल डॉ. हरिन्द्र त्रिपाठी
(सी ए ओ)

हेमन्त कुमार देबाता
(एफए एंड सीए ओ)

सीान :रायपुर
दिनांक :22/08/2022

3. संस्थान

भारतीय प्रबंध संस्थान (भा.प्र.सं.) की स्थापना भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में 2010 में की गई थी। संस्थान न केवल व्यापार, वाणिज्य और उद्योग के प्रति प्रतिबद्ध है, बल्कि राष्ट्र निर्माण में अपने योगदान और देश को वैश्विक पहचान दिलाने के लिए सामाजिक रूप से जागरूक नैतिक लीडर को तैयार करने में विश्वास करता है। छत्तीसगढ़ अपने समृद्ध खनिज, वन और प्राकृतिक और स्थानीय संसाधनों के साथ भारत के सबसे तेजी से वृद्धि करते राज्यों में से एक है।

दृष्टि

"अन्वेषण, चैतन्यता, और नवाचारिता का लोकाचार समाविष्ट कर छात्रवृत्ति और शिक्षण के माध्यम से विचार नेतृत्व को प्रेरित करने वाला एक प्रमुख प्रबंधन संस्थान बनना।"

मिशन

" भावी लीडर तैयार करने के लिए अनुसंधान और अभ्यास के माध्यम से प्रबंधन विचार का पोषण करने वाला शिक्षा केंद्रित वातावरण उपलब्ध कराना।"

4. शैक्षणिक कार्यक्रम

i. स्नातकोत्तर कार्यक्रम
- प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपी)
- कार्यशील कार्यकारियों के लिए प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपीएमडब्ल्यूई)
- प्रबंधन में कार्यकारी स्नातकोत्तर कार्यक्रम (ईपीजीपी)

ii. डॉक्टरेट कार्यक्रम
- प्रबंधन में अध्येता कार्यक्रम (एफपीएम)
- प्रबंधन में कार्यकारी अध्येता कार्यक्रम (ईएफपीएम)

4.1 पीजीपी

परिचय

प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपी) भा.प्र.सं. रायपुर का प्रमुख कार्यक्रम है। पीजीपी का उद्देश्य छात्रों का समग्र विकास करना है और उन्हें वैश्विक प्रतिस्पर्धा और गतिशील बाजार परिदृश्यों की चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना करने के लिए भविष्य के उद्योग लीडर के रूप में तैयार करना है। इस दो वर्षीय स्नातकोत्तर कार्यक्रम के उद्देश्य इस प्रकार हैं:

- भारत और विश्व का सामाजिक–आर्थिक, तकनीकी, पारिस्थितिक और राजनीतिक वातावरण समझना।
- समस्या का समाधान करने के कौशलों को प्रखर करना और नवाचार के प्रति अनुरक्ति और रचनात्मकता के प्रति आवेग बढ़ाना।
- अंतर्राष्ट्रीय चुनौतियों का सामना करने और अंतर–सांस्कृतिक वातावरण में काम करने की वैश्विक मानसिकता विकसित करना।
- सामाजिक रूप से जिम्मेदार और विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी प्रबंधन स्नातक तैयार करना जो समाज के समावेशी विकास में प्रभावशाली ढंग से योगदान दे सकें।
- नैतिक मूल्यों से समझौता किए बिना प्रबंधकीय निर्णय निर्माण और नेतृत्व क्षमता के लिए सामाजिक प्रयोजन की भावना विकसित करना।

संक्षेप में, पीजीपी कार्यक्रम का उद्देश्य प्रबंधन स्नातकों के बीच सामाजिक उत्तरदायित्व और वैश्विक प्रतिस्पर्धा के प्रति उत्साह विकसित करना है ताकि वे समाज और इसलिए देश के समावेशी विकास में प्रभावशाली ढंग से योगदान दे सकें।

प्रारंभिक

पीजीपी कार्यक्रम के लिए पंजीकरण के तुरंत बाद सभी पंजीकृत छात्रों के लिए लेखांकन, सांख्यिकी, एक्सेल के साथ काम करने और संचार में प्रारंभिक पाठ्यक्रम पेश किए जाते हैं। ये गैर–क्रेडिट वैकल्पिक पाठ्यक्रम हैं। प्रारंभिक कार्यक्रम मात्रात्मक और संचार कौशलों में अपेक्षाकृत कम तैयार पाए जाने वाले छात्रों के नए बैच के लिए होता है।

प्रवेशन

प्रवेशन इकाई/अभिमुखीकरण कार्यक्रम पहले सत्र की शुरुआत में आयोजित किया जाता है। पीजीपी–1 के सभी छात्रों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया। इस कार्यक्रम के उद्देश्य इस प्रकार हैं:

- छात्रों को आधुनिक प्रबंधन शिक्षा, इसके विशय क्षेत्र, इसके कार्यात्मक क्षेत्रों और भा.प्र.सं. रायपुर में स्नातकोत्तर कार्यक्रम की अभिकल्पना से परिचित कराना।
- उन्हें भा.प्र.सं. रायपुर में प्रयुक्त शिक्षण और अधिगम विधियों से परिचित कराना जिसमें केस विधियों पर विशेष जोर दिया जाता है।
- उनकी अधिगम की विभिन्न शैलियों से परिचित होने में सहायता करना और उनकी अपने जीवन के लक्ष्यों और प्रबंधन शिक्षा के बीच संबंध स्थापित करने में सहायता करना।
- अंतिम वर्ष के छात्रों के बीच और प्रथम वर्ष के छात्रों और संकाय के बीच कार्यात्मक अंतरक्रिया का सूत्रपात करना।

नया पाठ्यक्रम

कार्यस्थल पर सकारात्मक मनोविज्ञान

4.1.1 प्रवेश

पीजीपी 2021–23 बैच

प्रवेश की स्थिति का आलेखीय निरूपण निम्नानुसार है:

1. बैच की रूपरेखा

सामान्य		सामान्य–ईडब्ल्यूएस		एनसी–ओबीसी		एससी		एसटी		डीएपी		कुल
पुरूष	महिला	पुरूष	महिला	पुरूष	महिला	पुरूष	महिला	पुरूष	महिला	पुरूष	महिला	
57	50	16	10	37	34	17	22	17	4	2	0	266

2. लिंग अनुपात

पुरुश और महिला लिंगानुपात इस प्रकार है:

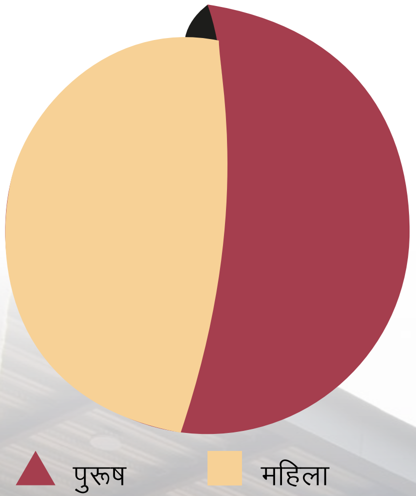

लिंग अनुपात	
लिंग	संख्या
पुरूष	146
महिला	120
कुल	**266**

3. शैक्षिक पृष्ठभूमि

बैच की शैक्षिक पृष्ठभूमि निम्नानुसार है:

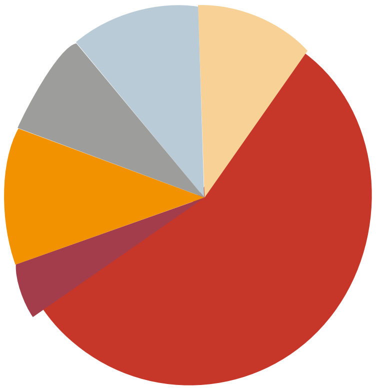

शैक्षिक पृष्ठभूमि	संख्या
वाणिज्य / अर्थशास्त्र	32
अभियांत्रिकी / प्रौद्योगिकी	130
प्रबंधन	15
कंप्यूटर विज्ञान और सूचना प्रौद्योगिकी	35
विज्ञान	20
अन्य	34
कुल	**266**

4. कार्य अनुभव

बैच का कार्य अनुभव विश्लेषण इस प्रकार है:

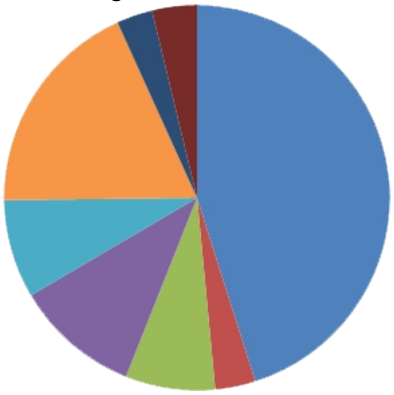

कार्य अनुभव	संख्या
कोई अनुभव नहीं	120
0-6 माह	9
07-12 माह	20
13-18 माह	28
19-24 माह	22
25-36 माह	49
37- 42 माह	8
43-61 माह	10
कुल	**266**

5. Age

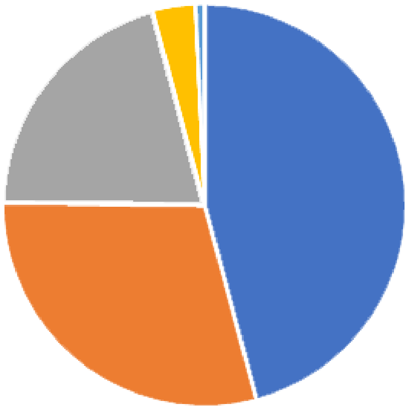

आयु	संख्या
22 वर्ष तक	122
> 22 से 24 वर्ष	78
> 24 से 26 वर्ष	55
> 26 से 28 वर्ष	9
> 28 वर्ष	2
कुल	**266**

6. राज्यवार विविधता

बैच की राज्यवार विविधता निम्नानुसार है:

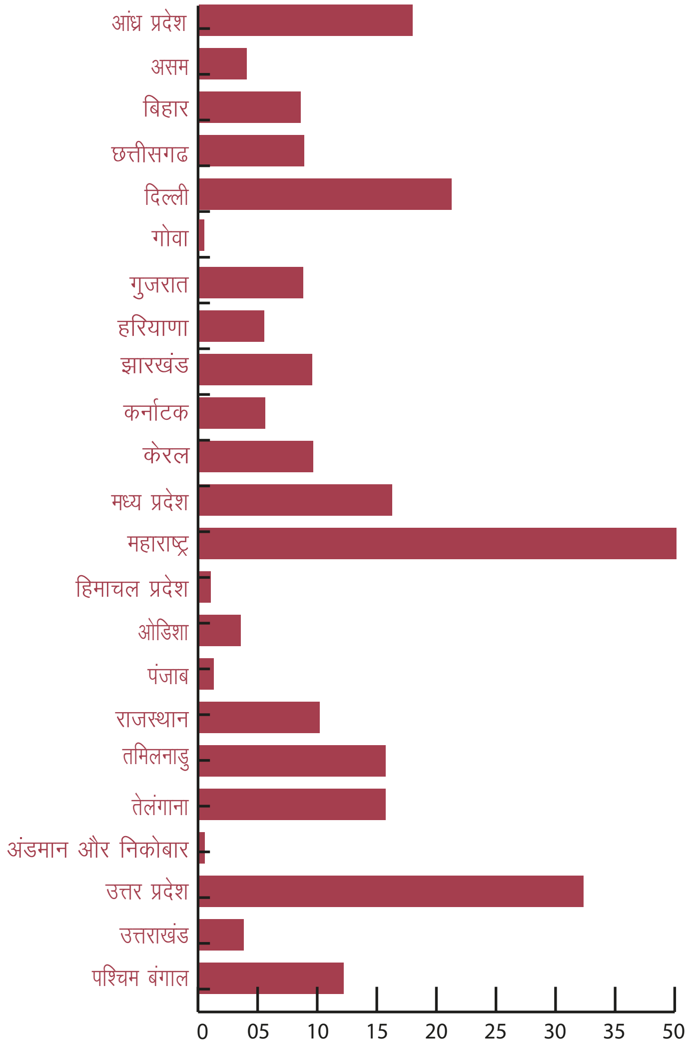

राज्य	संख्या
आंध्र प्रदेश	18
असम	4
बिहार	10
छत्तीसगढ	8
दिल्ली	22
गोवा	1
गुजरात	9
हरियाणा	6
झारखंड	9
कर्नाटक	6
केरल	9
मध्य प्रदेश	17
महाराष्ट्र	47
हिमाचल प्रदेश	2
ओडिशा	4
पंजाब	2
राजस्थान	10
तमिलनाडु	16
तेलंगाना	16
अंडमान और निकोबार	1
उत्तर प्रदेश	33
उत्तराखंड	4
पश्चिम बंगाल	12
कुल	266

पिछले 5 वर्षों का प्रवेश का रुझान

Year	2017-18	2018-19	2019-20	2020-21	2021-22
प्रवेश की सांख्या	211	210	268	265	266
सामान्य	103	99	112	102	107
सामान्य – ईडब्ल्यूएस	0	0	20	26	36
एनसी–ओबीसी	58	55	70	72	71
एससी	30	29	38	40	39
एसटी	14	22	22	20	21
डीएपी	6	5	6	5	2

2016 से पीजीपी प्रवेश अंतर्ग्रहण

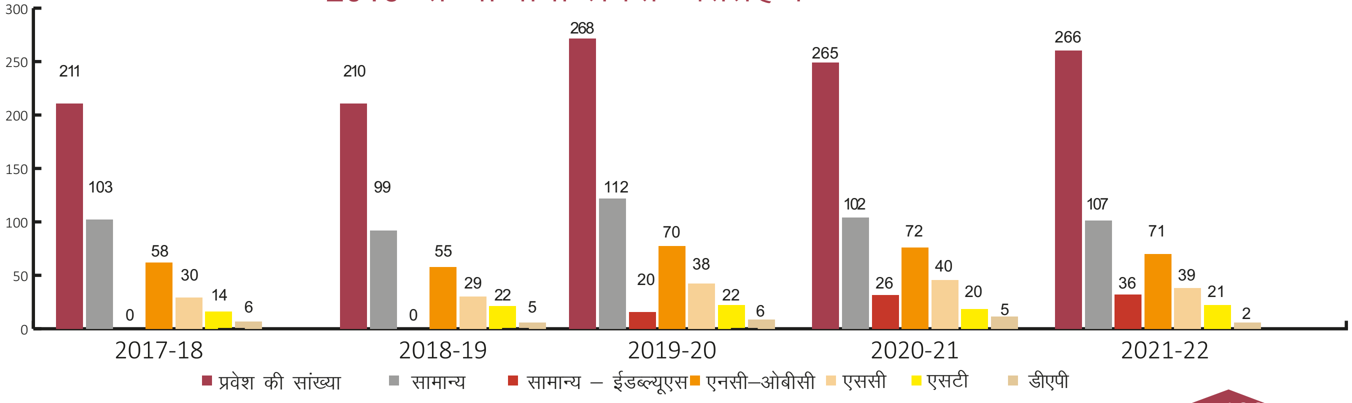

4.1.2 ग्रीष्मकालीन नियोजन रिपोर्ट 2022

भारतीय प्रबंध संस्थान रायपुर ने सफलतापूर्वक 2021—23 की पीजीपी बैच के लिए 100 प्रतिशत ग्रीष्मकालीन नियोजन पूरा किया। 262 छात्रों की कक्षा परिसर नियुक्ति प्रक्रिया में भागीदारी करने वाले 100 से अधिक नियोक्ताओं की साक्षी बनी। ग्रीष्मकालीन शिशुक्षता प्रक्रिया के दौरान भा.प्र.सं. रायपुर के छात्रों के संबंध में नियोक्ताओं द्वारा प्रदर्शित दृढ़ विश्वास भा.प्र. सं. रायपुर की प्रतिष्ठा का अभ्युत्थान मजबूत करता है। हम इस वर्ष के ग्रीष्मकालीन नियोजन अवसर का प्रशंसनीय समापन सुनिश्चित करने के लिए नियोक्ताओं, संकाय सदस्यों, पूर्व छात्रों, छात्रों और कर्मचारियों सहित सभी हितधारकों को धन्यवाद देते हैं।

एमबीए 2021—23 की कक्षा की रूपरेखा

2021—23 की बैच विविधतापूर्ण पृष्ठभूमि से आने वाले छात्रों का मिश्रण है जिसमें नवागतों और 15 माह का औसत कार्य अनुभव रखने वाले अभ्यर्थियों का अच्छा मिश्रण है। उत्कृष्टता के प्रति छात्रों की ललक विभिन्न व्यावसायिक परीक्षाओं और सीएफए, एफआरएम और लीन सिक्स सिग्मा जैसे प्रमाणनों में उनके शुभ्र प्रदर्शन से स्पष्ट है।

शैक्षिक पृष्ठभूमि

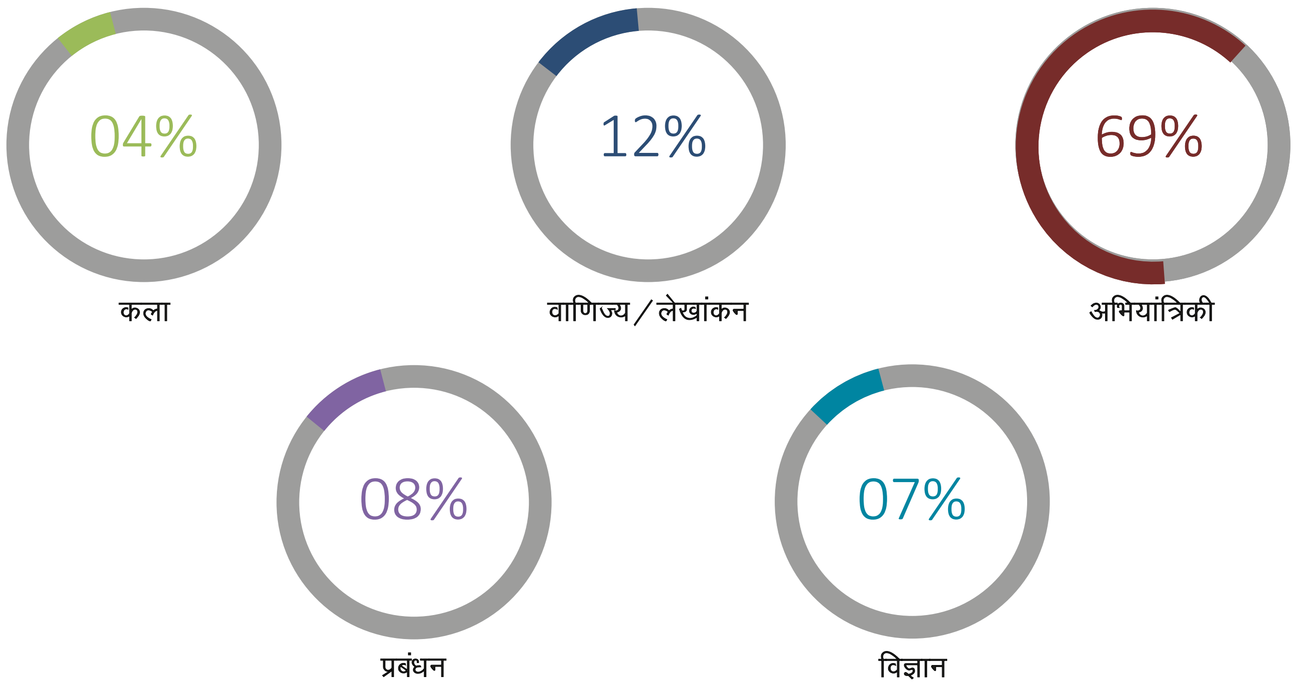

व्यावसायिक अनुभव

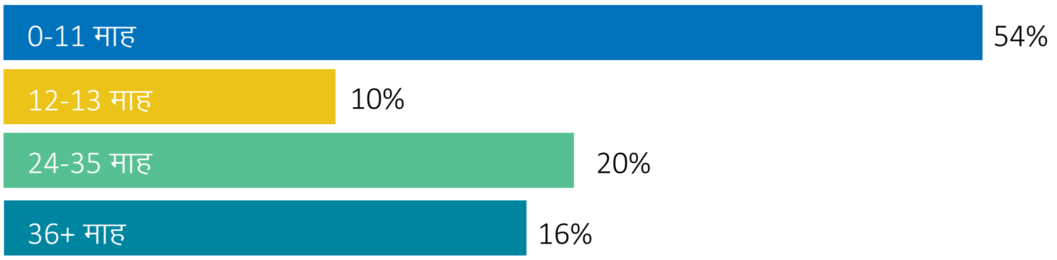

लैंगिक विविधता

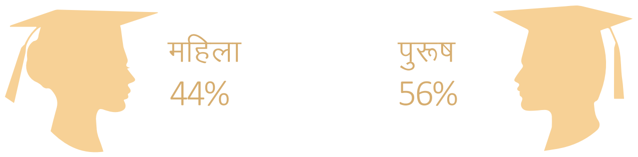

नियोजन एक नजर में

मुख्य विशेषताएं

भारतीय प्रबंध संस्थान रायपुर को प्रबंधन में अपने प्रमुख स्नातकोत्तर कार्यक्रम के ग्यारहवें बैच के लिए ग्रीष्मकालीन नियोजन के सफल समापन की घोषणा करते हुए बहुत गर्व हो रहा है। इस वर्ष 262 छात्रों के बैच अंतर्ग्रहण के साथ, भा.प्र. सं. रायपुर ने एक बार पुनः अपने अब तक के सबसे बड़े बैच का 100 प्रतिशत नियोजन प्राप्त किया है। नियमित नियोक्ताओं के अलावा, जिन्होंने भविष्य के नेतृत्व के निर्माण के लिए हमारे छात्रों में अपार विश्वास जताना जारी रखा है, ग्रीष्मकालीन नियोजन में पहली बार नियुक्ति करने आने वाले 57 से अधिक नियोक्ताओं की भागीदारी भी देखी गई, जो उद्योग का भा.प्र. सं. रायपुर द्वारा पेश की गई प्रतिभा में लगातार बढ़ता विश्वास बारंबार प्रकट करता है।

- 262 बैच का आकार
- 262 परिसर के माध्यम से नियोजित
- 108 कंपनियों ने भाग लिया
- 57 नए नियोक्ता

उद्योग अनुसार नियोजन

इस सीजन में की गई पेशकशों की संख्या के संबंध में आईटी/आईटीईएस अग्रणी क्षेत्रक था। संस्थान छात्रों को विविधतापूर्ण भूमिकाओं की पेशकश करने वाली कई प्रसिद्ध आईटी/आईटीईएस कंपनियों का साक्षी बना। इस वर्ष, उर्जा, ई–कॉमर्स, एड–टेक और लॉजिस्टिक्स जैसे विभिन्न क्षेत्रकों के कई नियोक्ताओं ने इस प्रक्रिया में भाग लिया, जिसमें इन उद्योगों द्वारा छात्रों से पेशकश किए गए आकर्षक अवसरों की संख्या में वृद्धि देखी गई।

चूंकि भा.प्र.सं. रायपुर कल के वैश्विक लीडर का निर्माण करने का अपना सफर जारी रखे हुए है, इसलिए संस्थान कॉर्पोरेट लीडर के प्रति अपना आभार व्यक्त करना चाहता है। उन्होंने संस्थान और इसके छात्रों पर अपना भरोसा जताया। हम भविष्य में भी उनके साथ लंबा और महाविद्यालयी संबंध जारी रखने की आशा करते हैं।

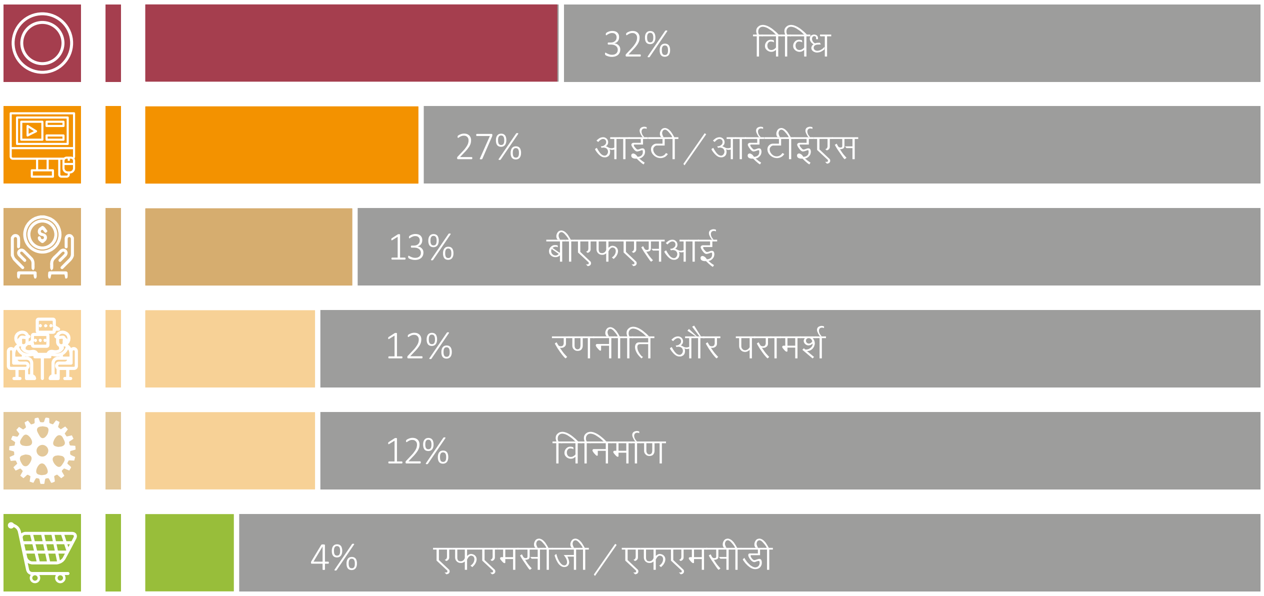

प्रकार्य अनुसार नियोजन

छात्रों से पेशकश किए गए प्रोफाइल विभिन्न कार्यात्मक क्षेत्रों से संबंधित हैं। 55 प्रतिशत कक्षा द्वारा बिक्री और विपणन को चुना गया, उसके बाद रणनीति और सामान्य प्रबंधन, आईटी और विश्लेषिकी और वित्त का स्थान था। पिछले वर्ष की तुलना में भा.प्र.सं. रायपुर आने वाली कंपनियों की संख्या में वृद्धि और लैंगिक दृष्टि से अधिक विविधतापूर्ण बैच के साथ, औसत वृत्ति में 1,20,052 रुपये की उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई। नियुक्त किए गए शीर्ष 10 प्रतिशत छात्रों ने औसतन 2,59,714 रुपये की वृत्ति अर्जित की, जबकि शीर्ष 50 प्रतिशत ने औसतन 1,66,709 रुपये की वृत्ति अर्जित की।

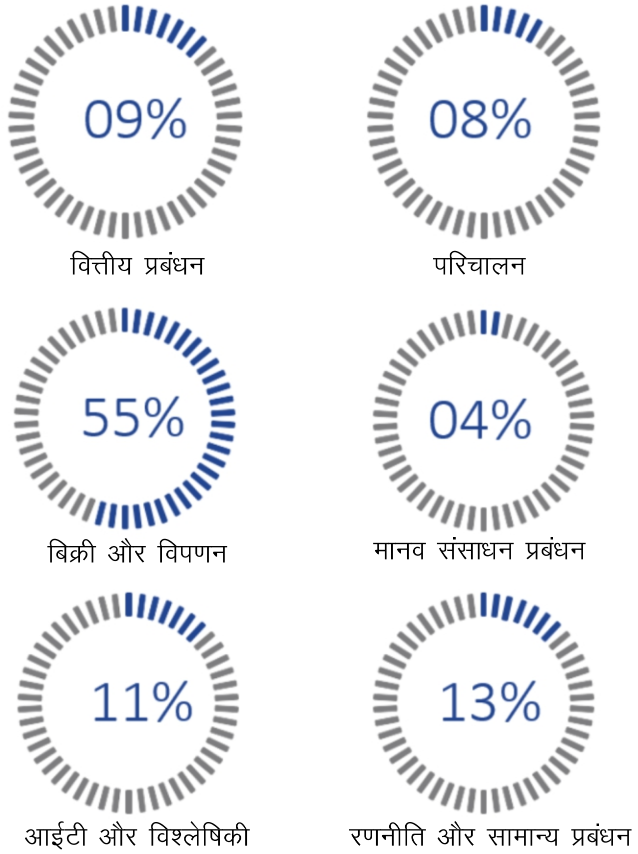

उच्चतम	₹3,50,000/-
शीर्ष 10 प्रतिशत	₹ 2,59,714/-
शीर्ष	₹2,04,956/-
शीर्ष 50 प्रतिशत	₹ 1,66,709/-
औसत	₹1,20,052/-

प्रमुख कॉर्पोरेट भागीदार

airtel | AM/NS INDIA | ashirvad PIPES | asianpaints | बैंक ऑफ़ बड़ौदा Bank of Baroda | Berger

Berrylush | BMW | BOSCH | Bharat Petroleum | BYJU'S The Learning App | Cognizant | CRISIL An S&P Global Company

DE Shaw & Co | Dabur | Deloitte. | digit | droom | EAST-WEST SEED | elasticrun

GAIL | Gameskraft | good dot | GROFERS | HDFC BANK | HireTale | ICICI Bank

IDFC FIRST Bank | K12 | KPMG | LARSEN & TOUBRO | latentview | Microsoft

MPOWER Financing | NIVIA | NPCI | olx | POLYCAB | PORTER good for goods

PRIMUS PARTNERS | QUEST | Razorpay | SMBC | sodexo | TATA TATA STEEL LONG PRODUCTS LIMITED

TATA TATA STEEL | TIGER ANALYTICS | TresVista | TRIDENT GROUP | TVS | UltraTech CEMENT

Union Bank of India | VALUE MOMENTUM | VIP | YES BANK | YOKOHAMA | Zaggle

4.1.3 अंतिम नियोजन की विशेषताएं (एमबीए 2020–22)

साथ भारतीय प्रबंध संस्थान रायपुर बड़े गर्व के साथ एमबीए 2020–22 की कक्षा के लिए अंतिम नियोजन के सफल समापन की घोषणा करता है। 110 से अधिक कंपनियों ने संस्थान से नियुक्ति की, जिसमें से 40 से अधिक कंपनियां पहली बार नियुक्त करने के लिए आई थीं, जिन्होंने बिक्री और विपणन, वित्तीय प्रबंधन, परिचालन और आईटी, विश्लेषिकी और परामर्श, और सामान्य प्रबंधन में 275 प्रतिष्ठित भूमिकाओं की पेशकश की।

पिछले सभी रिकॉर्डों को तोड़ते हुए, 250 छात्रों का विशाल बैच आज तक के सबसे तेज नियोजन का साक्षी बना, साथ ही औसत वेतन पैकेज में 17 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई जो रू. 17.73 एलपीए के बराबर है। इसके अलावा, नियुक्ति का संतुलित वितरण प्रदर्शित करते हुए, औसत वेतन रू. 16.95 एलपीए था। उच्चतम पैकेज रू. 42.15 एलपीए तक पहुंचने के साथ, शीर्ष 25 प्रतिशत को रू. 24.01 एलपीए का औसत पैकेज मिला, जो वर्ष दर वर्ष आधार पर वृद्धि की एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि है। यह पेशकश बीएफएसआई, रणनीति और परामर्श, आईटी/आईटीईएस, विनिर्माण, एफएमसीजी / एफएमसीडी और ई–कॉमर्स आदि जैसे विभिन्न क्षेत्रकों में फैली थी।

रणनीति और परामर्श क्षेत्रक द्वारा रू. 32.21 एलपीए और औसत रू. 18.38 एलपीए की उच्चतम पेशकश करते हुए छात्रों की सबसे अधिक संख्या में भर्ती की गई। औसतन रू. 17.73 एलपीए के साथ आईटी/आईटीईएस दूसरे स्थान पर रहा, इसके बाद बीएफएसआई था जिसने औसतन रू. 18.20 एलपीए प्रदान किया, जबकि विनिर्माण और एफएमसीजी क्रमशः रू. 16.56 एलपीए और रू. 17.38 एलपीए की औसत पेशकश के साथ अगले स्थान पर था।

अंतिम नियोजन प्रक्रिया के दौरान भा.प्र.सं. रायपुर के छात्रों में पिछले और साथ ही नए नियोक्ताओं द्वारा प्रदर्शित किए गए मजबूत विश्वास ने भा.प्र.सं. रायपुर की प्रतिष्ठा को और बढ़ाया।

हम इस वर्ष के ग्रीष्मकालीन नियोजन अवसर का प्रशंसनीय समापन सुनिश्चित करने के लिए नियोक्ताओं, संकाय सदस्यों, पूर्व छात्रों, छात्रों और कर्मचारियों सहित सभी हितधारकों को धन्यवाद देते हैं।

कक्षा की रूपरेखा

बैच में विभिन्न पृष्ठभूमि से आने वाले विभिन्न अनुशासनों के छात्र शामिल हैं जिनके पास विविधतापूर्ण उद्योगों में व्यापक कार्य अनुभव है।

शैक्षिक पृष्ठभूमि

हमारे संस्थान से संबद्ध कई प्रतिष्ठित ब्रांडों में वृद्धि के साथ संस्थान ने नियोक्ताओं की संख्या में वृद्धि देखी, जो वह भरोसा और विश्वास दर्शाता है, जो इन संगठनों द्वारा भा.प्र.सं. रायपुर की गुणवत्ता पर जताया गया है। अभ्यर्थियों की शैक्षणिक दृढ़ता, उत्साह, अनुशासन और व्यावसायिक कौशल ने सुनिश्चित किया कि भा.प्र.सं. रायपुर भविष्य के कॉर्पोरेट प्रमुखओं के लिए सबसे अधिक मांग वाले परिसर के रूप में अपनी स्थिति बनाए रखे।

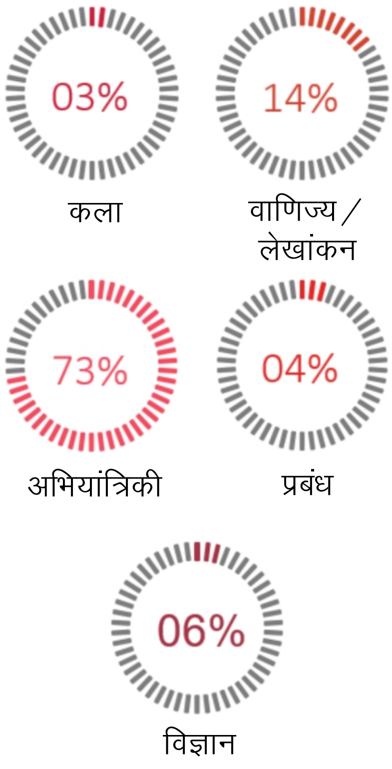

व्यावसायिक अनुभव

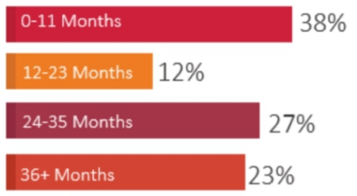

औसत कार्य अनुभव: 20 Months

औसत आयु: 24 Years

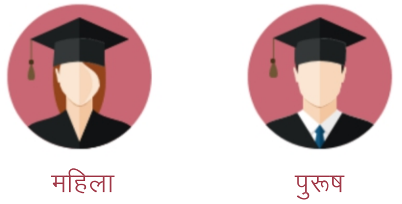

महिला 41%

पुरूष 59%

नियोजन एक नजर में

भारतीय प्रबंध संस्थान रायपुर को पीजीपी 2020–22 कक्षा के अंतिम नियोजन अवसर के सफल समापन की घोषणा करते हुए बहुत खुशी हो रही है। भा.प्र.सं. रायपुर के छात्रों ने उद्योगजगत के दिग्गजों को आकर्षित किया, जैसा कि प्राप्त पेशकशों की विविधता से पता चलता है। हमारी नियुक्तिओं में छात्रों की गुणवत्ता से संतुष्ट 110 से अधिक संगठनों ने भाग लिया।

मुख्य विशेषताएं

नियोजन के लिए पंजीकृत	कंपनियों ने भाग लिया	परिसर के माध्यम से नियोजित
252	113	252

परिसर में पेशकशों की संख्या	नए नियोक्ता
275	45

उच्चतम घरेलू सीटीसी	₹ 42,15,040/-
कक्षा औसत	₹ 17,73,124/-
औसत सीटीसी (उच्च 25 %)	₹ 24,00,816/-
कक्षा मध्यमान	₹ 16,95,000/-
औसत सीटीसी (उच्च 50 %)	₹ 21,01,568/-

उद्योग अनुसार नियोजन

रणनीति और परामर्श इस सीजन का सबसे बड़ा नियुक्ति क्षेत्रक बनकर उभरा, जिसने एक तिहाई से अधिक बैच को अवशोषित किया, जिसके बाद आईटी/आईटीईएस का स्थान था। अपने पिछले नियोक्ताओं को बनाए रखने के साथ–साथ, हमने ई–कॉमर्स, आतिथ्य, विनिर्माण, खाद्य एवं पेय, शिक्षा, लॉजिस्टिक्स और मीडिया जैसे विभिन्न क्षेत्रों के कॉर्पोरेट भागीदारों की अपनी सूची में कई नए और प्रमुख नाम जोड़े।

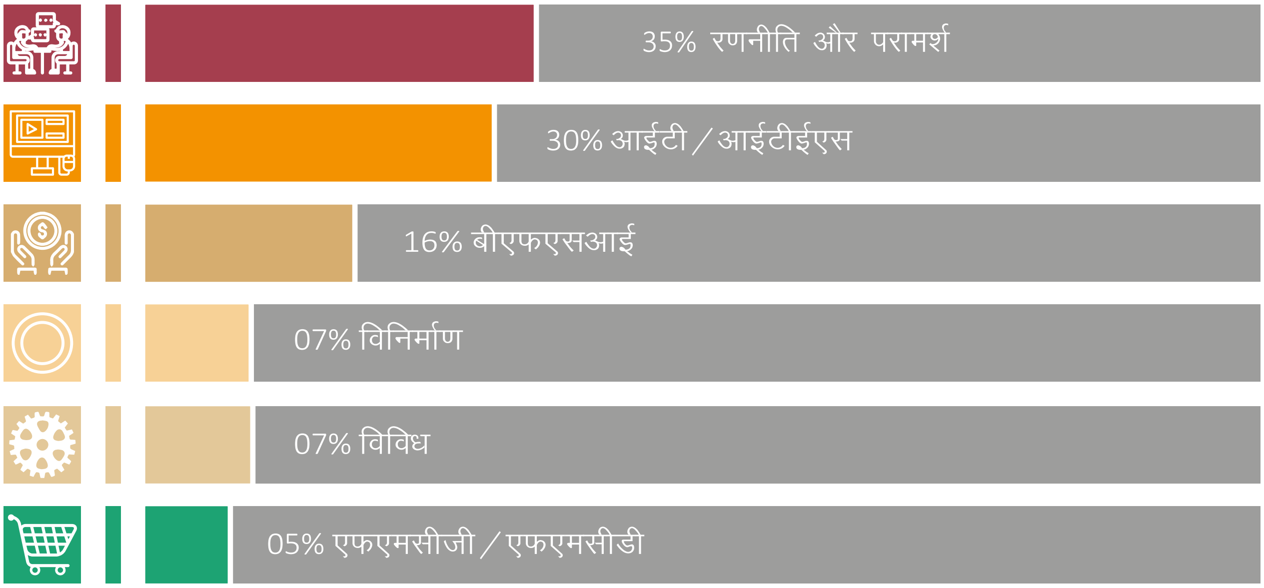

Sector	Highest	Average
Strategy & Consulting	₹ 32,21,000/-	₹ 18,37,929/-
IT & ITES	₹ 42,15,040/-	₹ 17,73,106/-
BFSI	₹ 23,50,000/-	₹ 18,19,516/-
Manufacturing	₹ 20,40,000/-	₹ 16,55,668/-
FMCG / FMCD	₹ 18,50,000/-	₹ 17,38,333/-
Miscellaneous	₹ 22,42,000/-	₹ 14,94,953/-

कार्य अनुसार नियोजन

हमारी भर्तियां विभिन्न कार्यों से संबंधित पेशकशों में अच्छी–खासी विविधता प्रदर्शित करती हैं। पेशकश की गई भूमिकाओं की संख्या के मामले में अग्रणी रहे विश्लेशिकी और परामर्श के साथ, बिक्री और विपणन अगले स्थान पर थे, जिसके निकट ही परिचालन और आईटी और वित्तीय प्रबंधन में नियुक्ति थीं।

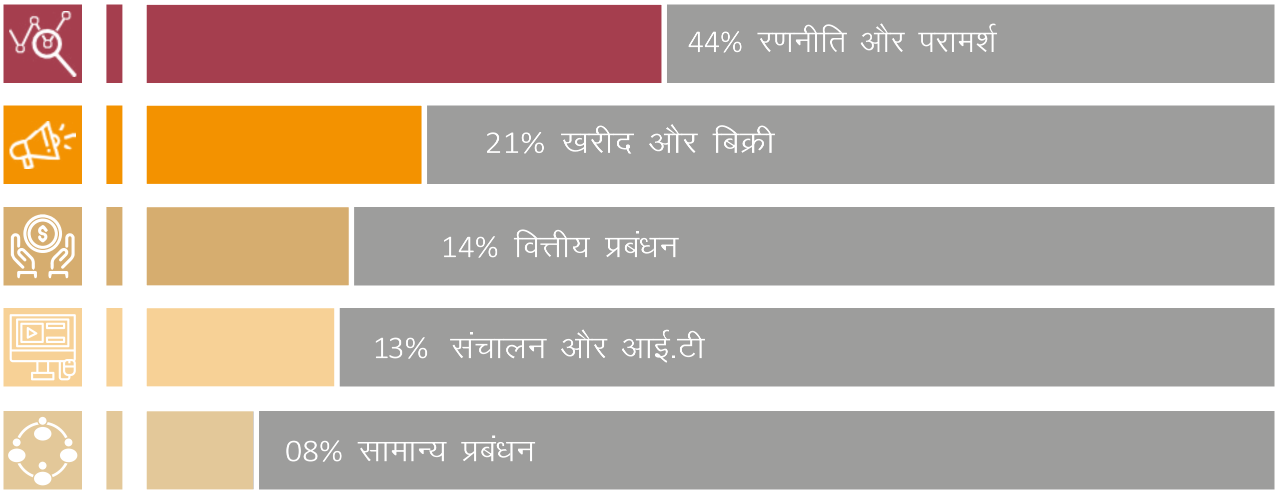

खरीद और बिक्री	रणनीति और परामर्श	वित्तीय प्रबंधन	संचालन और आई.टी	सामान्य प्रबंधन
उच्चतम ₹ 31,90,000/-	उच्चतम ₹ 32,21,000/-	उच्चतम ₹ 25,50,000/-	उच्चतम ₹ 42,15,040/-	उच्चतम ₹ 20,40,000/-
औसत ₹ 17,48,985/-	औसत ₹ 18,14,341/-	औसत ₹ 16,72,187/-	औसत ₹ 18,64,586/-	औसत ₹ 16,29,017/-

पिछले पांच वर्षों का नियोजन का रुझान

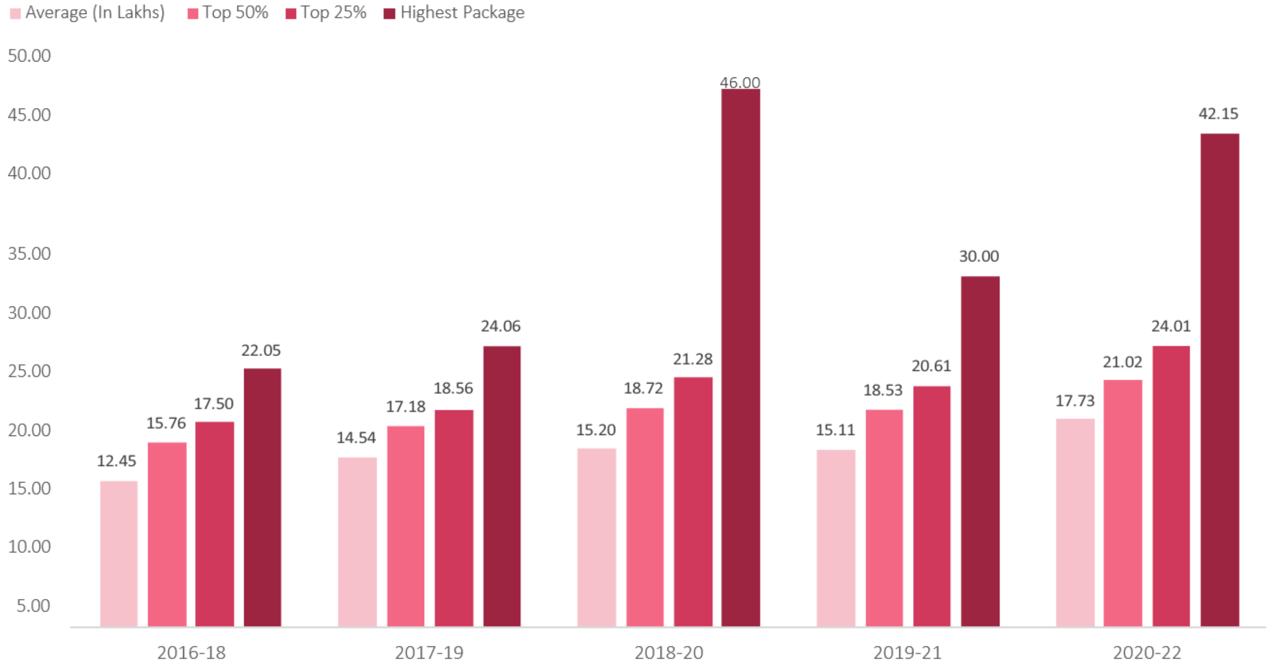

प्रमुख कॉर्पोरेट भागीदार

accenture technology
accenture
Aditya Birla Capital
Aditya Birla Fashion & Retail
Aditya Birla Grasim
airtel
Amara Raja
amazon
American Express
AM/NS India
Anand Rathi
AngelOne
asianpaints
Axis Bank
Bank of America
Berger
BlackRock
BMW
Bristlecone
BYJU'S
Capgemini
Career Launcher
Cognizant
Collabera
D E Shaw & Co
DS Group
Dell Technologies
Deloitte.
digit
elasticrun
epik Indifi
EXL
FRAAZO
genpact
Hashedin
HCL
HDFC Bank
Hero
HSBC
IBM
ICICI Bank
IDFC First Bank
indiamart
Infosys BPM
Infosys Consulting
latentview
Mahindra Rise.
MAQ Software
Microsoft
Mindtree
Narayana Health
Nilkamal
OLA Electric
PharmaACE
Porter
pwc
publicis sapient
Reliance Retail
RSPL
Schindler
Schneider Electric
Societe Generale
Swiggy
Tata Advanced Systems
Tata Steel Long Products Limited
Tata Steel
Tech Mahindra
Tiger Analytics
Tredence
TresVista
TVS Credit
TVS
UPL
VIP
xiaomi
Yes Bank
ZS
zscaler

4.2 ईपीजीपी

परिचय

प्रबंधन में कार्यकारी स्नातकोत्तर कार्यक्रम (ईपीजीपी) को इस प्रकार तैयार किया गया है कि जिससे कामकाज और व्यक्तिगत गतिविधियों में कम से कम व्यवधान आए। यह कार्यक्रम चौबीस महीनों का है। वर्तमान में, दो बैचें क्रमशः जनवरी 2021 (ईपीजीपी बैच 1) और नवंबर 2021 (ईपीजीपी बैच 2) से शुरू हुई हैं। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य प्रतिभागियों को विभिन्न प्रबंधन विषयों में ठोस बुनियाद देकर प्रबंधन में उन्नत व्यवसाय के लिए तैयार करना है जो प्रतिस्पर्धा के नए रूपों को संभालने के लिए क्षमता विकसित करने के लिए आवश्यक हैं। यह कार्यक्रम वास्तविक जगत के व्यापार परिदृश्य मामलों के साथ विभिन्न सामान्य प्रबंधन सिद्धांतों, व्यवहार कौशलों और विश्लेषणात्मक विधियों का मिश्रण प्रदान करता है। इसमें इस प्रकार 1020 घंटे की विषयवस्तु प्रस्तुति (900 घंटे शिक्षण सहित) है कि यह (3.5–4) माह के छह सत्रों में फैला हुआ है। एक लघु–सत्र है जिसमें एक लघु शोध प्रबंध और एक एकीकृत सिमुलेशन परियोजना शामिल है। चयन प्रक्रिया को इस प्रकार तैयार किया गया है कि जिससे शैक्षणिक, व्यावसायिक और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि में काफी विविधता सुनिश्चित हो। इस कार्यक्रम के दौरान, साथियों और संकाय के साथ अंतरक्रिया से कौशलों, अलग–अलग दृष्टिकोणों की समझ, प्रभावी संचार, संघर्ष प्रबंधन, बातचीत, और सामान्य लक्ष्यों की दिशा में लोगों को जुटाने में वृद्धि होगी–ये सभी प्रभावी प्रबंधन पद्धतियों के आवश्यक तत्व हैं। इस कार्यक्रम का लक्ष्य प्रतिभागियों का व्यावसायिक विकास आगे और बढ़ाने के लिए मुख्य नेतृत्व क्षमता को व्यापक बनाना है।

इस कार्यक्रम के विशिष्ट उद्देश्य इस प्रकार हैं:–

- जटिल निर्णय निर्माण वातावरण में सभी अनुशासनों में निर्णयों और समाधानों को एकीकृत करने की क्षमता विकसित करना।
- स्थूल और सूक्ष्म व्यापार पर्यावरणीय कारकों का प्रभाव समझना।
- अटल व्यक्तिगत सत्यनिष्ठा द्वारा समर्थित नैतिक और मूल्य–आधारित निर्णयन के लिए एक स्पष्ट रूपरेखा शामिल करना।
- व्यावसायिक उपस्थिति और अन्य लोगों को प्रेरित करने और लोगों की विविधतापूर्ण टीमों का नेतृत्व करने के लिए आवश्यक दृष्टि स्पष्ट करने की क्षमता रखना।
- सामाजिक कल्याण के लिए मूल्यों और सक्रिय दृष्टिकोण का विकास करना।

संक्षेप में, पीजीपी कार्यक्रम का उद्देश्य प्रबंधन स्नातकों के बीच सामाजिक उत्तरदायित्व और वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए उत्साह विकसित करना है जो समाज और देश के समावेशी विकास में प्रभावी योगदान दे सकते हैं।

कार्यक्रम की संरचना

24 माह के ईपीजीपी में छह सत्र और लघु–सत्र होगा। इस कार्यक्रम में परिसर अंतर्वेशन की 5–5 दिनों की दो इकाइयां शामिल हैं। कार्यक्रम की आवश्यकता से दोनों परिसर अंतर्वेशन में भाग लेना अनिवार्य है। शेष कक्षाएं लाइव ऑनलाइन विधा से आयोजित की जाएंगी।

I. **मुख्य पाठ्यक्रम:** मुख्य पाठ्यक्रम आधुनिक व्यावसायिक संगठनों में प्रभावी प्रबंधन के मौलिक सिद्धांतों की मजबूत समझ बनाने पर केंद्रित होगा। यह खंड उत्तरोत्तर वैश्वीकृत होते जा रहे आर्थिक और राजनीतिक वातावरण में व्यवसाय की समझ विकसित करने पर भी केंद्रित होगा। इस समझ से मौलिक संकल्पनात्मक और विश्लेषणात्मक ज्ञान स्पष्ट करने में सहायता मिलेगी। पाठ्यक्रम का लक्ष्य होगा
   - व्यापार की समझ की बुनियाद बनाना
   - व्यावसायिक गतिविधियों का निर्माण खंड
   - नेतृत्व की पदस्थिति के लिए अभ्यर्थी को तैयार करना

II. **उन्नत मुख्य पाठ्यक्रमः** उन्नत स्तरीय पाठ्यक्रम से छात्र उच्च जिम्मेदारियां उठाने और नेतृत्व की पदस्थिति संभालने के लिए तैयार होंगे।

III. **ऐच्छिक:** सभी प्रमुख कार्यात्मक क्षेत्रों से ऐच्छिक पाठ्यक्रमों को इस प्रकार तैयार किया गया है कि जो छात्रों के व्यवसाय/शैक्षणिक रूचि के आधार पर उनके विशिष्ट व्यावसायिक लक्ष्यों को पूरा कर सकें।

IV. **लघु सत्र** में शामिल है:
- लघु शोध प्रबंध – किसी संकाय सदस्य की देखरेख में पूरा किया जाएगा!
- एकीकृत व्यापार सिमुलेशन– यह परियोजना वास्तविक जीवन की स्थितियों में प्रबंधकीय अवधारणाओं को लागू करने पर केंद्रित है और परिसर में आयोजित की जाएगी।

4.2.1 प्रवेश (ईपीजीपी बैच 2)

ईपीजीपी 2021–23 बैच के लिए नवंबर 2021 में कुल 211 छात्रों को प्रवेश दिया गया था। इस बैच की औसत आयु 34 वर्ष है। इस बैच में भारतीय वायु सेना, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, अमेरिकन एक्सप्रेस, बीपीसीएल, फ्लिपकार्ट, इंफोसिस, एरिक्सन, टाटा स्टील, सीमेंस, एसएपी लैब्स, बैंक ऑफ अमेरिका और नोकिया जैसे प्रमुख और विविध संगठनों के प्रतिभागी शामिल हैं। इस कार्यक्रम को भारत और विदेशों से सैकड़ों आवेदनों के रूप में जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली है। ईपीजीपी कार्यक्रम में अंतर्राष्ट्रीय अभ्यर्थियों की भी भागीदारी है।

ईपीजीपी 2021–23 बैच 2 (नवंबर 2021) में प्रवेश का विवरण नीचे दिया गया है:

श्रेणीवार और लिंगवार

सामान्य		एनसी–ओबीसी		एससी		एसटी		डीएपी		कुल
पुरूष	महिला	पुरूष	महिला	पुरूष	महिला	पुरूष	महिला	पुरूष	महिला	
149	44	08	02	07	01	0	0	0	0	211

लिंग अनुपात

पुरुष और महिला लिंगानुपात इस प्रकार है:

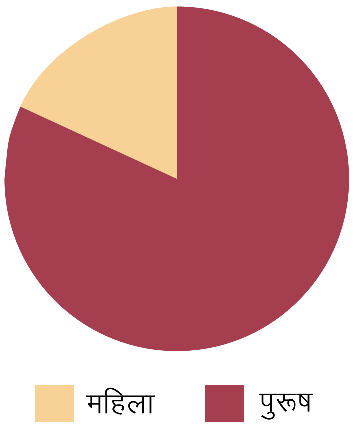

लिंग विविधता	
लिंग	संख्या
पुरूष	164
महिला	47
कुल	211

शैक्षिक पृष्ठभूमि

बैच की शैक्षिक पृष्ठभूमि निम्नानुसार है:

शैक्षिक पृष्ठभूमि	संख्या
अभियांत्रिकी / प्रौद्योगिकी	136
कंप्यूटर विज्ञान और आईटी	4
वाणिज्य / अर्थशास्त्र	18
विज्ञान	25
अन्य	09
कला	08
प्रबंधन	11
कुल	**211**

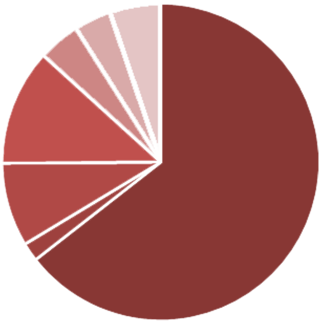

कार्य अनुभव

बैच का कार्य अनुभव विश्लेषण इस प्रकार है:

कार्य अनुभव	संख्या
24- 36 माह	12
37- 48 माह	16
49- 60 माह	16
> 61 माह	167
कुल	**211**

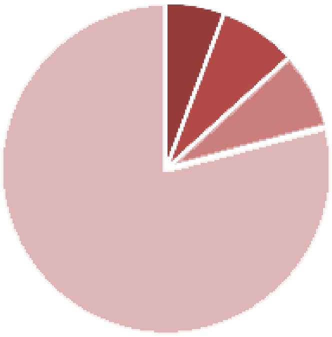

आयु

आयु	संख्या
21 वर्ष- 30 वर्ष	76
31 वर्ष- 40 वर्ष	94
41 वर्ष- 55 वर्ष	41
कुल	**211**

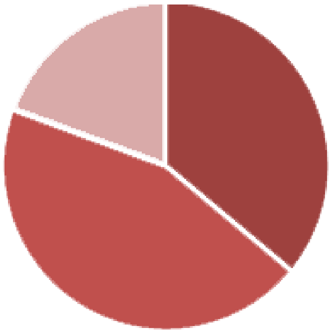

संगठनात्मक क्षेत्रक

क्षेत्रक	संख्या
ऑटोमोबाइल	09
बैंकिंग / वित्तीय सेवाएं	23
रक्षा	02
इंजीनियरिंग / औद्योगिक	32
एफएमसीजी	15
सूचान प्रौद्योगिकी	63
बीमा	00
प्रबंधन सलाहकार	14
तेल और ऊर्जा	03
अन्य	38
पेट्रोरसायन	04
फार्मा / स्वास्थ्य	06
दूरसंचार	02
कुल	211

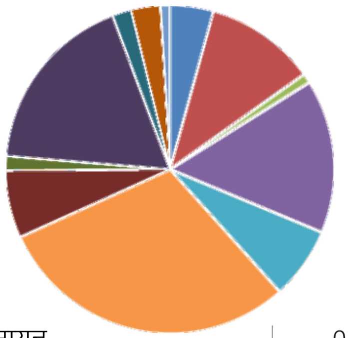

6. राज्यवार / अन्य देशवार

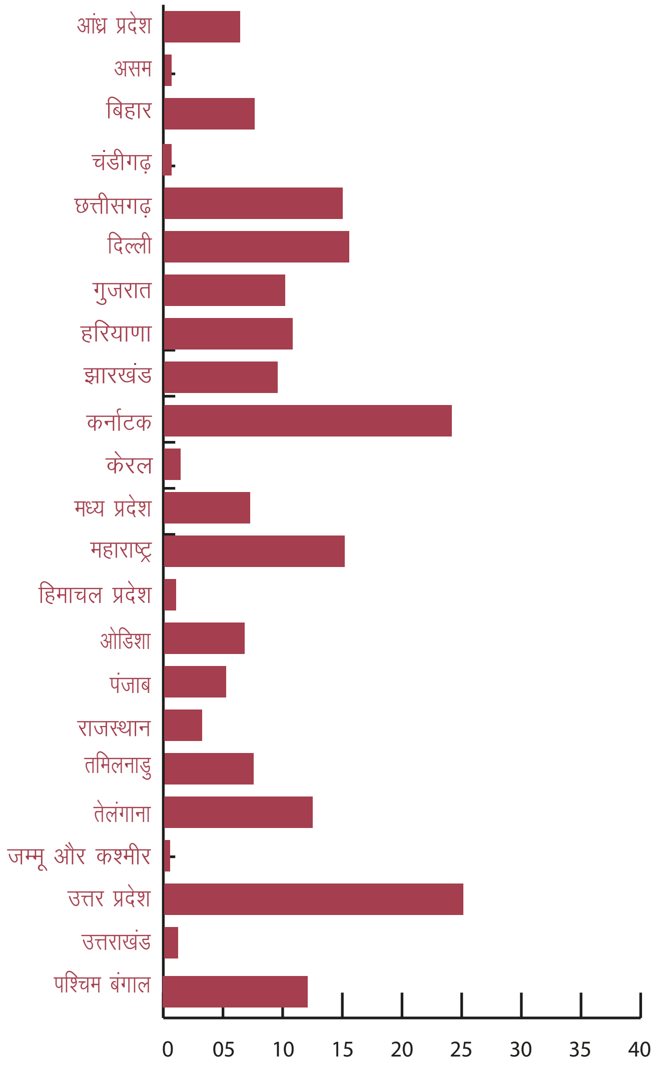

राज्य	संख्या
आंध्र प्रदेश	6
असम	1
बिहार	7
चंडीगढ़	1
छत्तीसगढ़	15
दिल्ली	16
गुजरात	10
हरियाणा	11
झारखंड	8
कर्नाटक	29
केरल	2
मध्य प्रदेश	7
महाराष्ट्र	15
हिमाचल प्रदेश	2
ओडिशा	6
पंजाब	5
राजस्थान	3
तमिलनाडु	7
तेलंगाना	13
जम्मू और कश्मीर	1
उत्तर प्रदेश	25
उत्तराखंड	2
पश्चिम बंगाल	12
कुल	204

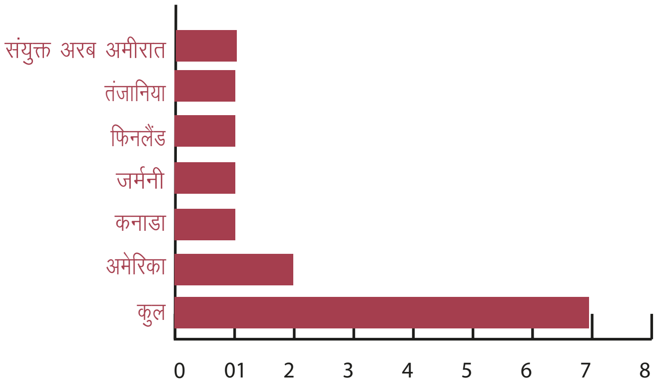

अन्य देश	संख्या
संयुक्त अरब अमीरात	1
तंजानिया	1
फिनलैंड	1
जर्मनी	1
कनाडा	2
अमेरिका	1
कुल	**7**
कुल योग	**211**

ईपीजीपी 2021–23 बैच 2 (नवंबर 2021) में प्रवेश का विवरण नीचे दिया गया है:

श्रेणीवार और लिंगवार

सामान्य		एनसी–ओबीसी		एससी		एसटी		डीएपी		कुल
पुरूष	महिला	पुरूष	महिला	पुरूष	महिला	पुरूष	महिला	पुरूष	महिला	
149	44	08	02	07	01	0	0	0	0	211

लिंग अनुपात

पुरुष और महिला लिंगानुपात इस प्रकार है:

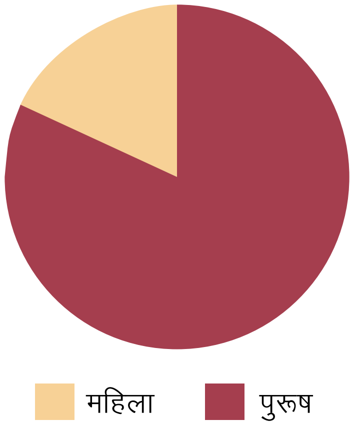

लिंग विविधता	
लिंग	संख्या
पुरूष	164
महिला	47
कुल	211

शैक्षिक पृष्ठभूमि

बैच की शैक्षिक पृष्ठभूमि निम्नानुसार है:

शैक्षिक पृष्ठभूमि	संख्या
अभियांत्रिकी / प्रौद्योगिकी	99
कंप्यूटर विज्ञान और आईटी	54
वाणिज्य / अर्थशास्त्र	18
विज्ञान	19
अन्य	01
कला	06
प्रबंधन	11
कानून	03
कुल	**211**

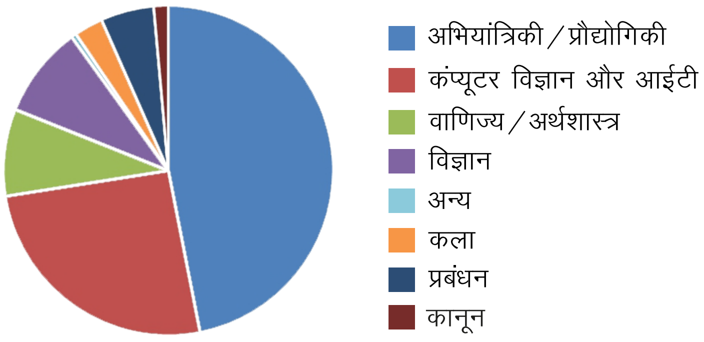

कार्य अनुभव

बैच का कार्य अनुभव विश्लेषण इस प्रकार है:

कार्य अनुभव	संख्या
24- 36 माह	12
37- 48 माह	16
49- 60 माह	16
61- 72 माह	19
> 72 माह	148
कुल	**211**

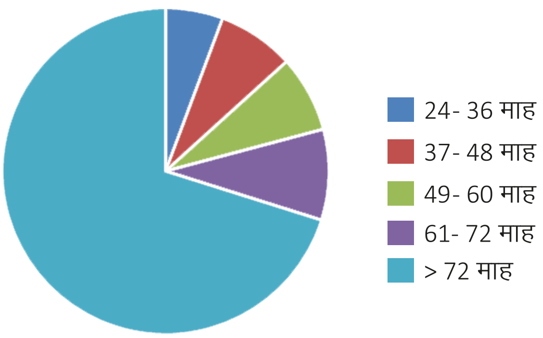

आयु

आयु	संख्या
23 वर्ष - 30 वर्ष	79
31 वर्ष - 40 वर्ष	91
41 वर्ष - 55 वर्ष	38
55 वर्ष - 61 वर्ष	3
कुल	211
औसत आयु	35 वर्ष

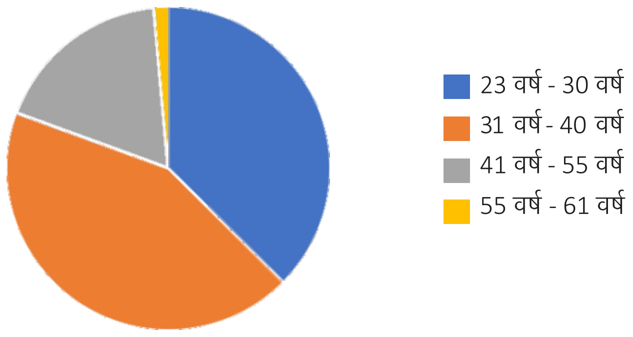

संगठनात्मक क्षेत्रक

संगठनात्मक क्षेत्रक	संख्या
ऑटोमोबाइल	10
विमानन	01
बैंकिंग / वित्तीय सेवाएं	36
बिजनेस प्रोसेस आउटसोर्सिंग	01
सलाहकार	05
रक्षा	02
इंजीनियरिंग / औद्योगिक	50
एफएमसीजी	03
सूचान प्रौद्योगिकी	79
तेल और ऊर्जा	08
अन्य	11
फार्मा / स्वास्थ्य	04
दूरसंचार	01
कुल	211

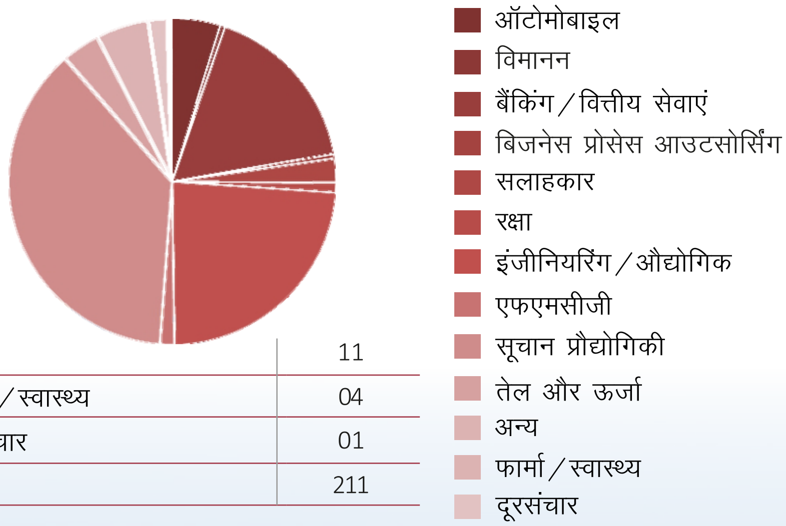

6. राज्य–वार / अन्य देश–वार

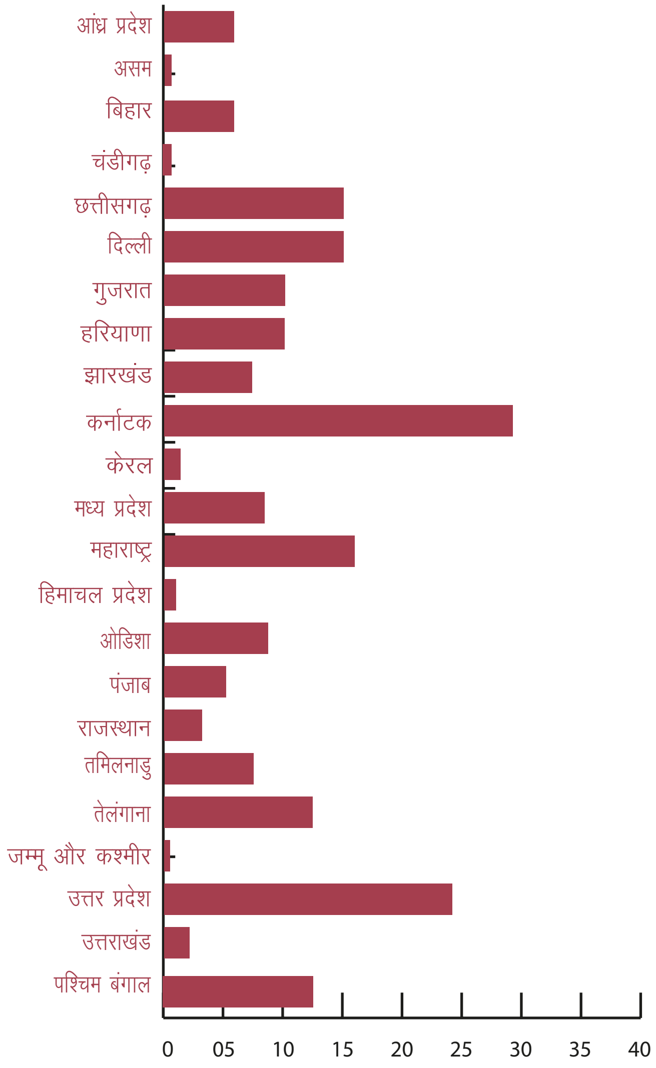

राज्य	संख्या
आंध्र प्रदेश	6
असम	1
बिहार	6
चंडीगढ़	1
छत्तीसगढ़	15
दिल्ली	15
गुजरात	10
हरियाणा	10
झारखंड	7
कर्नाटक	29
केरल	2
मध्य प्रदेश	8
महाराष्ट्र	16
हिमाचल प्रदेश	2
ओडिशा	8
पंजाब	5
राजस्थान	2
तमिलनाडु	7
तेलंगाना	13
जम्मू और कश्मीर	1
उत्तर प्रदेश	24
उत्तराखंड	3
पश्चिम बंगाल	13
कुल	204

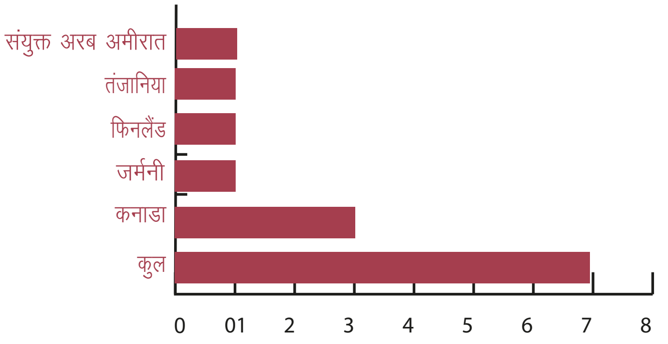

अन्य देश	संख्या
संयुक्त अरब अमीरात	1
तंजानिया	1
फिनलैंड	1
जर्मनी	1
कनाडा	3
कुल	7
कुल योग	211

4.3 एफपीएम

परिचय

भा.प्र.सं. रायपुर पूर्णकालिक अध्येता कार्यक्रम प्रदान करता है जिससे विभिन्न प्रबंधन क्षेत्रों में उन्नत अध्ययन और अनुसंधान के लिए शोधार्थियों को पीएचडी डिग्री का अवसर मिलता है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य शोध छात्रों को प्रबंधन अध्ययन और संबंधित अनुशासनों में शिक्षण और अनुसंधान में करियर और अन्य संगठनों में करियर के लिए तैयार करना है, जिनके लिए उन्नत विश्लेषणात्मक और अनुसंधान क्षमताओं की आवश्यकता होती है। यह कार्यक्रम शोध छात्रों को प्रबंधन क्षेत्र में जटिल मुद्दों की पहचान करने और उन पर अनुसंधान करने के लिए आवश्यक कौशल प्रदान करता है और उनके निष्कर्षों का अंतर्राष्ट्रीय मानक के प्रकाशनों में प्रचार–प्रसार करता है।

इस कार्यक्रम के उद्देश्य–

- शोध छात्रों को प्रबंधन क्षेत्र में जटिल मुद्दों की पहचान करने और उन पर अनुसंधान करने के लिए आवश्यक कौशल प्रदान करना और उनके निष्कर्षों का अंतर्राष्ट्रीय मानक के प्रकाशनों में प्रचार–प्रसार करना।
- प्रबंधन के क्षेत्र में ज्ञान के सृजन, संचारण और अनुप्रयोग में योगदान देना।
- प्रबंधन के अंतर–अनुशासनात्मक क्षेत्रों में अंतर्राष्ट्रीय मानक का अनुसंधान और प्रकाशन करना जिससे समाज और ज्ञान निकाय का मूल्य वर्धन हो।
- असाधारण विश्लेषणात्मक क्षमता और प्रशिक्षण वाले अत्यधिक कुशल व्यक्तियों का निर्माण कर शिक्षा और उद्योग जगत की शिक्षण और अनुसंधान कार्यबल की जरूरतों को पूरा करना।

विशेषज्ञता

- व्यापार नीति और रणनीति
- अर्थशास्त्र और व्यापार वातावरण
- वित्त और लेखांकन
- विपणन
- परिचालन प्रबंधन
- संगठनात्मक व्यवहार और एचआरएम
- सूचना प्रौद्योगिकी और प्रणाली

वृत्ति

शोध छात्रों को प्रथम और द्वितीय वर्श के दौरान प्रति माह 30,000 रुपये की अध्येतावृत्ति प्रदान की जाती है। यह वृत्ति द्वितीय वर्ष के अंत में शोध छात्र द्वारा सफलतापूर्वक व्यापक परीक्षा उत्तीर्ण करने तक जारी रहेगी। कार्यक्रम की शेष अवधि (अर्थात, तृतीय और चतुर्थ वर्ष) के लिए, द्वितीय वर्ष के अंत में सफलतापूर्वक व्यापक परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद प्रति माह रू. 35,000 की वृत्ति प्रदान की जाएगी। असाधारण परिस्थितियों में और टीएसी अध्यक्ष की अनुशंसा पर, चतुर्थ वर्ष के बाद छह माह तक के लिए वृत्ति को बढ़ाया जा सकता है। यह निर्णय डॉक्टरेट कार्यक्रम समिति द्वारा लिया जाएगा और निदेशक द्वारा अनुमोदित किया जाएगा।

अतिरिक्त अनुदान

सभी एफपीएम शोध छात्रों को अनुदान का एक पूरा पैकेज प्रदान किया जाता है। इस पैकेज के घटक निम्नलिखित हैं:

क पीसी/लैपटॉप खरीदने के लिए एक बार रू. 50,000/– का कंप्यूटर अनुदान।

ख डॉक्टरेट कार्यक्रम के दौरान अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय सम्मेलनों, या डॉक्टरेट सहायता संघ संगोष्ठी में भाग लेने के लिए रू. 2,00,000/– तक का संचयी सम्मेलन अनुदान। एक अंतर्राष्ट्रीय/राष्ट्रीय सम्मेलन/डॉक्टोरल सहायता संघ संगोष्ठी के लिए किसी छात्र को प्रतिपूर्ति की जाने वाली अधिकतम राशि रू. 1,50,000/– है। अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के बदले में, छात्र द्वारा अपना शोध प्रबंध कार्य पूरा करने के लिए टीएसी द्वारा अनुमोदित कुछ शोध कार्य करने के लिए किसी विदेशी विश्वविद्यालय के भ्रमण का विकल्प चुना जा सकता है। कृपया ध्यान रखें कि एफपीएम नियमावली की धारा 8.11, ''शोध छात्रों के लिए टीए और डीए मानदंड,'' टीए, डीए और छात्रावास प्रतिपूर्ति आदि के लिए लागू होगी।

ग प्रत्येक एफपीएम शोध छात्र के लिए प्रति वर्ष निम्नलिखित आकस्मिक अनुदान उपलब्ध होगा, जिसका शैक्षणिक वर्ष (अर्थात जुलाई से जून तक) के दौरान उपयोग किया जा सकता है।

- प्रथम वर्ष – शून्य
- द्वितीय वर्ष – रु. 10,000/–
- तृतीय और चतुर्थ वर्ष – रू. 20,000/– प्रति वर्ष

आकस्मिक अनुदान के उपयोग के लिए टीएसी अध्यक्ष/क्षेत्र अध्यक्ष की अनुशंसा पर अध्यक्ष (डॉक्टोरल कार्यक्रम) से पूर्व संपुष्टि की आवश्यकता होती है। किसी भी वर्ष के लिए अप्रयुक्त आकस्मिक अनुदान उक्त वर्ष में व्यपगत हो जाएगा। इस अनुदान का निम्नलिखित उद्देश्यों के लिए उपयोग किया जा सकता है:

- भारत में अनुसंधान कार्यशालाओं में भाग लेने के लिए
- कार्यक्रम की संपूर्ण अवधि (विस्तार सहित) में शोध प्रबंध कार्य के संबंध में क्षेत्रकार्य/डेटा संग्रह के लिए कोई डीए नहीं दिया जाएगा। केवल यात्रा और आवास की अनुमति होगी। केवल अंतर्राष्ट्रीय/राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लेने के लिए डीए की अनुमति है।
- पुस्तकों, फोटोप्रति, मुद्रित और लेखन सामग्री की खरीद।
- शोध प्रबंध की जिल्दसाजी और छपाई, शोध पत्र के पांडुलिपि संपादन, प्रतिलेखन और कोडिंग के लिए सहायता।
- पत्रिकाओं की अंशदायी सदस्यता; तृतीय और चतुर्थ वर्ष के दौरान किसी राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय व्यावसायिक सभा के लिए वार्षिक सदस्यता शुल्क (शोध छात्र दरें)।
- संस्थान के सूचीबद्ध स्वास्थ्य बीमा प्रदाता से वार्षिक स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम ।
- यह कहते हुए टीएसी अध्यक्ष की अनुशंसा पर सॉफ्टवेयर (सॉफ्टवेयरों) को खरीदा जा सकता है, कि यह शोध छात्र के कार्य के लिए आवश्यक है।

4.3.1 पीएच.डी. 2021 प्रवेश

बैच की रूपरेखा

सामान्य		ईडब्लूएस		एनसी–ओबीसी		एससी		एसटी		डीएपी		कुल
पुरूष	महिला	पुरूष	महिला	पुरूष	महिला	पुरूष	महिला	पुरूष	महिला	पुरूष	महिला	
2	1	1	0	1	0	1	0	0	0	0	1	07

लिंग अनुपात

पुरूष और महिला लिंगानुपात इस प्रकार हैः

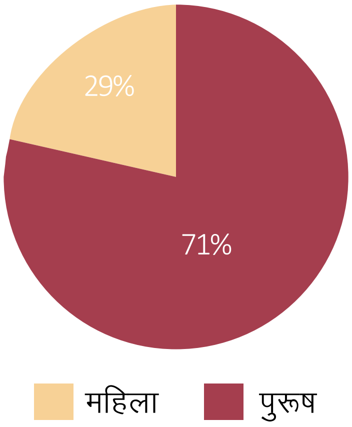

लिंग विविधता	
लिंग	संख्या
पुरूष	5
महिला	2
कुल	7

शैक्षिक पृष्ठभूमि

बैच की शैक्षिक पृष्ठभूमि निम्नानुसार हैः

शैक्षिक पृष्ठभूमि	संख्या
वाणिज्य	03
अभियांत्रिकी / प्रौद्योगिकी	03
प्रबंधन	01
कुल	**07**

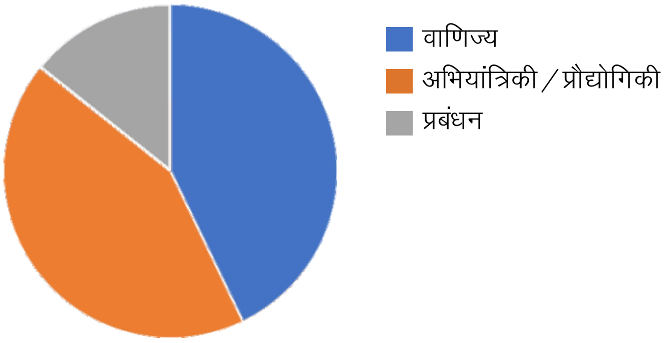

कार्य अनुभव

बैच का कार्य अनुभव विश्लेषण इस प्रकार हैः

कार्य अनुभव	संख्या
कोई अनुभव नहीं	03
1- 4 वर्ष	04
कुल	**07**

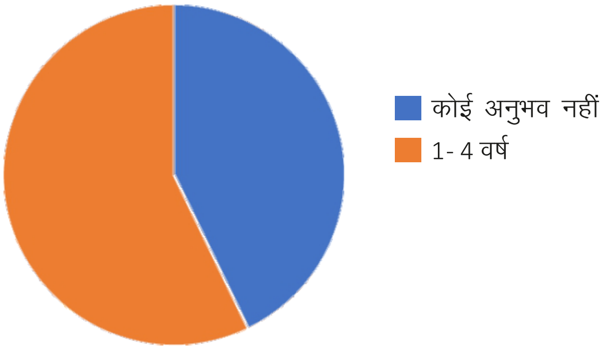

आयु

आयु	संख्या
22 वर्ष - 27 वर्ष	5
28 वर्ष - 30 वर्ष	2
कुल	**7**
औसत आयु	27 वर्ष

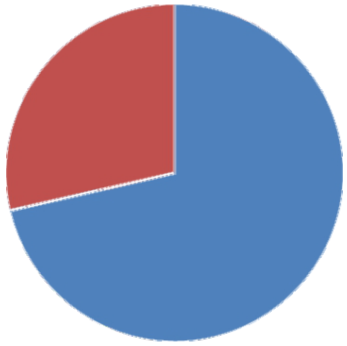

प्रवेश में पिछले 5 वर्षों का रुझान

वर्ष	2017-18	2018-19	2019-20	2020-21	2021-22
प्रवेश की संख्या	5	5	8	4	7
सामान्य	3	5	5	1	3
सामान्य – ईडब्ल्यूएस	0	0	1	1	1
एनसी–ओबीसी	2	2	1	2	1
एससी	0	0	1	0	1
एसटी	0	0	0	0	0
डीएपी	0	0	0	0	1

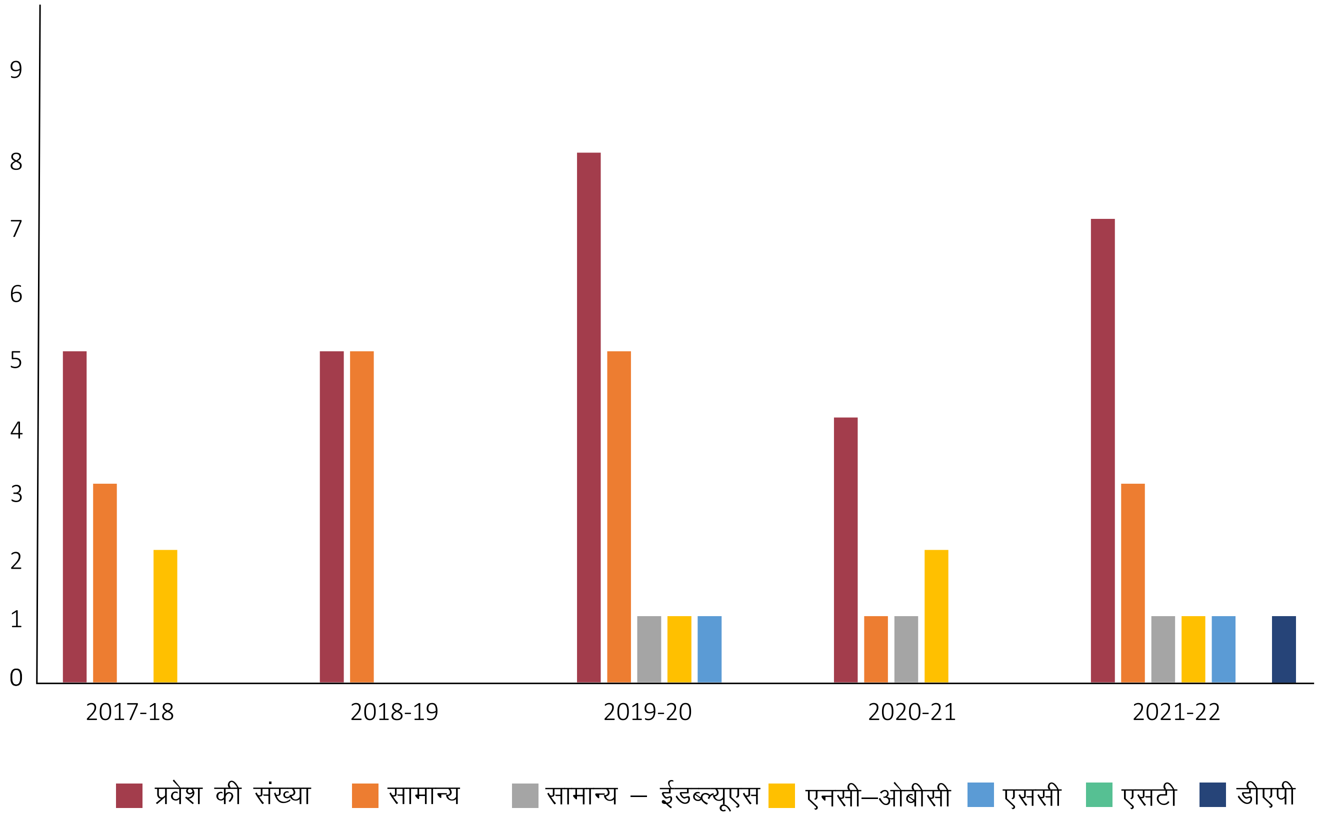

4.3.2 स्नातक शोध छात्र

क्र.सं	शोध छात्र/छात्रा का नाम	क्षेत्र	शोध प्रबंध का शीर्षक	शोध प्रबंध सलाहकार समिति	अवस्थित
1	अदिति डी	अर्थशास्त्र और व्यावसायिक वातावरण	मुद्रास्फीति और मुद्रास्फीति अपेक्षाओं पर घरेलू बेरोजगारी अंतराल और वैश्विक वस्तु कीमतों का प्रभाव	प्रो. प्रद्युम्न दास (अध्यक्ष टीएसी) प्रो. रश्मि शुक्ला (सदस्य, टीएसी) प्रो. सुमीत गुप्ता (सदस्य, टीएसी)	आर वी. विश्वविद्यालय
2	कंचारला रवितेजा	संगठनात्मक व्यवहार और एचआरएम	कार्यस्थल व्यवहार पर मानव संसाधन हस्तक्षेप और कथित संगठनात्मक नैतिकता का प्रभाव	प्रो. अनुभा दाधीच (अध्यक्ष टीएसी) प्रो. पायल आनंद (सदस्य, टीएसी) प्रो. ईमान मल्लिक (सदस्य, टीएसी)	कनाडा से पोस्ट डॉक्टरेट
3	सना अंसारी	आईटी और प्रणालियां	ई–कॉमर्स में जाली समीक्षाओं का खतराः ग्राहक का दृष्टिकोण	प्रो. सुमीत गुप्ता (अध्यक्ष टीएसी) प्रो. मनोजित चट्टोपाध्याय (सदस्य, टीएसी) प्रो. जी यू (सदस्य, टीएसी)	बीआईएमएम पुणे
4	शेखर सुमन	व्यापार नीति और रणनीति	मूल्य प्रणाली और फर्म का प्रदर्शनः भारतीय पारिवारिक व्यवसायों के संबंध में अध्ययन	प्रो. सत्यसिबा दास (अध्यक्ष, टीएसी) प्रो. जागरूक डावरा (सदस्य, टीएसी) प्रो. समर सिंह (सदस्य, टीएसी)	ईवाई
5	अविनाश अशोक जावड़े	वित्त और लेखांकन	लाभांश भुगतान नीति और इसकी अभिप्रेरणाएँ	प्रो. योगेश चौहान (अध्यक्ष, टीएसी) प्रो. प्रद्युम्न दास (सदस्य टीएसी) प्रो. के. किरण कुमार (सदस्य, टीएसी)	एनएमआईएमएस हैदराबाद
6	विली दास	व्यापार नीति और रणनीति	प्रारंभिक चरण वाली उद्यमिता में टीम के उद्भव की सामाजिक गतिशीलता	प्रो. सत्यसिबा दास (अध्यक्ष, टीएसी) प्रो. मनोजित चट्टोपाध्याय (सदस्य, टीएसी) प्रो सरस सरस्वती (सदस्य, टीएसी)	लीहाई विश्वविद्यालय, बेथलहम से पोस्ट डॉक्टरेट
7	खानजोड़े अक्षय गजानन	परिचालन और मात्रात्मक विधियां	संवहनीय परिचालनों के लिए भारतीय एमएसएमई में उद्योग 4.0 और एलएसएस को अपनाना	प्रो. पीआरएस सर्मा (अध्यक्ष, टीएसी) प्रो. मोहित गोस्वामी (सदस्य, टीएसी) प्रो. सचिन कुमार मंगला (सदस्य, टीएसी)	एनएमआईएमएस मुंबई
8	प्रणव धर्माणी	व्यापार नीति और रणनीति	रचनात्मक उद्योगों के विकास में प्रौद्योगिकी की भूमिका	प्रो. सत्यसिबा दास (अध्यक्ष टीएसी) प्रो. अंकिता छाबड़ा (सदस्य, टीएसी) प्रो. संजीव पराशर (सदस्य, टीएसी)	भाप्रसं रोहतक

4.3.3 सम्मेलन जिनमें भाग लिया गया

क्र.सं.	अनुक्रमांक	नाम	सम्मेलन का शीर्षक	सम्मेलन की तिथि
1	18एफपीएम 002	सुमित शर्मा	सूचना प्रणालियों पर प्रशांत एशिया सम्मेलन	05–09 जुलाई, 2022
2	18एफपीएम 003	ए. मनीष कुमार	सूचना प्रणालियों पर प्रशांत एशिया सम्मेलन	05–09 जुलाई, 2023
3	18एफपीएम 004	दर्शन पंड्या	औद्योगिक अभियांत्रिकी और परिचालन प्रबंधन (आईईओएम) पर 12वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, इस्तांबुल, तुर्की	07–10 मार्च, 2022
4	19एफपीएम 001	आंचल गुप्ता	सामरिक प्रबंधन मंच का 23वां वार्षिक सम्मेलन	27–30 दिसंबर, 2021
5	19एफपीएम 002	मिहिर कुमार कुशवाह	अनुसंधान और शिक्षा में उत्कृष्टता पर 12वां सम्मेलन	3–5 जून, 2022
6	19एफपीएम 005	प्रतिभा कुमारी	आईएफएचई – व्यापार और वित्त 2022 पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन	27–29 जनवरी, 2022
7	19एफपीएम 006	प्रेरणा पांडा	ब्रिटिश प्रबंधन अकादमी 2022 सम्मेलन	31–2 सितंबर, 2022
8	19एफपीएम 007	रणजीत सिंह	विधि, वित्त एवं लेखांकन की पत्रिका 9जेएलएफए) 2022 सम्मेलन	14–15 जुलाई, 2022
9	21एफपीएम 001	अभिषेक हलदर	दिवालियापन और शोधन अक्षमता पर अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान सम्मेलन	30 अप्रैल–1 मई, 2022
10	21एफपीएम 003	प्रतीक नाहर	दिवालियापन और शोधन अक्षमता पर अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान सम्मेलन	30 अप्रैल–1 मई, 2022
11	21एफपीएम 005	शशांक प्रकाश श्रीवास्तव	दिवालियापन और शोधन अक्षमता पर अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान सम्मेलन	30 अप्रैल–1 मई, 2022

4.3.4 प्रकाशन

- देवगुप्तापु, ए., और डैश, पी. (2021)। वैश्विक जिंस की कीमतें और मुद्रास्फीति प्रत्याशाएं। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एमर्जिंग मार्केट्स
- कंचरला, आर., और दधीच, ए. (2020)। दृश्ट आचारनीति प्रशिक्षण और कार्यस्थल व्यवहारः दृश्ट आचारनीति संस्कृति की मध्यस्थताकारी भूमिका। यूरोपियन जर्नल ऑफ ट्रेनिंग एंड डेवलपमेंट, 45(1), 53–73।
- अंसारी, एस., और गुप्ता, एस. (2021)। ऑनलाइन उत्पाद समीक्षा की भ्रामकता की ग्राहक धारणाः वाक क्रिया सिद्धांत परिप्रेक्ष्य। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इन्फॉर्मेशन मैनेजमेंट, 57, 102286।
- सुमन, एस., और दास, एस. (2020)। पारिवारिक व्यवसाय संदर्भ में संगठनात्मक नवाचार पर संरचित साहित्य समीक्षा। स्ट्रेटजिक मैनेजमेंट– इंटरनेशनल जर्नल ऑफ स्ट्रेटजिक मैनेजमेंट एंड डिसीजन सपोर्ट सिस्टम्स इन स्ट्रेटजिक मैनेजमेंट, 25(3)।
- जावड़े, ए. (2021). क्या संकेंद्रित स्वामित्व फर्मों की फर्म विशेषताएँ पारंपरिक अभिप्रेरणाओं से परे लाभांश भुगतान को प्रभावित करती हैं? जर्नल ऑफ इंडियन बिजनेस रिसर्च, 13(2), 289–307।
- जावड़े, ए.ए. (2021)। क्या प्रवर्तक धारिता से लाभांशों का वित्तपोषित भुगतान प्रभावित होता है? बोर्सा इस्तांबुल रिव्यू, 21(4), 332–339।
- दास, डब्ल्यू., दास, एस., और चट्टोपाध्याय, एम. (2021)। एक अनुसंधान क्षेत्र के रूप में उद्यमशीलता दलम का उद्भव – आगे की राह। जर्नल ऑफ स्माल बिजनेस एंड एंटरप्राइज डेवलपमेंट।
- खानजोडे, ए.जी., शर्मा, पी.आर.एस., और गोस्वामी, एम. (2021)। संवहनीयता निहितार्थों पर विचार करते हुए लीन सिक्स–सिग्मा के चुनिंदा सक्षमकर्ताओं की मॉडलिंग अंतरक्रियाएंः एकीकृत चक्राकार अर्थव्यवस्था और उद्योग 4.0 परिप्रेक्ष्य। प्रोडक्शन प्लानिंग एंड कंट्रोल, 1–17।
- धर्माणी, पी., दास, एस., और पराशर, एस. (2021)। रचनात्मक उद्योगों का ग्रंथमितीय विश्लेषणः वर्तमान रुझान और भविष्य की दिशाएँ। जर्नल ऑफ बिजनेस रिसर्च, 135, 252–267।
- चौहान, जे.पी.एस., और गुप्ता, एस. (2022)। अपनी उद्यम प्रणालियों मेंसमझदारी और दिमाग लगानाः भारत में बड़े सार्वजनिक संगठनों में आईएस स्वांगीकरण का गुणात्मक अध्ययन। आईआईएम कोझिकोड सोसाइटी एंड मैनेजमेंट रिव्यू, 11(1), 126–145।
- सक्सेना, एन.के., और दास, एस. (2021)। भारत में राज्य के स्वामित्व वाले उद्यमों में उभयहस्त नवाचारः नव प्रवेशकों, तकनीकी असंतुलन और ज्ञान संजाल की भूमिका। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इनोवेशन मैनेजमेंट, 25(06), 2150067।
- गांगुली, एस., और दास, एस. (2020)। नियंत्रण और रचनात्मकता के विरोधाभासः भारतीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों से साक्ष्य। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी मैनेजमेंट, 17(06), 2050046।
- भट, यू.एम., बापट, डी., और मुखर्जी, ए. (2021)। उन्नत प्रौद्योगिकी वाली उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं की खरीद और अंगीकरण पर व्यक्तित्व कारकों का प्रभाव। जर्नल ऑफ इंडियन बिजनेस रिसर्च।
- शालग्राम, आर., पराशर, एस., और साईं विजय, टी. (2021)। क्या सेवा पुनर्प्राप्ति के बाद ग्राहक कृतज्ञता प्रदर्शित करते हैं? संबंध प्रकार की मितकारी भूमिका को समझना। सर्विस बिजनेस, 15(4), 757–779।

4.4 ईएफपीएम

परिचय

भा.प्र.सं. रायपुर ने प्रबंधन में पीएच.डी. का मार्ग प्रशस्त करने वाला कार्यकारी अध्येता कार्यक्रम शैक्षणिक वर्ष 2013–14 से आरंभ किया था। प्रबंधन में कार्यकारी अध्येता कार्यक्रम वह अनूठा डॉक्टरेट कार्यक्रम है जिसे विशेष रूप से उद्योग में सात वर्ष से अधिक का कार्य अनुभव रखने वाले कार्यशील व्यावसायिकों के लिए तैयार किया गया है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य उद्योग व्यावसायिकों को उनके जीवन में एक निश्चित बिंदु पर अकादमिक करियर में जाने का अवसर प्रदान करना है, अगर उनकी ऐसी अभिलाषा है। अपने अध्ययन के विषय क्षेत्र की पहले से ही कार्यक्षेत्र विशयक जानकारी रखने वाले लोगों का विद्वतापूर्ण आदान प्रदान कर, यह कार्यक्रम शिक्षा जगत के भीतर या अकादमिक जगत से बाहर अनुसंधान पदों पर पूर्णकालिक/अंशकालिक व्यवसाय की संभावनाएं प्रदान करता है।

कार्यक्रम के उद्देश्य

यह कार्यक्रम उच्च गुणवत्ता वाला अनुसंधान विकसित करने और विभिन्न प्रबंधन क्षेत्रों के लिए आवश्यक संपर्क प्रदान करने हेतु है। इस कार्यक्रम के विशिष्ट उद्देश्य इस प्रकार हैं:

- वास्तविक जीवन में प्रबंधन के क्षेत्र में जटिल मुद्दों की पहचान करने और उन पर अनुसंधान करने के लिए शोध छात्र को आवश्यक कौशल प्रदान करना।
- प्रबंधन के क्षेत्र में ज्ञान के सृजन, संचारण और अनुप्रयोग में योगदान देना।
- प्रबंधन के अंतर–अनुशासनात्मक क्षेत्रों में अंतर्राष्ट्रीय मानकों का अनुसंधान और प्रकाशन करना जो समाज और ज्ञान निकाय में मूल्य वर्धन करे।
- अनुप्रयुक्त अनुसंधान में और उसका संचालन करने में असाधारण विश्लेषणात्मक क्षमता और प्रशिक्षण वाले अत्यधिक कुशल व्यक्तियों का निर्माण कर शिक्षा और उद्योग जगत की शिक्षण और अनुसंधान जनशक्ति की जरूरतों को पूरा करना।

विशेषज्ञता

- व्यावसायिक नीति और रणनीति
- अर्थशास्त्र और व्यावसायिक वातावरण
- वित्त और लेखांकन
- विपणन
- परिंचालन प्रबंधन
- संगठनात्मक व्यवहार और मानव संसाधन प्रबंधन
- सूचना प्रौद्योगिकी और प्रणालियां

4.4.1 प्रकाशन

- चौहान, जे.पी.एस., और गुप्ता, एस. (2022)। अपनी उद्यम प्रणालियों में समझदारी और दिमाग लगाना: भारत में बड़े सार्वजनिक संगठनों में आईएस स्वांगीकरण का गुणात्मक अध्ययन। आईआईएम कोझिकोड सोसाइटी एंड मैनेजमेंट रिव्यू, 11(1), 126–145।
- सक्सेना, एन.के., और दास, एस. (2021)। भारत में राज्य के स्वामित्व वाले उद्यमों में उभयहस्त नवाचार: नव प्रवेशकों, तकनीकी असंतुलन और ज्ञान संजाल की भूमिका। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इनोवेशन मैनेजमेंट, 25(06), 2150067।
- गांगुली, एस., और दास, एस. (2020)। नियंत्रण और रचनात्मकता के विरोधाभास: भारतीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों से साक्ष्य। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी मैनेजमेंट, 17(06), 2050046।
- भट, यू.एम., बापट, डी., और मुखर्जी, ए. (2021)। उन्नत प्रौद्योगिकी वाली उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं की खरीद और अंगीकरण पर व्यक्तित्व कारकों का प्रभाव। जर्नल ऑफ इंडियन बिजनेस रिसर्च।
- शालग्राम, आर., पराशर, एस., और साईं विजय, टी. (2021)। क्या सेवा पुनर्प्राप्ति के बाद ग्राहक कृतज्ञता प्रदर्शित करते हैं? संबंध प्रकार की मितकारी भूमिका को समझना। सर्विस बिजनेस, 15(4), 757–779।

4.4.2 स्नातक शोध छात्र

कमांक	शोध छात्र का नाम	क्षेत्र	शोध प्रबंध का शीर्षक	शोध प्रबंध परामशदात्री समिति	नियोजन स्थान
1	जितेंद्र प्रताप सिंह चौहान	आईटी और प्रणालियां	विशाल संगठनों में उद्यम प्रणाली का आईएस स्वांगीकरण प्राप्त करना	प्रो. सुमीत गुप्ता (अध्यक्ष, टीएसी) प्रो. ही–वूंग किम (सदस्य, टीएसी) प्रो. मनोजित चट्टोपाध्याय (सदस्य, टीएसी)	भिलाई इस्पात संयंत्र
2	नवीन कुमार सक्सेना	व्यापार नीति और रणनीति	संगठनों के सामरिक उद्देश्यों पर प्रतिस्पर्धात्मक दबाव और सरकारी हस्तक्षेप का प्रभावः भारत के राज्य के स्वामित्व वाले उद्यमों का अध्ययन	प्रो. सत्यसिबा दास (अध्यक्ष, टीएसी) प्रो. सलमान अली (सदस्य के रूप में, टीएसी) प्रो. समर सिंह (सदस्य के रूप में, टीएसी)	टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, हैदराबाद
3	संजीव गांगुली	व्यापार नीति और रणनीति	भारत में पीएसई में नवाचार के चुनिंदा आंतरिक और बाहरी कारक	प्रो. सत्यसिबा दास (अध्यक्ष, टीएसी) प्रो. समर सिंह (सदस्य के रूप में, टीएसी) प्रो. सलमान अली (सदस्य के रूप में, टीएसी)	भिलाई इस्पात संयंत्र
4	यू मनोहर भट	विपणन	उच्च प्रौद्योगिकी उपभोक्ता को अपनाने में उपभोक्ता व्यवहार को प्रभावित करने वाले कारक	प्रो. धनंजय बापट (अध्यक्ष, टीएसी) प्रो. सुमीत गुप्ता (सदस्य, टीएसी) प्रो. अमित मुखर्जी (सदस्य, टीएसी)	मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड, नई दिल्ली
5	रामकृष्ण शालग्राम	विपणन	सेवा पुनर्प्राप्ति पर निबंध	प्रो. संजीव पराशर (अध्यक्ष टीएसी) प्रो. सुमीत गुप्ता (सदस्य, टीएसी) प्रो. नीरज पांडे (सदस्य, टीएसी)	एक्सेल एजूकेशन

4.5 वार्षिक दीक्षांत समारोह

09वां और 10वां वार्षिक दीक्षांत समारोह

भारतीय प्रबंध संस्थान रायपुर ने 29 अक्टूबर 2021 को अपना 9वां और 10वां वार्षिक दीक्षांत समारोह आयोजित किया। यह कार्यक्रम ऑनलाइन आयोजित किया गया था और इसका उद्‌घाटन शासी मंडल की अध्यक्षा श्रीमती श्यामला गोपीनाथन ने किया। सत्र की शुरुआत भा.प्र.सं. रायपुर के निदेशक प्रो. भरत भास्कर, पीजीपी के अध्यक्ष प्रो. सुमीत गुप्ता, और डीन अकादमिक प्रो. संजीव पराशर द्वारा दीप प्रज्जवलन के साथ हुई, जिसके बाद सरस्वती वंदना की गई।

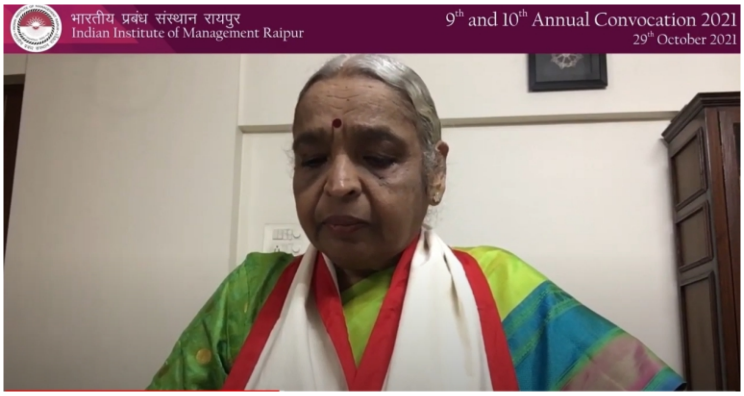

प्रोफेसर भरत भास्कर ने भा.प्र.सं. रायपुर की अध्यक्षा श्रीमती श्यामला गोपीनाथ का स्वागत करते हुए अपने संबोधन की शुरुआत की। उन्होंने विश्व का एक शीर्ष बी–स्कूल बनने की संस्थान की स्वप्नदृष्टि पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि भा.प्र.सं. रायपुर ने प्रबंधन संस्थानों की एनआईआरएफ रैंकिंग 2021 में 15वां स्थान प्राप्त किया है और यह कि संस्थान ने अपने नए परिसर से परिचालन शुरू कर दिया है और अपनी क्षमता को बढ़ाकर प्रति वर्ष 263 छात्र कर लिया है। उन्होंने नियोजन रिपोर्ट पर भी जानकारी दी।

अपना शुभारंभ होने के बाद के वर्षों में, अपने अंतर्राष्ट्रीय संबंधों को मजबूत करने के लिए, भा.प्र.सं. रायपुर ने विश्व के कुछ बेहतरीन बिजनेस स्कूलों के साथ 'समझौता ज्ञापन' (एमओयू) पर हस्ताक्षर किया है जिनमें ग्रेनोबल इकोले डी मैनेजमेंट, फ्रांस; आईईएसईजी स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, फ्रांस; एचएलएल लिपजिग ग्रेजुएट स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, जर्मनी; एआईटी बैंकाक, थाईलैंड; एएलबीए ग्रेजुएट बिजनेस स्कूल, ग्रीस; आईपीएडीई बिजनेस स्कूल, मेक्सिको; योनसाई विश्वविद्यालय, सियोल, दक्षिण कोरिया; न्यू कैसल विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रेलिया, ईएससी ट्रॉयेस, फ्रांस; विक्टोरिया यूनिवर्सिटी ऑफ वेलिंगटन, न्यूजीलैंड और मेलबर्न विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रेलिया जैसे कुछ नाम शामिल हैं। ये समझौता ज्ञापन छात्र और संकाय आदान–प्रदान कार्यक्रमों, सहयोगी अनुसंधान प्रकाशनों और संयुक्त सम्मेलनों और शैक्षणिक कार्यक्रमों के आयोजन पर केंद्रित हैं।

संस्थान ने सीआईओ और सीईओ स्तर के कार्यकारियों सहित कॉर्पोरेट लीडर्स को आकर्षित करने के लिए प्रमुख सम्मेलनों का आयोजन किया। उन्होंने उल्लेख किया कि अनुसंधान भा.प्र.सं. रायपुर की जान है। केवल पिछले वर्ष में ही 72–गुणवत्तापूर्ण पत्रिका शोधपत्रों का प्रकाशन किया गया है, जिससे एनआईआरएफ में भा.प्र.सं. रायपुर की रैंकिंग में सुधार लाने में सहायता मिली है। भा.प्र.सं. रायपुर गर्व के साथ अत्याधुनिक नेटवर्क और विकलांग अनुकूल परिसर का दावा करता है, जिसमें पैदल मार्ग और गलियारे विशेष रूप से सक्षम व्यक्तियों की जरूरतों को पूरा करने के लिए तैयार हैं।

प्रो. भरत भास्कर ने छात्रों को उनके निरंतर प्रयासों के लिए; और छात्रों की भा.प्र.सं. रायपुर का कठोर पाठ्यक्रम सफलतापूर्वक पूर्ण और उत्तीर्ण करने में सहायता करने के लिए उनके माता–पिता को उनके निरंतर मार्गदर्शन और समर्थन के लिए धन्यवाद देते हुए अपना संबोधन समाप्त किया।

भा.प्र.सं. रायपुर की अध्यक्षा श्रीमती श्यामला गोपीनाथन,बीओजी, ने व्यवधान के बीच भलीभांति फलने–फूलने और 100 प्रतिशत नियोजन प्राप्त करने के लिए भा.प्र.सं. रायपुर की सराहना की। उन्होंने छात्रों को आगे बढ़ते रहने, डिजिटलीकरण का लाभ उठाने और ज्ञान और नवाचार के माध्यम से सामाजिक चुनौतियों का समाधान करने के लिए प्रोत्साहित किया। संस्थान को अंशांकित पीजीपी 2018–20 बैच के कुल 181 छात्रों, पीजीपी 2019–21 बैच के 264 छात्रों और पीजीपी के 51 छात्रों को विदेशी आदान–प्रदान कार्यक्रमों से लाभ मिला है। इसके अलावा, प्रबंधन में अध्येता कार्यक्रम (एफपीएफ) में 9 छात्रों, ईएफपीएफ में 4 छात्रों और वेदांता (लांजीगढ़) लिमिटेड के कार्यशील कार्यकारी 2018–20 बैच के लिए प्रबंधन में परास्नतक कार्यक्रम में 30 छात्रों ने स्नातक किया।

दीक्षांत समारोह में शैक्षिक उत्कृष्टता के लिए स्वर्ण पदक भी दिए गए। मेधावी प्रदर्शन के लिए पदक प्रदान किए गए, नामतः

पीजीपी 2018–20 बैचः

- स्नातक करने वाली कक्षा में सर्वश्रेष्ठ अकादमिक प्रदर्शन के लिए शासी मंडल के अध्यक्ष के स्वर्ण पदक से आकाश कुमार को सम्मानित किया गया।
- स्नातक करने वाली कक्षा में दूसरे सर्वश्रेष्ठ अकादमिक प्रदर्शन के लिए निदेशक का स्वर्ण पदक श्री आदित्य खंडेलवाल को प्रदान किया गया।
- स्नातक करने वाली कक्षा में तीसरे सर्वश्रेष्ठ अकादमिक प्रदर्शन के लिए शासी मंडल अध्यक्ष स्वर्ण पदक से श्री हिमांशु भंडारी को सम्मानित किया गया।
- 2018–20 की बैच के लिए सर्वश्रेष्ठ समग्र प्रदर्शन स्वर्ण पदक श्री रावुलु सुरिबाबू को प्रदान किया गया।

पीजीपी 2019–21 बैचः

- स्नातक करने वाली कक्षा में सर्वश्रेष्ठ अकादमिक प्रदर्शन के लिए शासी मंडल के अध्यक्ष के स्वर्ण पदक से श्री अनीश मजुमदार को सम्मानित किया गया।.
- स्नातक करने वाली कक्षा में दूसरे सर्वश्रेष्ठ अकादमिक प्रदर्शन के लिए निदेशक का स्वर्ण पदक श्री निशांत गोस्वामी को प्रदान किया गया।
- स्नातक करने वाली कक्षा में सर्वश्रेष्ठ अकादमिक प्रदर्शन के लिए शासी मंडल के अध्यक्ष के स्वर्ण पदक से श्री बी साईं अखिल को सम्मानित किया गया।

5 अनुसंधान एवं प्रकाशन

भा.प्र.सं. रायपुर के प्रकाशनों का सारांश नीचे तालिका में प्रस्तुत किया गया है।

क्र.सं	प्रकाशन का प्रकार	संख्या
1	शोध पत्रिका	67
2	अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन	1
3	राष्ट्रीय सम्मेलन	3
	कुल	**70**

5.1 शोध पत्रिका

- कुमार, एस., और शाह, ए. (2021)। कोविड–19 महामारी के दौरान भोजन सुपुर्दगी ऐप्स का पुनर्लोकन? भावनाओं की भूमिका का विवेचन। जर्नल ऑफ रिटेलिंग एंड कंज्यूमर सर्विसेज, 62, 102595।
- कौर, एन., और बापट, डी. (2021)। भारतीय बैंकों के लिए आय विविधता और जोखिम–समायोजित प्रतिफल। इकोनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली, 56(14), 10–14।
- जयसिम्हा, के.आर., श्रीवास्तव, एच.एस., और मनोहरन, एस. (2021)। कोविड–19 के दौरान संदूषण भय और एबीएस। जर्नल ऑफ सर्विस विपणन।
- दास, डब्ल्यू., दास, एस., और चट्टोपाध्याय, एम. (2021)। एक अनुसंधान क्षेत्र के रूप में उद्यमशीलता दल का उद्भव – आगे की राह। जर्नल ऑफ स्माल बिजनेसेज़ एंड एंटरप्राइज डेवलपमेंट।
- चट्टोपाध्याय, एम., कुमार, ए., अली, एस., और मित्रा, एस.के. (2022)। देशों में मानव विकास और पर्यटन विकास का संबंधः एक पैनल सीमा विश्लेषण। जर्नल ऑफ सस्टेनेबल टूरिज्म, 30(6), 1384–1402।
- गोस्वामी, एम., दौलतानी, वाई., और त्रिपाठी, ए. (2021)। सूचना विषमता और सेवा स्तर की आवश्यकता की उपस्थिति में बिक्री उपरांत आपूर्ति श्रृंखला के लिए एक द्वि–उद्देश्यीय अनुकूलन मॉडल विकसित करना। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ क्वालिटी एंड रिलायबिलिटी मैनेजमेंट।
- खानजोडे, ए.जी., शर्मा, पी.आर.एस., और गोस्वामी, एम. (2021)। संवहनीयता निहितार्थों पर विचार करते हुए लीन सिक्स–सिग्मा के चुनिंदा सक्षमकर्ताओं की मॉडलिंग अंतरक्रियाएंः एकीकृत चक्राकार अर्थव्यवस्था और उद्योग 4.0 परिप्रेक्ष्य। प्रोडक्शन प्लानिंग एंड कंट्रोल, 1–17।
- जड़ियप्पा, एन., और श्रीवास्तव, एस. (2022)। शोधन अक्षमता कानून, लेनदारों के अधिकार, और नकदी धारिताएंः भारत में अर्ध–प्राकृतिक प्रयोग से साक्ष्य। फाइनेंस रिसर्च लेटर्स, 46, 102261।
- सिंह, आर., जड़ियप्पा, एन., और सिसोदिया, जी. (2021)। शोधन अक्षमता कानून, लेनदारों के अधिकार और वित्तपोषण विकल्पः भारत में अर्ध–प्राकृतिक प्रयोग से साक्ष्य। एप्लाइड इकोनॉमिक्स, 53(52), 6036–6042।
- जदियप्पा, एन., हिकमैन, एल.ई., ककनी, आर.के., और आबिदी, क्यू. (2021)। लेखापरीक्षक का कार्यकाल और लेखापरीक्षा की गुणवत्ताः भारत में अनिवार्य चक्रानुक्रम प्रारंभ से पहले मितकारी कारकों की विवेचना। मैनेजरियल ऑडिटिंग जर्नल।
- जदियप्पा, एन., पारिख, बी., सैकिया, एन., और उस्मान, ए. (2021)। सामाजिक उत्तरदायित्व या धूम्रपान अनुवीक्षणः भारत से साक्ष्य। सस्टेनेबिलिटी अकाउंटिंग, मैनेजमेंट एंड पॉलिसी जर्नल।
- देवगुप्तापु, ए., और दास, पी. (2021)। वैश्विक जिंस की कीमतें और मुद्रास्फीति प्रत्याशाएं। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एमर्जिंग मार्केट्!स
- गर्ग, एन., मर्फी, डब्ल्यू., और सिंह, पी. (2021)। रिवर्स मेंटरिंग, जॉब क्राफ्टिंग और कार्य–परिणामः कार्य सहभागिता की मध्यस्थताकारी भूमिका। कैरियर डेवलपमेंट इंटरनेशनल।
- गर्ग, एन., मर्फी, डब्ल्यू.एम., और सिंह, पी. (2021)। स्वास्थ्य के लिए संसाधनों के रूप में रिवर्स मेंटरिंग और जॉब क्राफ्टिंगः एक कार्य सहभागिता मध्यस्थताकारी मॉडल। जर्नल ऑफ ऑर्गनाइजेशनलस इफेक्टिवनेसः पीपल एंड परफार्मेंस।

- जाना, आर.के., शर्मा, डी.के., और मित्र, एस.के. (2021)। लंच बॉक्सों की सुपुर्दगी के लिए हरित लॉजिस्टिक्स प्रणाली में अनुमार्गण और संग्रह भार निर्णय। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ क्वालिटी एंड रिलायबिलिटी मैनेजमेंट।
- जाना, आर.के., शर्मा, डी.के., और मेहता, पी. (2021)। आपातकालीन राहत सामग्री की आपूर्ति के प्रबंधन के लिए एक प्रसंभाव्यत्मक अस्पष्ट लक्ष्य क्रमानुदेशन मॉडल। एनल्स ऑफ ऑपरेशंस रिसर्च, 1–24।
- जाना, आर.के., घोष, आई., दास, डी., और दत्त, ए. (2021)। बिटकॉइन नेटवर्क में इलेक्ट्रॉनिक अपशिष्ट उत्पादन के निर्धारकः मशीन लर्निंग के दृष्टिकोण से साक्ष्य। टेक्नोलॉजिकल फोरकास्टिंग एंड सोशल चेंज, 173, 121101।
- तिवारी, ए.के., पाठक, आर., दासगुप्ता, आर., और सडोर्स्की, पी. (2021)। तेल की कीमतों और प्रसंभाव्य योजक और कोवार, △कोवार और एफईएस दृष्टिकोणों का उपयोग करने वालेबीएसई क्षेत्रीय सूचकांकों के बीच मॉडलिंग निर्भरता और प्रणालीगत जोखिम। एप्लाइड इकोनॉमिक्स, 53(58), 6770–6788।
- पाठक, आर., और गुप्ता, आर.डी. (2021)। लाभांशों की स्थिरता और इसकी पूर्वानुमेयताः एक अंतर–देशीय विश्लेषण। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मैनेजरियल फाइनेंस।
- पाठक, आर., गुप्ता, आर.डी., और जलाली, ए. (2021)। सार्वजनिक फर्मों में ऋण स्तर का विश्लेषणः एक अंतर्राष्ट्रीय साक्ष्य। मैनेजरियल फाइनेंस।
- वू, एच., डेंग, जेड., वांग, बी., और गुप्ता, एस. (2021)। सेवा का मूल्य किस प्रकार रोगियों के निर्णयों को प्रभावित करता है? ऑनलाइन स्वास्थ्य समुदायों में मुक्त बाजार मूल्य निर्धारण क्रियातंत्र की परीक्षा। इलेक्ट्रॉनिक मार्केट्स, 31(4), 877–893।
- वान, जे., लू, वाई., और गुप्ता, एस. (2021)। सोशल मीडिया में स्फूर्तिमय सुविधाः एक व्यक्तित्व और न्याय सिद्धांत परिप्रेक्ष्य। इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी एंड पीपल।
- धर्माणी, पी., दास, एस., और पराशर, एस. (2021)। रचनात्मक उद्योगों का ग्रंथमितीय विश्लेषणः वर्तमान रुझान और भविष्य की दिशाएँ। जर्नल ऑफ बिजनेस रिसर्च, 135, 252–267।
- टाटा, एस. वी., पराशर, एस., और प्रसाद, सी. (2021)। समीक्षा लिखने का अभिप्रायः व्यक्तित्व लक्षण, दृष्टिकोण और प्रेरक कारकों का प्रभाव। जर्नल ऑफ सिस्टम एंड इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी।
- कुमार, एस., तलवार, एस., मर्फी, एम., कौर, पी., और धीर, ए. (2021)। स्थानीय भोजन की खपत पर व्यवहार संबंधी युक्तिसंगत परिप्रेक्ष्य। सोशल मीडिया आधारित स्थानीय खाद्य वितरण प्रणाली आरईकेओ पर एक अध्ययन। फूड क्वालिटी एंड प्रेफरेंस, 93, 104264।
- कुमार, एस., तलवार, एस., कृष्णन, एस., कौर, पी., और धीर, ए. (2021)। फर्जी खबरों के युग में प्राकृतिक व्यक्तिगत देखभाल उत्पाद खरीदना? ब्रांड साख का संयमन प्रभाव। जर्नल ऑफ रिटेलिंग एंड कंज्यूमर सर्विसेज, 63, 102668।
- कुमार, एस., जैन, ए., और सीह, जे.के. (2021)। भोजन सुपुर्दगी ऐप्स के पुनर्लोकन अभिप्रायों पर ऐप सौंदर्यशास्त्र का प्रभावः उपभोग और उत्पेरण की मध्यस्थताकारी भूमिका। जर्नल ऑफ रिटेलिंग एंड कंज्यूमर सर्विसेज, 63, 102686।
- तलवार, एस., कौर, पी., कुमार, एस., हुसैन, एम., और धीर, ए. (2021)। प्राकृतिक खाद्य उत्पादों के प्रति क्या चीज सकारात्मक दृष्टिकोण निर्धारित करती है? एक प्रत्याशा सिद्धांत दृष्टिकोण। जर्नल ऑफ क्लीनी प्रोडक्शन, 327, 129204।
- सिंह, एस. (2021)। एकाधिक नौ परिवहन विकल्पों के साथ अंतराल परिवहन समस्या में समय–लागत दुविधा निर्णयों का अनुकूलन। इंजीनियरिंग ऑप्टीमाइजेशन, 1–18।
- सक्सेना, एन.के., और दास, एस. (2021)। भारत में राज्य के स्वामित्व वाले उद्यमों में उभयहस्त नवाचारः नव प्रवेशकों, तकनीकी असंतुलन और ज्ञान संजाल की भूमिका। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इनोवेशन मैनेजमेंट, 25(06), 2150067।
- सक्सेना, एन.के., और दास, एस. (2022)। भारतीय राज्य के स्वामित्व वाले उद्यमों के अंतर्राष्ट्रीयकरण उद्देश्य पर ज्ञान संजाल का प्रतिस्पर्धात्मक दबाव और मध्यस्थताकारी भूमिका। आईआईएम. कोझिकोड सोसाइटी एंड मैनेजमेंट रिव्यू, 22779752211015529।
- लालवानी, वी., और मेश्राम, वी. (2021)। एक दिन में मिलने वाले क्रिप्टोकरंसी प्रतिफल की भविष्यवाणी करना–एक विरल संकेत दृष्टिकोण। द जर्नल ऑफ प्रेडिक्शन मार्केट्स, 15(1)।

- लालवानी, वी., और मेश्राम, वी. वी. (2022)। भारतीय स्टॉक प्रतिफल की अनुप्रस्थ काटः मशीन लर्निंग का उपयोग कर साक्ष्य। एप्लाइड इकोनॉमिक्स, 54(16), 1814–1828।
- अरोड़ा, एस., और चौहान, वाई. क्या उपार्जन की प्रबंधन प्रथाएं भारत में वित्तीय प्रतिवेदनों की पठनीयता को परिभाषित करती है?। जर्नल ऑफ पब्लिक अफेयर्स, ई2692।
- अरोड़ा, एस., सूर, जे.के., और चौहान, वाई. (2021)। क्या कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व शेयरधारक मूल्य को प्रभावित करता है? कोविड–19 संकट से साक्ष्य। इंटरनेशनल रिव्यू ऑफ फायनेंस।
- चौहान, वाई., जायसवाल, एम., और गोयल, वी. (2021)। क्या सामाजिक भरोसा कॉर्पोरेट पूंजी संरचना को प्रभावित करता है? रिव्यू ऑफ इमर्जिंग मार्केट्स, 100845।
- बापट, डी. (2021). जीवन शैली, डिजिटल वित्तीय तत्व और डिजिटल वित्तीय सेवाओं के अनुभव के बीच संबंधों का अन्वेषण। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बैंक विपणन।
- टरई, पी.के., कुमार, जी., और रामकुमार, एम. (2022)। संयोग अनिश्चितता के अंतर्गत परिचालन जोखिम और आपूर्ति श्रृंखला लागत कम से कम करने के लिए मध्यमान–प्रसारण भिन्नता का मजबूत मॉडलः पेट्रोलियम आपूर्ति श्रृंखला में वास्तविक जीवन का प्रकरण अनुप्रयोग। कंप्यूटर्स एंड इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग, 107949।
- श्रीवास्तव, एच.एस., जयसिम्हा, के.आर., और शिवकुमार, के. (2021)। पहुंच–आधारित सेवाओं में ग्राहक दुर्व्यवहार संसर्ग को दूर करना। जर्नल और सर्विस विपणन।
- डावरा, जे., और कत्याल, के. (2022)। मूल्य संवर्धनों का गूढ़वाचनः निष्पक्षता, विश्वास और सौदा प्रवृत्ति का मध्यम मध्यस्थता मॉडल। जर्नल ऑफ रेवेन्यू एंड प्राइसिंग मैनेजमेंट, 1–18।
- मित्रा, एस.के., चट्टोपाध्याय, एम., और चटर्जी, टी.के. (2022)। क्या पर्यटन विकास से लैंगिक असमानता कम हो सकती है?. जर्नल ऑफ टूरिज्म रिसर्च, 00472875211073975।
- गोस्वामी, एम., और दौलतानी, वाई (2022)। उत्पाद गुणवत्ता अनुकूलन बनाम उत्पादन क्षमता अनुकूलनः एक विश्लेषणात्मक परिप्रेक्ष्य। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ क्वालिटी एंड रिलायबिलिटी मैनेजमेंट।
- गोस्वामी, एम., और दौलतानी, वाई (2021)। मेक–इन–इंडिया और उद्योग 4.0ः चुनिंदा फर्मों की प्रौद्योगिकी तत्परता, बाधाएं और सामाजिक–तकनीकी निहितार्थ। टीक्यूएम जर्नल।
- सिंह, आर., चौहान, वाई., और राजा, एन. (2022)। शोधन अक्षमता सुधार और कॉर्पोरेट जोखिम लेनाः अर्ध–प्राकृतिक प्रयोग से साक्ष्य। फाइनेंस रिसर्च लेटर्स, 102679।
- जदियप्पा, एन., श्रीवास्तव, एस., और घलके, ए. (2022)। सामाजिक उत्तरदायित्व, नैतिक खतरा और संपार्श्विक आवश्यकताः भारत में अर्ध–प्राकृतिक प्रयोग से साक्ष्य। इंटरनेशनल रिव्यू ऑफ फाइनेंस।
- प्रकाश, सी., रॉय, वी., और चरण, पी. (2021)। मानवीय संभरण सहयोग में अंतर–संगठनात्मक संघर्षों को कम करनाः संविदात्मक समझौतों, विश्वास और आपदा उपरांत पर्यावरणीय अनिश्चितता के चरण की भूमिका। द इंटरनेशनल जर्नल ऑफ लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट।
- पाटिल, ए., मदान, जे., शारदेव, वी., चरण, पी., और द्विवेदी, ए. (2021)। रोग प्रकोप के दौरान दवा आपूर्ति श्रृंखला में सामग्री अभिसरण मुद्दा। द इंटरनेशनल जर्नल ऑफ लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट।
- दासगुप्ता, आर., और पाठक, आर. (2021)। भारतीय पारिवारिक फर्मों के प्रदर्शन में सीईओ के शैक्षिक, क्षेत्रीय और धार्मिक गुणों की भूमिका। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मैनेजरियल फाइनेंस।
- दासगुप्ता, आर., कुमार, एस., और पाठक, आर. (2022)। बहुराष्ट्रीय उद्यमों का अंतर्राष्ट्रीयकरण और संवहनीय विकास लक्ष्यों को अपनाना। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मैनेजरियल फाइनेंस।
- डे, एस.जे., और शुक्ला, आर. (2021)। सार्वजनिक कोविड–19 ऐप्स की गोपनीयता नीतियों का विश्लेषणः भारत से साक्ष्य। जर्नल ऑफ पब्लिक अफेयर्स, ई2801।
- मनुपति, वी. के., स्कोएनहर, टी., रामकुमार, एम., पाणिग्रही, एस., शर्मा, वाई., और मिश्रा, पी. (2022)। एक बाधित आपूर्ति श्रृंखला संजाल के लिए पुनर्प्राप्ति रणनीतियाँः व्यवधान पूर्व और पश्चात परिदृश्यों में ब्लॉकचेन तकनीक का लाभ उठाना। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ प्रोडक्शन इकोनॉमिक्स, 245, 108389।

- राज, पी.वी.आर.पी., जौहर, एस.के., रामकुमार, एम., और प्रताप, एस. (2022)। खरीद, पता लगाने की क्षमता और ब्लॉकचैन स्मार्ट अनुबंधों का उपयोग कर आपूर्ति श्रृंखला में अग्रिम नकद ऋण भुगतान लेनदेन। कंप्यूटर्स एंड इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग, 167, 108038।
- मनुपति, वी.के., स्कोएनहर, टी., सुब्रमण्यन, एन., रामकुमार, एम., सोनी, बी., और पाणिग्रही, एस. (2021)। टीका वितरण का प्रबंधन करने के लिए बहु–सोपनक गतिशील कोल्ड चेन। ट्रांसपोर्टेशन रिसर्च पार्ट ईः लॉजिस्टिक्स एंड ट्रांसपोर्टेशन रिव्यू, 156, 102542।
- मनुपति, वी. के., स्कोएनहर, टी., वैगनर, एस. एम., सोनी, बी., पाणिग्रही, एस., और रामकुमार, एम. (2021)। कोविड–19 के लिए स्वास्थ्य लाभाकारी प्लाज्मा बैंक सुविधा अवस्थान–आवंटन समस्या। ट्रांसपोर्टेशन रिसर्च पार्ट ईः लॉजिस्टिक्स एंड ट्रांसपोर्टेशन रिव्यू, 156, 102517।
- सौरभ, के., अरोड़ा, आर., रानी, एन., मिश्रा, डी., और रामकुमार, एम. (2021)। एआई नीत नैतिक डिजिटल रूपांतरणः रूपरेखा, अनुसंधान और प्रबंधकीय प्रभाव। जर्नल ऑफ इन्फॉर्मेशन, कम्यूनिकेशन एंड एथिक्स इन सोसायटी।
- जाना, आर.के., और घोष, आई. (2022)। प्राकृतिक गैस की कीमतों का पूर्वानुमान लगाने के लिए एक अवशिष्ट संचालित समुच्चय मशीन लर्निंग दृष्टिकोणः कोविड–19 चरणों से पहले और के दौरान विश्लेषण। एनल्स ऑफ ऑपरेशंस रिसर्च, 1–22।
- जाना, आर.के., घोष, आई., और वालिन, एम.डब्ल्यू. (2022)। बिटकॉइन माइनिंग में उर्जा और इलेक्ट्रॉनिक अपशिष्ट जनन को वशमें करनाः फेसबुक भविष्यद्वक्ता से अंतर्दृष्टि और गहरा तंत्रिकीय संजाल। टेक्नोलॉजिकल फोरकास्टिंग एंड सोसाइटल चेंज, 178, 121584।
- प्रमाणिक, पी., और जाना, आर.के. (2022)। व्यवसाय में मशीन लर्निंग के अनुसंधान रुझानों की पहचान करनाः एक विषय प्रतिमानीकरण दृष्टिकोण। मेजरिंग बिजनेस एक्सीलेंस।
- शलग्राम, आर., पराशर, एस., और टाटा, एस.वी. (2021)। उपभोक्ता व्यवहार पर क्षमा और उसके पूर्ववृत्त के प्रभाव का परीक्षणः सेवा विफलता गंभीरता की मितकारी भूमिका। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एमर्जिंग मार्केट्स।
- प्रसाद, सी., पराशर, एस., विजय, टी.एस., और कुमार, एम. (2021)। क्या प्रचार और रोकथाम प्रभाव आवेग खरीदारी पर ध्यान केंद्रित करते हैंः मनोदशा विनियमन, खरीदारी मूल्यों और आवेग खरीदारी प्रवृत्ति की भूमिका। जर्नल ऑफ रिटेलिंग एंड कंज्यूमर सर्विसेज, 61, 102554।
- शलग्राम, आर., पराशर, एस., और साईं विजय, टी. (2021)। क्या सेवा पुनर्प्राप्ति के बाद ग्राहक कृतज्ञता प्रदर्शित करते हैं? संबंध प्रकार की मितकारी भूमिका को समझना। सर्विस बिजनेस, 15(4), 757–779।
- शुक्ला, वी., पराशर, एस., और पांडिया, बी. (2021)। क्या कीमत वैश्विक महामारी के दौरान मंथन व्यवहार की एक महत्वपूर्ण भविष्यवक्ता है? दूरसंचार उद्योग पर भविष्यसूचक प्रतिमानीकरण। जर्नल ऑफ रेवेन्यू एंड प्राइसिंग मैनेजमेंट, 1–14।
- कुमार, एस., जेबराजकिर्थी, सी., और दास, एम. (2021)। शक्ति स्रोतों के माध्यम से चैनल सदस्यों के बीच विश्वास का निर्माण। जर्नल ऑफ बिजनेस एंड इंडस्ट्रियल विपणन।
- तलवार, एस., कौर, पी., कुमार, एस., सालो, जे., और धीर, ए. (2022)। संतुलनकारी कार्यः नैतिक मानदंड और प्रत्याशित अस्मिता भोजन बर्बादी/न्यूनीकरण व्यवहार को कैसे चालित करता हैं? जर्नल ऑफ रिटेलिंग एंड कंज्यूमर सर्विसेज, 66, 102901।
- हू, वाई., झाओ, एल., गुप्ता, एस., और हे, एक्स (2022)। लिंग विभिन्न भूमिकाएँ निभाता है? व्यक्तिगत आईटी संकुल उपयोग द्वारा संभव बनाए गए सर्वव्यापी कनेक्टिविटी के अंधेरे पक्ष का परीक्षण। इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी एंड पीपल।
- पांडे, वी., गुप्ता, एस., और किम, एच.डब्ल्यू. (2021)। सोशल मीडिया पर नागरिकों की राजनीतिक भागीदारी को बढ़ावा देने में प्रौद्योगिकी शक्यता और सामाजिक पूंजी की भूमिका का अन्वेषण। पैसिफिक एशिया जर्नल ऑफ द एसोसिएशन फॉर इंफॉर्मेशन सिस्टम्स, 13(4), 1.
- झांग, एफ., झांग, एच., और गुप्ता, एस. (2022)। पुरस्कार–आधारित क्राउडफंडिंग में निवेशक की भागीदारीः उद्यमी के प्रयासों, मंच की विशेषताओं और कथित मूल्य का प्रभाव। इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट, 1–18।

5.2 अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

- राधाकृष्णन, जे., और गुप्ता, एस., (2021,12–14 जुलाई 2021), कृत्रिम बुद्धि अंगीकरणया; का अन्वेषण–एक बुह प्रकरण अध्ययन दृष्टिकोण दुबई में सूचना प्रौद्योगिकी संघ (एआईएस) द्वारा आयोजित सूचना प्रणालियों पर प्रशांत एशिया सम्मेलन 2019 (ऑनलाइन)।

5.3 राष्ट्रीय सम्मेलन

- कुमार, एस., वर्मा, ए., (2021, 07–09 जनवरी 2022), भौतिकवाद और अकेलेपन के बीच संबंधः एक मिश्रित विधि दृष्टिकोण। आईएनडीएएफ 2022, भारतीय प्रबंध संस्थान रोहतक द्वारा रोहतक में आयोजित (ऑनलाइन)।
- कुमार, एस., और सदरंगानी, पी. एच. (16–18 दिसंबर 2021), चैनल सदस्यों के व्यवहार पर शक्ति का प्रभावः भारत से साक्ष्य। जर्नल ऑफ बिजनेस एंड इंडस्ट्रियल विपणन। भारतीय प्रबंध संस्थान कोझिकोड द्वारा कोझिकोड में आयोजित 8वां अखिल भा.प्र.सं. विश्व प्रबंधन सम्मेलन (ऑनलाइन)।
- सिंह, एस., गुप्ता, ए., (2021, 27–30 दिसंबर 2021), अभिनव व्यापार मॉडल का विकास। सामरिक प्रबंधन मंच – भारतीय प्रबंध संस्थान नागपुर द्वारा नागपुर में आयोजित वार्षिक सम्मेलन 2021।

6 अंतर्राष्ट्रीय संबंध

6.1 अंतर्राष्ट्रीय शैक्षणिक सहयोग

भारतीय प्रबंध संस्थान रायपुर ने विभिन्न सहयोगों के लिए विश्वभर के तेरह वैश्विक प्रमुख विश्वविद्यालयों और बिजनेस स्कूलों के साथ द्विपक्षीय समझौता किया है। शैक्षणिक वर्ष 2021–22 के लिए, विश्वविद्यालयों की सूची निम्नलिखित है जो छात्र आदान–प्रदान गतिशीलता कार्यक्रमों के लिए हमारे अंतर्राष्ट्रीय सहयोग का भाग हैं।

- ब्रातिस्लावा, स्लोवाकिया में अर्थशास्त्र विश्वविद्यालय (अंतर्राष्ट्रीय प्रत्यायनः एएसीएसबी और ईएफएफडी का सदस्य)
- सेंट्रम ग्रेजुएट बिजनेस स्कूल, पेरू (अंतर्राष्ट्रीय प्रत्यायनः एएसीएसबी, ईक्यूयूआईएस, बीजीए, और एएमबीए का सदस्य)
- प्रबंधन केंद्र इंस्ब्रुक, ऑस्ट्रिया (अंतर्राष्ट्रीय प्रत्यायनः एएसीएसबी)
- इंटरनेशनल स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, डॉर्टमुंड, जर्मनी (अंतर्राष्ट्रीय प्रत्यायनः जर्मन विज्ञान और मानविकी परिषद, प्रत्यायन परिषद)
- अर्थशास्त्र और व्यवसाय संकाय, एफईएन चिली (अंतर्राष्ट्रीय प्रत्यायनः एएसीएसबी, एएमबीए)
- कजान संघीय विश्वविद्यालय (केएमआरटीयू), रूस (अंतर्राष्ट्रीय प्रत्यायनः ईआरएएसएमयूएस, ईआरएएसएमयूएस+, ईआरएएसएमयूएस एमयूएनडीयूएस का प्रतिभागी)
- एचएचएल लीपजिग ग्रेजुएट बिजनेस स्कूल, जर्मनी (अंतर्राष्ट्रीय प्रत्यायनः एएसीएसबी)
- आईपीएडीई, मेक्सिको (अंतर्राष्ट्रीय प्रत्यायनः एएसीएसबी, एएमबीए, जीएमएसी और ईएमबीएस)
- एएलबीए ग्रेजुएट बिजनेस स्कूल, ग्रीस (अंतर्राष्ट्रीय प्रत्यायनः एएमबीए)
- नेशनल रिसर्च यूनिवर्सिटी, रूसः ईक्यूयूआईएस, एएसीएसबी, एएमबीए)
- वाई स्कूल्स (पूर्व में ईएससी ट्रोयेस ग्रुप), फ्रांस (अंतर्राष्ट्रीय प्रत्यायनः एएसीएसबी, ईक्यूयूआईएस, और एएमबीए)
- ऑडेंसिया बिजनेस स्कूल, फ्रांस (अंतर्राष्ट्रीय प्रत्यायनः ईक्यूयूआईएस, एएसीएसबी, एएमबीए)
- सोलब्रिज इंटरनेशनल बिजनेस स्कूल, दक्षिण कोरिया (अंतर्राष्ट्रीय प्रत्यायनः एएसीएसबी, आईईक्यूएएस)

6.2 छात्र आदान–प्रदान

6.2.1 छात्रों का अंतर्राष्ट्रीय आदान–प्रदान (आवक):

कोविड प्रतिबंधों के कारण, शैक्षणिक वर्ष 2021–22 में मेजबान विश्वविद्यालयों से छात्रों का कोई आदान–प्रदान नहीं हुआ।

6.2.2 छात्रों का अंतर्राष्ट्रीय आदान–प्रदान (जावक)

पीजीपी 2020–22 बैच के तेईस छात्रों को शैक्षणिक वर्ष 2021–22 के लिए विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय भागीदार संस्थानों के साथ अंतर्राष्ट्रीय छात्र आदान–प्रदान कार्यक्रम में भाग लेने के लिए चुना गया था, लेकिन कोविड प्रतिबंधों के कारण भा.प्र.सं. रायपुर से कुल सत्रह छात्र अंततः छात्र आदान–प्रदान कार्यक्रम के लिए गए।

6.2.3 कार्यकारी शिक्षा और परामर्श

कार्यकारी शिक्षा और परामर्श ने भा.प्र.सं. रायपुर के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। हमारे संकाय सदस्यों ने वर्ष 2021–22 के दौरान कई प्रतिष्ठित नियत कार्यों को पूरा किया।

आयोजित कार्यक्रमों का विवरण नीचे दिया गया है।

Ø-l	frfFk	fnu	dk;Zdze	xzkgd dk uke	çfrHkkfx;ksa dh la[;k@cSp dk vkdkj
1	02–08 अगस्त 2021	6	नेतृत्व विकास कार्यक्रम iv	इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड	17
2	18–सितंबर–21	1	प्रबंधन विकास कार्यक्रम	उद्यमियों का संगठन, रायपुर	31
3	13–18 सितंबर 2021	6	नेतृत्व विकास कार्यक्रम v	इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड	15
4	9,15–17 सितंबर 2021	3	प्रबंधन विकास कार्यक्रम (मध्यमा I) बैच 1	इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड	37
5	02, 07–09 दिसंबर 2021	3	प्रबंधन विकास कार्यक्रम (मध्यमा I) बैच 1	इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड	20
6	16,19,23,26 फरवरी 2022	4	सामरिक परियोजना प्रबंधन पर एमडीपी	हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड	41
7	15–17 मार्च 2022	3	कार्यकारी विकास कार्यक्रम	फेरो स्क्रैप निगम लिमिटेड भिलाई	25

7 कार्यकारी शिक्षा और विकास

भा.प्र.सं. रायपुर डिजिटल विपणन, डेटा विज्ञान और मशीन लर्निंग, वित्तीय प्रबंधन, परिचालन, और सिक्स सिग्मा, वरिष्ठ प्रबंधन कार्यक्रम, नेतृत्व और परिवर्तन प्रबंधन, सामान्य प्रबंधन कार्यक्रम, मानव संसाधन प्रबंधन आदि जैसे मुख्य प्रबंधन क्षेत्रों में कई नवाचारी ऑनलाइन कार्यकारी शिक्षा प्रमाणन कार्यक्रम प्रदान करता है।

इन कार्यक्रमों की सहभागिता अवधि सामान्यतः 6 माह से लेकर 1 वर्ष तक है, इसलिए कक्षाएं सप्ताहांत में नियत की गई हैं। ऑनलाइन कार्यकारी शिक्षा और प्रबंधन कार्यक्रम का विवरण नीचे दिया गया है:

1 अप्रैल, 2021 – 31 मार्च, 2022 तक शुरू हुए कार्यक्रम

Ø-l-	'kh"kZd	vof/k ¼eghuk e½	çfrHkkfx;k dh la[;k	dk;Øe funs'kd M,-@çk- dk uke	fLFkfr
1	डिजिटल विपणन और सोशल मीडिया रणनीति–II	5 माह	114	अरुणिमा शाह	पूर्ण
2	डिजिटल विपणन और सोशल मीडिया रणनीति–III	5 माह	66	अरुणिमा शाह	पूर्ण
3	डेटा साइंस एवं मशीन लर्निंग–IV	5 माह	47	सुमीत गुप्ता और गोपाल कुमार	पूर्ण
4	नेतृत्व और परिवर्तन प्रबंधन–IV	5 माह	50	अनुभा दाधीच	पूर्ण
5	नेतृत्व और परिवर्तन प्रबंधन–v	5 माह	51	अनुभा दाधीच	पूर्ण
6	सामान्य प्रबंधन कार्यक्रम–III	12 माह	100	शलभ सिंह और अरुणिमा शाह	पूर्ण
7	परिचालन प्रबंधन और सिक्स सिग्मा–III	5 माह	91	मोहित गोस्वामी और गोपाल कुमार	पूर्ण
8	परिचालन प्रबंधन और सिक्स सिग्मा–IV	5 माह	76	मोहित गोस्वामी और गोपाल कुमार	पूर्ण
9	वरिष्ठ प्रबंधन कार्यक्रम–I	12 माह	76	सत्यसिबा दास और संजीव पराशर	चल रहा है
10	मानव संसाधन प्रबंधन–II	12 माह	72	अनुभा दाधीच और दामिनी सैनी	चल रहा है
11	परियोजना प्रबंधन–II	6 माह	85	एम राम कुमार और गोपाल कुमार	पूर्ण
12	अनुप्रयुक्त वित्तीय जोखिम प्रबंधन – II	5 माह	81	योगेश चौहान और नेमीराजा	पूर्ण

हाल ही में हमने अपने सामान्य प्रबंधन के बैच तीन का समापन संपन्न किया, जिसके कार्यक्रम निदेशक जून 2022 के माह मे अपने परिसर अंतर्वेशन के दौरान प्रोफेसर अरुणिमा शाह और प्रोफेसर शलभ सिंह थे। नीचे डिजिटल समूह तस्वीर दी गई है–

सामान्य प्रबंधन कार्यक्रम के तीसरे बैच के समापन सत्र के दौरान कुछ और गतिविधियां हुईं। समापन कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि श्री अनिल कुमार पाण्डेय (क्षेत्रीय कार्यकारी निदेशक, एनटीपीसी) थे।

नीचे संस्मरण दिया गया है–

इसके अलावा, कार्यक्रम निदेशक प्रो. संजीव पराशर और प्रो. सत्यसिबा दास के संरक्षण में हमारे वरिष्ठ प्रबंधन कार्यक्रम के बैच I का समापन कार्यक्रम भी मई 2022 में प्रतिभागियों के परिसर विसर्जन के दौरान संपन्न हुआ।

Seating Row 1 (Right to Left): Prof. Manojit Chattopadhyay, Prof. Santanu Bhadra, Prof. Samar Singh, Prof. Damini Saini, Prof. Sourya Joyee De, Prof. Arunima Shah, Prof. Sumeet Gupta, Prof. Satyasiba Das (Program Director), Prof. Ram Kumar Kakani (Director, IIM Raipur), Mr. Shrikant Joshi (CEO & MD, L&T Realty Ltd), Prof. Sanjeev Prashar (Program Director), Prof. Himanshu S Srivastava, Prof. Ashapurna Baruah, Prof. Bhawna Priya, Prof. Archana Parashar, Prof. Ramkumar M, Prof. Dhananjay Bapat.

Row 2 Onwards: Senior Management Program Batch - I Participants

पहले बैच के प्रतिभागियों के वरिष्ठ प्रबंधन कार्यक्रम के समापन सत्र के दौरान कुछ और गतिविधियां भी हुईं। समापन कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि श्री श्रीकांत जोशी (एलएंडटी रियल्टी लिमिटेड के सीईओ और एमडी) थे।

8 भा.प्र.सं. रायपुर के अतिथि (अकादमिक वर्ष 2021–22)

कमांक	कंपनी का नाम	अतिथि का नाम	पदनाम
1	टीवीएस क्रेडिट सर्विसेज लिमिटेड	श्री चरणदीप सिंह चावला	विपणन प्रमुख, डिजिटल विपणन और सीआरएम
2	पीडब्ल्यूसी	श्री अनुपम दत्ता	भागीदार – परामशदात्री
3	वेलस्पन ग्रुप	श्री राजेंद्र मेहता	अध्यक्ष और सीएचआरओ
4	रिस्ककॉवरी	श्री सुवेंदु प्रस्टी	सह–संस्थापक निदेशक और प्रधान अधिकारी
5	एचडीएफसी लाइफ	सुश्री दीक्षा झा	प्रबंधक – मानव संसाधन
6	एपिसेरो इंक	श्री प्रवीण कामथ कुंबला	सीएचआरओ और वैश्विक एचआर प्रमुख
7	वीजा	श्री भरत मेलग	उपभोक्ता समाधान प्रमुख–भारत और दक्षिण एशिया
8	एडोब	श्री अनुभव रोहतगी	उत्पाद प्रबंधन के वरिष्ठ निदेशक
9	विप्रो	श्री वर्तुल मित्तल	डिजिटल परिवर्तन और स्वचालन प्रमुख
10	किर्नी इंडिया	सुश्री राखी एल मलिक	निदेशक और एचआर प्रमुख
11	बजाज आलियांज	श्री सौरभ मुलमुले	मुख्य प्रबंधक – प्रतिभा प्रबंधन, शिक्षा और ओडी
12	रिलायंस निप्पॉन लाइफ इंश्योरेंस	श्री आशीष वोहरा	कार्यकारी निदेशक और सीईओ
13	डॉ. रेड्डीज़ लेबोरेटरीज	श्री रमना एम वी	सीईओ, ब्रांडेड मार्केट्स
14	कार्ल्सबर्ग ग्रुप इंडिया	श्री प्रद्युम्न माहेश्वरी	सीएफओ
15	जीएसके फार्मा एंड हेल्थकेयर इंडिया	सुश्री रेवती कोंकिमल्ला	लीड – टैलेंट, लर्निंग और ओडी
16	अमेरिकन एक्सप्रेस	श्री हर्षित कालरा	सहायक प्रबंधक
17	इन्फोसिस कंसल्टिंग	सुश्री उमा बाला गोम्पा	वरिष्ठ सलाहकार
18	बर्जर पेंट्स इंडिया	श्री अभिजीत राय	सीईओ और एमडी
19	फ्रॉस्ट एंड सुलिवन	सुश्री संगीता लुंड	वीपी एचआर
20	ड्यूक्स इंडिया	श्री अरविंद कुमार	सीईओ
21	टाइटन कंपनी लिमिटेड	श्री अजय चावला	सीईओ, आभूषण प्रभाग
22	मार्श मैक्लेनन ग्लोबल सर्विसेज	श्री दिनेश देव	सीईओ
23	आईआईएफएल फाइनेंस	श्री विपुल ओबेरॉय	सीएमओ
24	पी सेफ	श्री सनत साहू	एवीपी – वैश्विक बिक्री और साझेदारियां
25	नीलसनआईक्यू	सुश्री निधि वर्मा श्रीवास्तव	वीपी वैश्विक उत्पाद नेतृत्व
26	स्पेंसर्स रिटेल	श्री हर्षवर्धन चौहान	वीपी, मुख्य विपणन और ओमनीचैनल अधिकारी
27	महिंद्रा सीआई ऑटोमोटिव लिमिटेड	श्री विकास सिन्हा	रणनीति प्रमुख, एम एंड ए, और निवेशक संबंध
28	रोल्स रॉयस	श्री किशोर जयरामन	अध्यक्ष, भारत और दक्षिण एशिया
29	अल्वारेज और मार्सल	श्री सुदीप मेहरोत्रा	एमडी
30	न्यूजेन सॉफ्टवेयर	श्री रोहन कुमार सूदन	विश्वविद्यालय नियोजन प्रमुख
31	वीओआईएस	श्री राजीव गंगल	उपाध्यक्ष – बिजनेस इंटेलिजेंस वर्टिकल
32	बोस्टन साइंटिफिक	श्री सुधीर दसमंथराव	निदेशक और प्रमुख – वैश्विक व्यावसायिक सेवाएं एपीएसी दल
33	जंबोटेल	श्री कार्तिक वेंकटेश्वरम	सह–संस्थापक और सीईओ

34	वी–गार्ड	श्री जॉन मैथ्यू सेबस्टियन	प्रतिभा अधिग्रहण और कर्मचारी अनुभव प्रमुख
35	सीपल कॉर्प	श्री समीर पेनाकलापति	संस्थापक और सीईओ
36	लोवेज़ इंडिया	श्री मोहित मोहन	मानव संसाधन प्रमुख
37	रेकिट	श्री अविजीत दास	अनुसंधान एवं विकास निदेशक – वैश्विक पीड़क नियंत्रण नवाचार
38	आईओआईएस	श्री पवन कुमार	उपाध्यक्ष, अनुप्रयोग परिचालन
39	एचडीएफसी सिक्योरिटीज	श्री धीरज रेल्ली	एचडीएफसी सिक्योरिटीज के एमडी और सीईओ
40	एफाइन एनालिटिक्स	श्री राजेश नारायण	उपाध्यक्ष
41	डेल	श्री सुदीप के गोस्वामी	निदेशक और जीएम – दक्षिण भारत और स्टार्ट–अप
42	सीमेंस हेल्थनियर्स	श्री दिलीप मंगसुली	भारत प्रमुख – विकास केंद्र
43	बोश	श्री त्रिभुवन कुमार सिंह	वरिष्ठ महाप्रबंधक
44	अर्न्स्ट एंड यंग	श्री विश ढींगरा	भागीदार प्रमुख – वित्तीय लेखा सलाहकार
45	विस्तारा	श्री विनोद भट	मुख्य सूचना अधिकारी
46	लार्सन एंड टुब्रो	श्री रंगनाथन एस	कार्यकारी उपाध्यक्ष
47	लाइफस्टाइल इंटरनेशनल	सुश्री चंद्रिमा पारिक	वरिष्ठ उपाध्यक्ष
48	केल्टन टेक	श्री सुशील के त्रिपाठी	उपाध्यक्ष
49	रिलायंस निप्पॉन लाइफ इंश्योरेंस	श्री शिव तिवारी	मुख्य विपणन अधिकारी
50	मीरो	श्री सुमित जसोरिया	प्रबंध निदेशक – भारत
51	बीसीजी	श्री दिग्वंत चक्रबोर्ती	प्रतिभा अभिग्रहण भारत प्रमुख – प्रौद्योगिकी, डिजिटल और विश्लेषिकी
52	इमामी	श्री निहार रंजन घोष	अध्यक्ष एचआर
53	वेलस्पन इंडिया	श्री निशांत दंगले	वैश्विक प्रमुख एलएंडओडी और प्रतिभा
54	एल एंड टी टेक्नोलॉजी सर्विसेज	श्री लक्ष्मणन एम टी	मुख्य मानव संसाधन अधिकारी
55	पीडब्ल्यूसी	श्री सुदीप्त घोष	भागीदार, एनालिटिक्स लीडर
56	वीओआईएस	श्री विकास कपूर	उपाध्यक्ष
57	बोइंग इंडिया	डॉ. अखिल प्रसाद	निदेशक, कंट्री काउंसिल इंडिया
58	सीमेंस	श्री कैरव मोदी	मुख्य वित्तीय अधिकारी, डिजिटल उद्योग
59	जेडएस सहायक्स	श्री अभिषेक त्रिगुणायत	मुख्य तकनीकी अधिकारी
60	कॉग्निजेंट	श्री गणेश कल्याणरमन	वरिष्ठ उपाध्यक्ष
61	जैगल	सुश्री अरुंधोती बनर्जी	मुख्य परिचालन अधिकारी
62	पैनासोनिक	श्री जयप्रकाश कलप्पन	मुख्य वित्तीय अधिकारी और कंपनी सचिव
63	एथर एनर्जी	श्री टोनी मैथ्यू जोस	प्रमुख – प्रतिभा रणनीति एवं विश्लेषिकी
64	बोरिंगर इंगेलहीम	श्री संजय श्रीवास्तव	निदेशक – एचआर
65	गोदरेज हाउसिंग फाइनेंस	सुश्री देबाशीष मजूमदार	प्रमुख एचआर व्यावसायिक भागीदारी व पुरस्कार
66	एचसीसीबी	श्री इंद्रजीत सेनगुप्ता	सीएचआरओ
67	एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स	श्री सुनील रंजन	वरिष्ठ उपाध्यक्ष और निदेशक मानव संसाधन
68	मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज	श्री सुधीर धर	कार्यकारी निदेशक – समूह सीएचआरओ

	लिमिटेड		
69	नीलसनआईक्यू	श्री महिपाल नायर	सीएचआरओ
70	ओनिडा	श्री लोकेश सिक्का	सीएचआरओ
71	रिलायंस रिटेल लिमिटेड	डॉ. अनिल कुमार मिश्रा	सीएचआरओ
72	सीमेंस गेम्स	श्री सत्यनारायण आर	देश प्रमुख – मानव संसाधन
73	सोसाइटी जनरल	सुश्री संगीता गेरा	प्रमुख – शिक्षा व प्रतिभा प्रबंधन
74	स्पेंसर्स रिटेल	श्री सुतनु चौधरी	सीएचआरओ
75	वीओआईएस	श्री सिद्धार्थ सिलावट	प्रमुख – पुरस्कार, नीति, ईआर और अनुपालन
76	अब इनबेव	श्री धर्मेश पटेल	प्रतिभा प्रमुख – भारत और दक्षिण पूर्व एशिया
77	आर्थर डी. लिटिल	सुश्री ऋचा मेहरोत्रा	एचआर व स्टाफिंग लीड
78	बीपीसीएल	श्री पीताम्बरन थंकप्पन	कार्यकारी निदेशक (आईएस और डिजिटल व्यवसाय)
79	फ्लिपकार्ट	श्री बापूजी चिकनागप्पा	निदेशक – एचआर
80	हनीवेल इंडिया	सुश्री सुमेधा पाल परमार	वरिष्ठ निदेशक और देश मानव संसाधन प्रमुख
81	आईबीएम इंडिया प्रा. लिमिटेड	श्री कपिल डावर	प्रतिभा अधिग्रहण प्रमुख
82	मुरुगप्पा समूह	श्री के प्रदीप कुमार	वरिष्ठ उपाध्यक्ष एचआर
83	नेटवेस्ट समूह	सुश्री पौलोमी साहा	निदेशक । एचआर प्रमुख – एनडब्ल्यूएम सर्विसेज, भारत
84	फार्मईजी	श्री अमय जोशी	उपाध्यक्ष – एचआर
85	रिन्यू पावर	श्री अजय त्रिपाठी	सीएचआरओ
86	अल्ट्राटेक सीमेंट	श्री देवाशीष रथ	वरिष्ठ उपाध्यक्ष
87	वी–गार्ड	श्री पी टी जॉर्ज	उपाध्यक्षट – एचआर व प्रशासन
88	विप्रो	श्री प्रवीण कामथ कुंबला	जीएम एचआर – वैश्विक सामरिक नियोजन एवं परिनियोजन
89	जेटा सूट	सुश्री मार्गरेट डिसूजा	प्रमुख – एचआर
90	पी एंड जी हेल्थ केयर	श्री विक्रम पटकी	क्षेत्रीय मानव संसाधन निदेशक
91	–	डॉ. अय्याज तंबोली	आयुक्त – छत्तीसगढ़ आवास परिषद एवं सीईओ – रायपुर विकास प्राधिकरण
92	लॉरियल	श्री अरुण सरवनकुमार	निदेशक और महाप्रबंधक (संयंत्र परिचालन और विनिर्माण आपूर्ति श्रृंखला)

9 सम्मेलन और कार्यशालाएं

9.1 5वां नेतृत्व शिखर सम्मेलन 2021

भारतीय प्रबंध संस्थान रायपुर ने 3 अक्टूबर 2021 को बड़े उत्साह के साथ अपने प्रमुख उद्योग सहभागिता कार्यक्रम, ''नेतृत्व शिखर सम्मेलन 2021'' का शुभारंभ किया। इस वर्ष यह शिखर सम्मेलन वर्चुअल रूप से आयोजित किया गया था। इस आयोजन का विषय 'भारतीय व्यापार का नया क्षितिजः भारतीय स्वतंत्रता के 100 वर्षों की ओर प्रयाण' था। इस शिखर सम्मेलन का उद्देश्य उद्योगजगत के विशेषज्ञों और छात्रों को अंतरक्रिया करने और प्रमुख विचारों पर चर्चा करने का अनूठा मंच प्रदान करना था ताकि आने वाले प्रबंधन व्यावसायिकों को भविष्य की चुनौतियों से कुशलता से निपटने में सहायता मिल सके। उद्घाटन समारोह को माननीय मुख्य अतिथि एचडीएफसी सिक्योरिटीज के एमडी और सीईओ श्री धीरज रेली, भा.प्र.सं. रायपुर के निदेशक प्रो. भरत भास्कर और कॉर्पोरेट संबंध और नियोजन के अध्यक्ष प्रो. सत्यसिबा ने सुशोभित किया।

प्रथम पैनल चर्चा में 'तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के लिए महत्वपूर्ण लक्ष्यः मापन और प्रबंधन चुनौतियां' विषय पर अंतर्दृष्टि देखी गई, जिसका संचालन भा.प्र.सं. रायपुर में एचआरएम और संगठनात्मक व्यवहार के प्रोफेसर प्रो. कमल के जैन ने किया। इस पैनल के कुछ प्रमुख पैनलिस्टों में एफाइन एनालिटिक्स के उपाध्यक्ष श्री राजेश नारायण, डेल के दक्षिण भारत और स्टार्ट–अप्स के निदेशक और जीएम श्री सुदीप के गोस्वामी और सीमेंस हेल्थिनियर्स के भारत प्रमुख – विकास केंद्र के श्री दिलीप मंगसूली शामिल थे।

द्वितीय पैनल की ट्रैक 1 चर्चा 'भारतीय व्यापार पारितंत्र में बदलाव लाने में प्रौद्योगिकी की भूमिकाः उपभोक्ता परिप्रेक्ष्य' विषय पर थी, जिसका संचालन भा.प्र.सं. रायपुर में प्रोफेसर–विपणन असिस्टेंट प्रोफेसर अरुणिमा शाह ने किया। ट्रैक 1 के अतिथि खंड में अन्य के साथ लार्सन टूब्रो के कार्यकारी उपाध्यक्ष श्री रंगनाथन एस, लाइफस्टाइल इंटरनेशनल की वरिष्ठ उपाध्यक्षा सुश्री चंद्रिमा पारीक और केल्टन टेक के उपाध्यक्ष – प्रौद्योगिकी श्री सुशील कुमार त्रिपाठी शामिल थे।
ट्रैक 2 में 'भारतीय व्यापार पारितंत्र में बदलाव लाने में प्रौद्योगिकी की भूमिका' पर चर्चा हुई। इस पैनल का संचालन भा.प्र. सं. रायपुर में व्यापार नीति और रणनीति की असिस्टेंट प्रोफेसर अंकिता छाबडा ने किया। इस ट्रैक में हमारे पैनलिस्ट के रूप में विस्तारा के मुख्य सूचना अधिकारी श्री विनोद भट, बॉश के वरिष्ठ महाप्रबंधक श्री त्रिभुवन कुमार सिंह और अर्न्स्ट एंड यंग के पार्टनर लीडर – वित्तीय लेखा सलाहकार सेवा के श्री विश ढींगरा शामिल थे।

दिन के अंतिम पैनल, पैनल 3, में विषय – 'विकास को गति देने में उद्यमिता की भूमिका' पर चर्चा हुई। इसका संचालन भा. प्र.सं. रायपुर में कॉरपोरेट संबंध एवं नियोजन के अध्यक्ष प्रो. सत्यसिबा दास ने किया। पहले दिन के अंतिम पैनल के पैनलिस्ट रिलायंस निप्पॉन लाइफ इंश्योरेंस के मुख्य विपणन अधिकारी श्री शिव तिवारी, मीरो – भारत के प्रबंध निदेशक श्री सुमित जसोरिया, और बीसीजी के प्रतिभा अभिग्रहण भारत प्रमुख – प्रौद्योगिकी, डिजिटल एवं विश्लेषिकी के श्री दिग्वंत चक्रवर्ती थे।

भारतीय प्रबंध संस्थान रायपुर 4 अक्टूबर 2021 को अपने प्रमुख उद्योग अंतरक्रिया कार्यक्रम, ''नेतृत्व शिखर सम्मेलन 2021'' के दूसरे दिन का साक्षी बना। दूसरे दिन की शुरुआत ''हाइपरकनेक्टेड भविष्य के लिए एचआरएम प्रतिमान'' पर पैनल चर्चा के साथ हुई, जिसका संचालन प्रोफेसर दामिनी सैनी ने किया। इस पैनल के पैनलिस्टों में इमामी के अध्यक्ष एचआर श्री निहार रंजन घोष, एल एंड टी टेक्नोलॉजी सर्विसेज के मुख्य मानव संसाधन अधिकारी श्री लक्ष्मणन एम, और वेलस्पन इंडिया के एलओडी और प्रतिभा के वैश्विक प्रमुख श्री निशांत डांगले शामिल थे।

पांचवें पैनल की ट्रैक 1 चर्चा 'सीमांत प्रौद्योगिकी और व्यवधान के प्रबंधन में लाभ का निर्माण: प्रतिस्पर्धात्मक लाभ और व्यवधान का निर्माण करने वाली सीमांत प्रौद्योगिकी' विषय पर आधारित थी, जिसका संचालन भा.प्र.सं. रायपुर में एसोसिएट प्रोफेसर, – सामरिक प्रबंधन प्रो समर सिंह ने किया। इस ट्रैक के पैनलिस्ट में कंट्री काउंसल इंडिया के निदेशक और बोइंग इंडिया के कंपनी सचिव डॉ. अखिल प्रसाद, प्राइस वाटर हाउस कूपर्स प्राइवेट लिमिटेड के डेटा व विश्लेषिकी प्रमुख श्री सुदीप्त घोष और वीओआईएस के उपाध्यक्ष – साइबर सुरक्षा श्री विकास कपूर शामिल थे।

पांचवें पैनल की ट्रैक 2 चर्चा 'सीमांत प्रौद्योगिकी और व्यवधान के प्रबंधन में लाभ का निर्माण: प्रतिस्पर्धात्मक लाभ और व्यवधान का निर्माण करने वाली सीमांत प्रौद्योगिकी' विषय पर आधारित थी, जिसका संचालन भा.प्र.सं. रायपुर में असिस्टेंट प्रोफेसर – परिचालन प्रबंधन प्रो मोहित गोस्वामी ने किया। इस पैनल के अंतिम ट्रैक के पैनलिस्टों में सीमेंस के डिजिटल उद्योग के मुख्य वित्तीय अधिकारी श्री कैरव मोदी और जेडएस एसोसिएट्स के मुख्य प्रौद्योगिकी अधिकारी श्री अभिषेक त्रिगुणायत शामिल थे।

छठे पैनल की चर्चा 'भविष्य के उपभोक्ता: डिजिटल मूल्य सृजन एवं मूल्य प्रदाय' विषय पर आधारित थी, जिसका संचालन भा.प्र.सं. रायपुर में प्रोफेसर – आईटी एवं प्रणालियां प्रोफेसर सुमीत गुप्ता ने किया। हमारे अंतिम पैनल के अंतिम पैनलिस्टों

में जैगल के मुख्य परिचालन अधिकारी श्री अरुंधोती बनर्जी और पैनासोनिक के मुख्य वित्तीय अधिकारी श्री जयप्रकाश कलप्पन शामिल थे और इसके साथ ही इस शिखर सम्मेलन का समापन हुआ

9.2 भा.प्र.सं. रायपुर ने 5वें एचआर शिखर सम्मेलन 2022 का आयोजन किया

भारतीय प्रबंध संस्थान रायपुर ने 5 फरवरी को ''डिजिटल परिदृश्य में एचआर संरचना'' विषय के साथ अपने 5वें एचआर शिखर सम्मेलन का शुभारंभ किया। इस शिखर सम्मेलन का उद्देश्य एचआर विशेषज्ञों और छात्रों को प्रमुख विचारों पर अंतरक्रिया करने और चर्चा करने का अनूठा मंच प्रदान करना था जिससे आने वाले एचआर व्यावसायिकों को भविष्य की चुनौतियों से कुशलता से निपटने में सहायता मिल सके। हिंदुस्तान कोका–कोला बेवरेजेज में सीएचआरओ के उद्घाटन समारोह को माननीय मुख्य अतिथि श्री इंद्रजीत सेनगुप्ता ने सुशोभित किया, इस कार्यक्रम का समन्वय भा.प्र.सं. रायपुर के निदेशक प्रो. भरत भास्कर, भा.प्र.सं. रायपुर, कॉरपोरेट संबंध के अध्यक्ष प्रो. सत्यसिबा दास, भा.प्र.सं. रायपुर में एचआरएम और संगठनात्मक व्यवहार की असिस्टेंट प्रोफेसर अनुभा दाधीच ने किया।

प्रथम पैनल चर्चा में 'तकनीक–प्रवीण कार्यबल' विषय पर अंतर्दृष्टि देखी गई, जिसका संचालन प्रो. अनुभा दाधीच ने किया। पैनलिस्टों में सोसाइटी जेनराले की प्रमुख – शिक्षा एवं प्रतिभा प्रबंधन सुश्री संगीता गेरा और रिलायंस रिटेल के सीएचआरओ डॉ. अनिल कुमार मिश्रा शामिल थे।

द्वितीय पैनल की ट्रैक 1 चर्चा 'मानसिक कुशलक्षेम एवं विचार नेतृत्व' विषय पर अधारित थी। इसका संचालन भा.प्र.सं. रायपुर में एचआरएम और संगठनात्मक व्यवहार के प्रोफेसर पंकज सिंह ने किया। इस ट्रैक के मुख्य पैनलिस्ट बोरिंगर इंगेलहेम के निदेशक – एचआर श्री संजय श्रीवास्तव और ओनिडा के सीएचआरओ श्री लोकेश सिक्का थे।

ट्रैक 2 में 'दक्षताओं और कौशल बुद्धिमत्ता' पर चर्चा हुई। इसका संचालन भा.प्र.सं. रायपुर में प्रोफेसर–विपणन प्रोफेसर संजीव पराशर ने किया। इसके पैनलिस्ट स्पेंसर एंड रिटेल के सीएचआरओ श्री शांतनु चौधरी और, मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज के कार्यकारी निदेशक – समूह सीएचआरओ श्री सुधीर धर थे।

तृतीय पैनल की ट्रैक 1 चर्चा 'पूर्ण प्रतिफल रणनीति' विषय पर हुई। इसका संचालन भा.प्र.सं. रायपुर में एचआरएम और संगठनात्मक व्यवहार के प्रोफेसर कमल के. जैन ने किया। इस ट्रैक के पैनलिस्ट वीओआईएस के प्रमुख –प्रतिफल, नीति, ईआर और अनुपालन श्री सिद्धार्थ सिलावट, गोदरेज हाउसिंग फाइनेंस के प्रमुख–एचआर व्यवसाय भागीदारी एवं प्रतिफल श्री देबाशीष मजूमदार और नील्सन आईक्यू के सीएचआरओ श्री महिपाल नायर थे।

इस विषय को जारी रखते हुए, भा.प्र.सं. रायपुर में एचआरएम और संगठनात्मक व्यवहार की असिस्टेंट प्रोफेसर प्रो दामिनी सैनी ने चर्चा को आगे बढ़ाया। तृतीय पैनल के ट्रैक 2 में हमारे पैनलिस्ट सीमेंस गेम्स के कंट्री एचआर श्री सत्यनारायण आर और एथर एनर्जी के प्रमुख – प्रतिभा रणनीति एवं विश्लेषिकी श्री टोनी मैथ्यू जोस थे।

भा.प्र.सं. रायपुर ने सफलतापूर्वक अपने 5वें एचआर शिखर सम्मेलन के दूसरे दिन का आयोजन किया। इस 2–दिवसीय संकुलित शिखर सम्मेलन ने ज्ञान और विचारों के मामले में उपस्थित लोगों के लिए महत्व बढ़ाया। शिखर सम्मेलन का दूसरा दिन 'नया कानूनी ढांचा बनाने का मार्ग (दिशानिर्देश और नीतियां)' विषय पर पैनल चर्चा के साथ शुरू हुआ।

चतुर्थ पैनल में वी–गार्ड के उपाध्यक्ष – एचआर व प्रशासन पीटी जॉर्ज, फ्लिपकार्ट के निदेशक एचआर बापूजी चिक्कनगप्पा, विप्रो के जीएम एचआर – वैश्विक सामरिक नियोजन एवं परिनियोजन प्रवीण कामथ कुंबला ने भाग लिया और इसका संचालन, भा.प्र.सं. रायपुर में व्यापार नीति और रणनीति के एसोसिएट प्रोफेसर प्रो. सत्यसिबा दास ने किया।

5वें पैनल की ट्रैक 1 चर्चा 'संकर विधा में कार्यस्थल परिवर्तन' विषय पर आधारित थी। इस पैनल में जीटा सूट की प्रमुख – एचआर सुश्री मार्गरेट डिसूजा, फार्मईजी के उपाध्यक्ष – एचआर श्री अमय जोशी, नैटवेस्ट ग्रुप की निदेशक – एचआर एनडब्ल्यूएम सर्विसेज सुश्री पोलोमी साहा शामिल थीं और इसका संचालन भा.प्र.सं. रायपुर में व्यवसाय नीति एवं रणनीति के एसोसिएट प्रोफेसर समर सिंह ने किया।

5वें पैनल की ट्रैक 2 चर्चा में रिन्यू पावर के सीएचआरओ अजय त्रिपाठी, मुरुगप्पा ग्रुप के वरिष्ठ उपाध्यक्ष एचआर प्रदीप कुमारं ने भाग लिया और इसका संचालन भा.प्र.सं. रायपुर में आईटी एवं प्रणालियां के प्रो. सुमीत गुप्ता ने किया। पैनल चर्चा ''एआई और डेटा चालित एचआर प्रकार्य'' पर आधारित थी।

6वें पैनल की ट्रैक 1 चर्चा 'संरचना, प्रक्रिया, और डिजिटल लीडर के निर्माण' विषय पर आधारित थी। इस चर्चा में अल्ट्राटेक सीमेंट लिमिटेड के वरिष्ठ उपाध्यक्ष देवाशीष रथ, हनीवेल इंडिया के वरिष्ठ निदेशक और कंट्री एचआर प्रमुख सुश्री सुमेधा पाल परमार और आईबीएम इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के प्रतिभा अभिग्रहण प्रमुख कपिल डावर ने भाग लिया। सत्र का संचालन भा.प्र.सं. रायपुर में व्यापार नीति और रणनीति के एसोसिएट प्रोफेसर सत्यसिबा दास ने किया।

इस विषय को जारी रखते हुए, भा.प्र.सं. रायपुर में असिस्टेंट प्रोफेसर–विपणन प्रोफेसर अरुणिमा शाह ने चर्चा को आगे बढ़ाया। छठे पैनल की ट्रैक 2 चर्चा में आर्थर डी लिटिल की एचआर व स्टाफिंग लीड सुश्री ऋचा वी मेहरोत्रा, एबी इनबेव के प्रमुख प्रतिभा – भारत एवं दक्षिण एशिया धर्मेश पटेल, और, बीपीसीएल के कार्यकारी निदेशक – आईएस व डिजिटल बिजनेस पीतांबरा थांकप्पन शामिल थे।

10 सहायक सुविधाएं

10.1 पुस्तकालय

भा.प्र.सं. रायपुर का पुस्तकालय संस्थान की शिक्षण–अधिगम प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह पुस्तकालय शोध छात्रों को मुद्रित और डिजिटल रूप में संसाधनों की निर्बाध खोज का अवसर देता है और संसाधनों तक उनकी पहुंच सुनिश्चित करता है और ऐसे संसाधनों की खोज और उपयोग करने में संकाय, छात्रों और कर्मचारियों को व्यावसायिक सहायता प्रदान करता है। यह पुस्तकालय मुख्य अधिगम संसाधन केंद्र के रूप में कार्य करता है। यह पुस्तकालय संस्थान की शिक्षण, प्रशिक्षण, अनुसंधान और परामर्श कार्यक्रमों की सूचना आवश्यकताओं को पूरा करता है। यह पुस्तकालय लगभग 30,000 वर्ग फुट की विशाल भवन संरचना से परिचालन करता है, और बहुत अच्छी तरह हवादार, बुद्धिमत्तपूर्वक प्रकाशित और पूरी तरह से वातानुकूलित है। यह पुस्तकालय पूरी तरह से स्वचालित वातावरण में परिचालन करता है। संपूर्ण पुस्तकालय संसाधन ऑनलाइन सार्वजिनिक पहुंच सूचीपत्र (ओपेक) का उपयोग करता है जो इसके संसाधनों के संबंध में जानकारी देता है। यह पुस्तकालय लिब्सिस7 एलएमएस (पुस्तकालय प्रबंधन सॉफ्टवेयर) के साथ स्वचालित है। पुस्तकालय का सक्रिय संग्रह आरएफआईडी टैग से टैग किया गया है, और निगरानी, निर्गमन की वापसी, और अन्य कार्यों के लिए आरएफआईडी प्रणाली की स्थापना की गई है। यह पुस्तकालय अपने उपयोगकर्ताओं को पूरे परिसर में चौबीसों घंटे वाई–फाई नेटवर्क के माध्यम से ई–डेटाबेस, ई–पुस्तकों और ई–पत्रिकाओं की सदस्यता के माध्यम से व्यवसाय प्रबंधन से संबंधित डिजिटल संसाधनों तक सुविधाजनक पहुँच प्रदान करता है जिसमें विद्वतापूर्ण विशय सामग्री शामिल है। अनुरोध पर दूर से पहुंच सुविधा भी उपलब्ध है। इस पुस्तकालय ने पुस्तकों, शोध पत्रिकाओं, पत्रिकाओं, समाचार पत्रों को मुद्रित करने के लिए सदस्यताओं, और छात्रों की परियोजना रिपोर्ट आदि जैसे कई अन्य संसाधनों का मजबूत संग्रह बनाया है। यह पुस्तकालय वर्तमान और रोचक जानकारी और समाचार सामग्रियों पर बेहतर संचार और अंतरक्रिया के लिए व्यापक रूप से सोशल मीडिया का उपयोग करता है। उपयोगकर्ता हमें फेसबुक पर भी फॉलो कर सकते हैं। अपने उपयोगकर्ताओं के साथ यह प्रतिबद्धता उनके शिक्षा और अनुसंधान में एक मूल्यवान भागीदार के रूप में पुस्तकालय का निरंतर जुड़ाव दर्शाती है। यह पुस्तकालय नए आगमन प्रदर्शन, समाचार पत्रों की कतरनों आदि के माध्यम से पाठकों को समसामयिक–जागरूकता सेवा प्रदान करता है।

10.1.1 पुस्तकालय का समय

यह पुस्तकालय सभी कार्य दिवसों में प्रातः 9.00 बजे से रात्रि 10.00 बजे तक खुला रहता है। रविवार एवं अन्य राजपत्रित अवकाश के दिन पुस्तकालय बंद रहता है। डिजिटल पुस्तकालय वर्श भर चौबीसों घंटे उपलब्ध रहता है।

10.1.2 सेवाएं

- संदर्भ सेवाएं
- परिसंचरण
- पूरी तरह से स्वचालित पुस्तकालय परिचालन
- अंतरपुस्तकालय ऋण सुविधाएं
- समसामयिक जागरूकता सेवाएं
- सूचना चेतावनी सेवाएं
- सूचना सेवाओं का चुनिंदा प्रसार
- वेब आधारित डिजिटल पुस्तकालय सेवाएं
- ऑफलाइन खोज सेवाएँ
- उपयोगकर्ता जागरूकता कार्यक्रम
- आंतरिक प्रकाशनों का प्रमाणीकरण परीक्षण
- सुदूर पहुंच सेवा
- पुस्तक प्रदर्शनी

10.1.3 संग्रह और संसाधन (31 मार्च 2022 तक)

- पुस्तकें – पुस्तकालय ने सफलतापूर्वक लगभग 14,000 से अधिक पुस्तक संग्रह का व्यापक संग्रह बनाया है। जिनमें से 2500 पुस्तकें इलेक्ट्रॉनिक रूप में उपलब्ध हैं और लगभग 12,500 पुस्तकें मुद्रित प्रारूप में हैं।
- शोध निबंध और शोध प्रबंध – पुस्तकालय प्रबंधन और इसके संबद्ध क्षेत्रों पर 15 लाख शोध निबंधों और शोध प्रबंधों का निक्षेप है।
- सीडी / डीवीडीः लगभग 300 ।
- शोध पत्रिकाओं की वर्तमान सदस्यताः पुस्तकालय इलेक्ट्रॉनिक प्रारूप में लगभग 14000 शोध पत्रिकाओं की सदस्यता रखता है।
- पत्रिकाएँ – पुस्तकालय संस्थान की शैक्षणिक और अनुसंधान आवश्यकताओं के लिए विशिष्ट 30 मुद्रित पत्रिकाओं का ग्राहक है।

- समाचार पत्र – पुस्तकालयछात्रों और अकादमिक समुदाय की जरूरतों को पूरा करने के लिए 2310 समाचार पत्रों का ग्राहक है। इनमें से 2300 इलेक्ट्रॉनिक प्रारूप में उपलब्ध हैं, और 17 मुद्रित प्रारूप में हैं।

10.1.4 पुस्तकालय पोर्टलः पुस्तकालय संसाधनों का वर्चुअल प्रवेश द्वार

- ई–संसाधन
  पुस्तकालय सुदूर पहुंच के माध्यम से परिसर के नेटवर्क पर सुलभ कई महत्वपूर्ण डेटाबेसों का सदस्य है।
- ई–बुक्स
- ई–शोध पत्रिकाएं
- ई–डेटाबेस
- ई–समाचार पत्र
- ई–शोध निबंध और शोध प्रबंध

10.1.5 ई–सेवाएं

- टर्निटिन–साहित्यिक चोरी विरोधी सॉफ्टवेयर

10.1.6 संस्थान संग्रहालय

- डीस्पेस

10.1.7 ई–डेटाबेस (कंपनी / उद्योग / देश डेटाबेस)

- एस नॉलेज पोर्टल
- सीएमआईई – इकनोमिक आउटलुक , इंडस्ट्री आउटलुक , कैपेक्स, प्रोवेस आईक्यू, और डीएक्स
- क्रिसिल रिसर्च
- यूरोमॉनिटर
- इंडियास्टैट.कॉम
- ईपीडब्ल्यूआरएफ इंडिया टाइम सीरीज (ईपीडब्ल्यूआरएफआईटीएस)
- वेंचर इंटेलिजेंस प्राइवेट इक्विटी, प्राइवेट इक्विटी डील्स, प्राइवेट कंपनी फाइनेंसियल, मर्जर्स एंड इक्विसिसन

10.1.8 ई–शोध पत्रिकाएं

- एसीएम डिजिटल लाइब्रेरी
- ईबीएससीओ बिजनेस सोर्स कंप्लीट
- इकोनोलिट फुल टेक्स्ट
- एल्सेवियर्स साइंस डायरेक्ट
- इकनोमिक एंड पोलिटिकल वीकलीइन्फार्म्स पबसुइट
- एमराल्ड जर्नल्स
- जेएसटीओआर
- ऑक्सफोर्ड जर्नल्स
- प्रोक्वेस्ट एबीआई / इनफॉर्म कम्पलीट
- साइकार्टिकल्स
- स्कोपस
- सेज ह्यूमैनिटीज़ एंड सोशल साइंस जर्नल्स
- स्प्रिंगर जर्नल्स
- विली जर्नल्स
- टेलर एंड फ्रांसिस जर्नल्स

10.1.9 ई–बुक्स

- एल्सेवियर्स ई–बुक्स
- एल्सेवियर्स ई–हैंडबुक
- एमराल्ड ई–बुक्स
- स्प्रिंगर ई–बुक्स

10.1.10 ई–समाचार पत्र

- न्यूजपेपर डायरेक्ट
- बिजनेस स्टैंडर्ड डिजिटल
- एफटी.कॉम

10.1.11 ई–शोध निबंध और शोध प्रबंध

- प्रोक्वेस्ट – शोध निबंध और शोध प्रबंध

10.1.12 कर्मचारी गण

पुस्तकालय चार कर्मी सदस्यों की सहायता से अपनी सेवाएं प्रदान करता है, जिसमें एक पुस्तकालयाध्यक्ष, एक वरिष्ठ पुस्तकालय सूचना सहायक और दो कनिष्ठ पुस्तकालय सहायक शामिल हैं।

11. छात्र क्रिया–कलाप

11.1 अकादमिक क्लब

11.1.1 एनालिटिक्स क्लब

एनालिटिक्स क्लब वह मंच है जिसका उद्देश्य अपने सदस्यों और संस्थान में अन्य इच्छुक छात्रों को विश्लेषिकी में बहुआयामी शिक्षा प्रदान करना है।

कार्यक्रम

- एक्सेल वॉल्ट (25 सितंबर 2021) – टूलकिट दस्तावेज और इस संबंध में अंतरक्रियात्मक, प्रयोगिक सत्र प्रदान कर एमएस एक्सेल अनुप्रयोगों में छात्रों की सहायता करने के लिए तैयार की गई सूचनात्मक पहल है।

- पॉवरबी वर्कशॉप (13–14 नवंबर 2021) – फीनिक्स ग्लोबल के सहयोग से एनासिस द्वारा आयोजित कार्यशाला ने उद्योग विशेषज्ञों से पॉवरबी टूल को लाइव सीखने, व्यावहारिक मामले रखने और एलओएआर और लाइव परियोजनाओं को हथियाने का अवसर प्रदान किया।
- 400000000टेक सिम्पलीफाइड – विश्लेषिकी और आईटी के क्षेत्र में ज्ञान बढ़ाने और जागरूकता पैदा करने के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर परिचालित श्रृंखला है।

- लेबरइन्टो (26 जनवरी 2022) – ऑनलाइन पहेली–आधारित प्रतियोगिता है जिसमें बुनियादी विश्लेषिकी और सांख्यिकी के संबंध में छात्रों की समझ का दिलचस्प परीक्षण किया जाता है।
- वैशलेखना (2 फरवरी 2022) – विश्लेषिकी और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र से संबंधित वर्तमान विषयों के संबंध में लेख लेखन प्रतियोगिता है।
- साइफर 3.0 (27 फरवरी 2022) – नवोदित डेटा विजार्ड्स और बीआई के प्रति उत्साही लोगों के लिए अंतर्दृष्टि प्राप्त करने के लिए अपने विश्लेषणात्मक कौशल और रचनात्मकता का प्रदर्शन करने की विश्लेषिकी प्रतियोगिता है।
- ट्रेजरियोमेटिक (25 फरवरी 2022) – अपने कौशल का प्रदर्शन करने के लिए सभी डेटा जादूगरों और एक्सेल उत्साही लोगों के लिए विश्लेषिकी–आधारित ऑनलाइन ट्रेजर हंट प्रतियोगिता है।
- डायवर्जेंस – डायवर्जेंस भा.प्र.सं. रायपुर में एनासिस – एनालिटिक्स एंड सिस्टम क्लब का सप्ताह भर चलने वाला विश्लेषिकी महोत्सव है। इसका उद्देश्य देश की कुछ बेहतरीन बुद्धियों को एक बैनर तले लाना और उन्हें विभिन्न आयोजनों के माध्यम से विश्लेषिकी के क्षेत्र में समृद्ध और आकर्षक अनुभव प्रदान करना है। इस कार्यक्रम से आपको पूरे भारत की कुछ महानतम प्रतिभाओं के विरुद्ध प्रतिस्पर्धा करने का अवसर मिलेगा। इसके तहत कार्यक्रमों की निम्नलिखित श्रृंखला का आयोजन किया गया:

    1. परिवेशक (11 मार्च 2022) – एक उत्पाद केस स्टडी प्रतियोगिता थी जिसमें टीमों को मामले की समस्या में निर्दिष्ट मापदंडों को ध्यान में रखते हुए अपने अभिनव समाधान प्रस्तुत करना था और प्रस्तुत समाधानों को हमारे उद्योग विशेषज्ञों के सम्मानित पैनल के समक्ष प्रस्तुत करना था।

2. फनालिटिक्स (5 मार्च 2022) – विश्लेषिकी के क्षेत्र में अंतर्दृष्टि प्राप्त करने में प्रतिभागियों की सहायता करने से संबंधित डेटासेट विश्लेषण, सिद्धांत और समसामयिकी के मिश्रण के साथ एक ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता था।
3. एक्सेलसियर (6 मार्च 2022) – एक्सेल आधारित वह कार्यक्रम था जिसका उद्देश्य इस टूल के संबंध में छात्रों के कौशल का आत्मनिरीक्षण करना था।
4. टॉक एनालिटिक्स (12 मार्च) – ऋचा अग्रवाल (ट्रेडेंस में निदेशक – विश्लेषिकी और डेटा विज्ञान वितरण) द्वारा ''विश्लेषिकी विषय क्षेत्र में कोई कैसे करियर बना सकता है?'' विषय पर एक विश्लेषणात्मक वार्ता आयोजित की गई।

11.1.2 परामर्श और उद्यमिता क्लब – सीईसी

कार्यक्रम

- समाधान'21 (3 अक्टूबर 2021) – परामर्श की संकल्पनाओं और स्टार्ट–अप स्पेस में हाल की घटनाओं पर आधारित ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी था।
- परामर्श मास्टरक्लास (18 सितंबर 2021 – 19 सितंबर 2021) – प्रतीक रंजन द्वारा ऑनलाइन सत्र था जिसमें महत्वपूर्ण परामर्श अवधारणाओं, अनुमानों और रूपरेखाओं को शामिल किया गया।
- आई–टाक्स (12 जनवरी 2022) – स्टेज ओटीटी के सह–संस्थापक विनय सिंघल द्वारा उद्यमिता और सफल व्यवसाय विकसित करने की दिशा पर केंद्रित ज्ञान–सहभाजन कार्यक्रम था।
- परामर्श 2022 (11 फरवरी 2022) –किसी स्टार्टअप के साथ गठबंधन कर व्यवसाय विकास रणनीतियों पर केस स्टडी प्रतियोगिता था।
- पिच परफेक्ट (27 फरवरी 2022) – छात्रों के लिए उनकी व्यावसायिक योजना में सहायता करने के लिए व्यवसाय योजना प्रतियोगिता था, जिसमें वर्तमान मुद्दों को अभिनव रूप से हल किया गया।
- कंसल्टविज (21 मार्च 2022) – परामर्श अवधारणाओं और रूपरेखाओं को लागू करने पर आधारित ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी था।

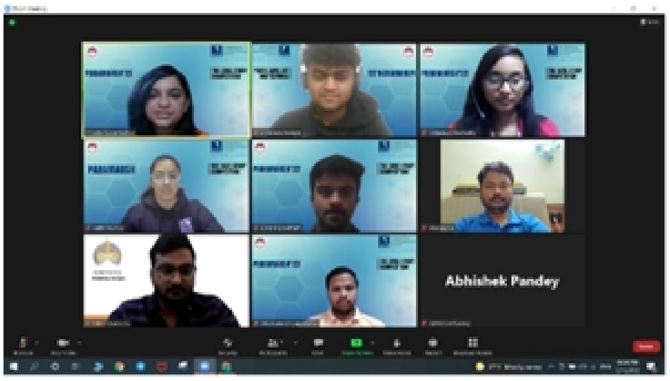

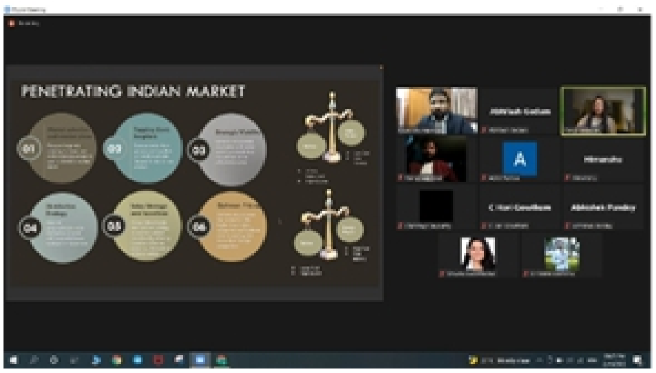

11.1.3 फिनाटिक्स (वित्त क्लब)

फिनाटिक्स वित्त के लिए जीवंत पारितंत्र बनाने के उद्देश्य से समान विचारधारा रखने वाले उत्साही लोगों का मंच है जो वित्त में अपना करियर बनाने में रुचि रखने वाले सभी छात्रों के साथ अपने ज्ञान को लगातार बढ़ाते रहते हैं।

कार्यक्रम

- वृत्तमः वृत्तम भा.प्र.सं. रायपुर का मासिक वित्त समाचार पत्र है। छात्रों की हर माह वित्तीय समाचारों से अवगत होने में सहायता करने के लिए यह समाचार पत्र निकाला किया जाता है ।

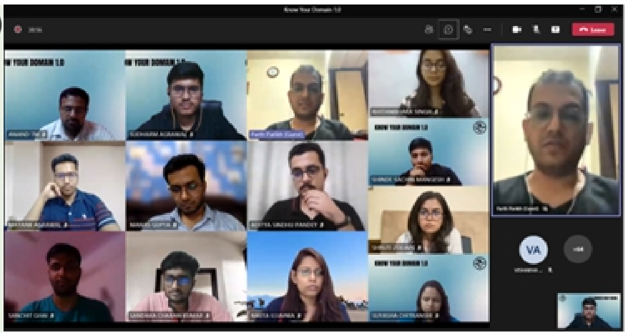

- फिनफंडा – स्पष्टीकरणों और उदाहरणों के साथ वित्त शब्दावली से संबंधित शब्दावली की साप्ताहिक श्रृंखला है।
- फिनवर्ल्ड (18/10/2021) – फिनवर्ल्ड तीन चक्र में आयोजित किया गया केस स्टडी कार्यक्रम था। चक्र –1 में अभ्यर्थियों के वित्तीय कौशल का परीक्षण करने के लिए प्रश्नोत्तरी शामिल थी, जिसके बाद एक केस स्टडी थी जिसमें छात्रों को वित्तीय अनुमानों के साथ अपने गुणात्मक समाधान प्रस्तुत करने थे। अंतिम चक्र में पहुंचनवाले अभ्यर्थियों को जजों के पैनल के सामने अपना समाधान प्रस्तुत करना था
- अपना कार्यक्षेत्र जानें 09/11/2021– फिनशिक्षा द्वारा वित्त में करियर के संबंध में दिया गया अतिथि व्याख्यान था।
- फिनटॉक5.0: अतिथि व्याख्यान श्रृंखला है जिसमें उद्योग और शिक्षा जगत के विशेषज्ञ वित्त जगत से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर बात करते हैं।

  श्री बिनोद शंकर (सीएनबीसी और ब्लूमबर्ग में बाजार विश्लेषक) – 17/12/2021

  बिनोद एक मंच वक्ता, एक कार्यकारी कोच, एक नियमित ब्लॉगर, सीएनबीसी और ब्लूमबर्ग में एक बाजार विश्लेषक और वित्त में करियर पर केंद्रित आरएफएम पॉडकास्ट (www.therealfinancementor.com) के होस्ट हैं। उन्होंने जेनेसिस इंस्टीट्यूट की सह–स्थापना और नेतृत्व किया है, जिसे बाद में कपलान इंक ने अधिग्रहित कर लिया। यह व्याख्यान वित्त में करियर और व्यवहार कौशलों के महत्व पर दिया गया।

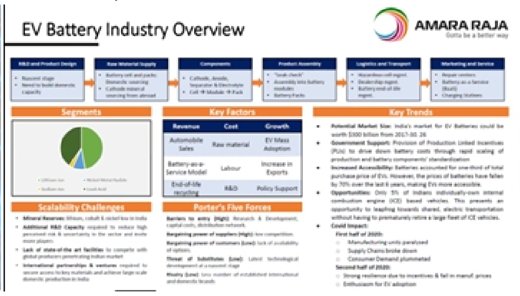

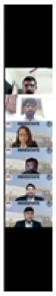

- मूल्यांकन (19/01/2022) –यह फिनाटिक्स द्वारा आयोजित राष्ट्रीय स्तर का इक्विटी अनुसंधान और मूल्यांकन प्रतियोगिता था। इस प्रतियोगिता में दो चक्र शामिल थे। पहले चक्र में अभ्यर्थियों की वित्तीय योग्यता का आकलन करने के लिए एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता थी, जिसके बाद वित्तीय मूल्यांकन चक्र और प्रस्तुति आया, जिसमें प्रतिभागियों को आवंटित कंपनी का मूल्यांकन करना था।
- इन्वेस्टेट (15/02/2022) – कर्मांता'21 के एक भाग के रूप में विलय और अधिग्रहण पर राष्ट्रीय स्तरीय वित्त केस स्टडी प्रतियोगिता आयोजित की गई थी। यह प्रतियोगिता तीन चक्रों में आयोजित की गई थीः प्रश्नोत्तरी, मामला प्रस्तुति और प्रस्तुतिकरण।
- वरूशंतारा: (02/02/2022) केंद्रीय बजट की विश्लेषण प्रतियोगिता था, जिसमें प्रश्नोत्तरी चक्र से चुने गए प्रतिभागियों ने केंद्रीय बजट के विभिन्न पहलुओं का गंभीर रूप से विश्लेषण किया।
- स्ट्रेटिवः 16/03/2022 व्यापार और निवेश रणनीतियों पर आधारित एक अंतर महाविद्यालय प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता था।

11.1.4 ह्विधान (एचआर क्लब)

भा.प्र.सं. रायपुर में एचआर क्लब की स्थापना प्रबंधन व्यावसायिकों के बीच एचआर की समग्र समझ में रुचि जगाने और प्रज्वलित करने के लिए की गई थी। हमारा उद्देश्य छात्रों को मानव संसाधन के मुद्दों को संभालने और न केवल एक अधिगम चैनल के रूप में कार्य कर बल्कि चर्चा, व्यवहार और उत्कृष्टता प्रदान करने के लिए एक रोमांचक मंच के रूप में भी कार्य कर प्रकार्य में मजबूत पकड़ बनाने का कौशल प्रदर्शित करना है।

कार्यक्रम

- क्विजान (11 नवंबर 2021): यह एक अंतः महाविद्यालय प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम था जिसमें एक चक्र शामिल था। अभ्यर्थियों ने विभिन्न व्यावसायिक शब्दों, एचआर और ओबी अवधारणाओं में अपनी शिक्षा का प्रदर्शन किया। यह कार्यक्रम डी2सी पर आयोजित किया गया था और 8 मेधावी छात्रों के शीर्ष 3 दलों को योग्यता और प्रशंसा प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया था।
- रुमिनेट (6 जनवरी 2022): यह एक अंतर–महाविद्यालय कार्यक्रम था जिसमें केवल एचआर और ओबी विषयों पर आधारित ट्रेजर हंट का एक चक्र शामिल था। यह कार्यक्रम डी2सी पर आयोजित किया गया था, और शीर्ष 3 दलों के 7 मेधावी छात्रों को योग्यता और प्रशंसा प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया था।
- ऑल क्लूड अप (18 जनवरी 2022): यह एक अंतः महाविद्यालय कार्यक्रम था जिसमें दो चक्र शामिल थे – पहले चक्र में एचआर सक्षमता, आचार नीति और अनुपालन प्रश्नोत्तरी शामिल थी। दूसरे चक्र के लिए शीर्ष 20 दलों को चुना गया, जिसमें उन्हें एचआर नीतियों से संबंधित विषयों पर आधारित एक पृष्ठ का स्लाइड जमा करना था। भा.प्र.सं. रायपुर की प्रो दामिनी सैनी ने इस कार्यक्रम का फैसला सुनाया।
- अन्वेषण (05 फरवरी 2022): यह एक अंतर–महाविद्यालय, एकल–चक्रीय रचनात्मकता–आधारित स्लाइडर कार्यक्रम था। इस रचनात्मकता–आधारित कार्यक्रम ने प्रतिभागियों को एचआर और ओबी विषयों पर आधारित स्लाइड बनाने का अवसर दिया। यह कार्यक्रम डी2सी पर आयोजित किया गया था और एक संकाय मूल्यांकनकर्ता ने इसका फैसला सुनाया। शीर्ष 3 मेधावी दलों को योग्यता प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया।
- डेट्रोइक्स (05 मार्च 2022): यह एक अंतः महाविद्यालय, एकल–चक्रीय प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम था। यह प्रश्नोत्तरी मुख्य रूप से एचआर और ओबी विषयों पर आधारित थी, जिसमें मिश्रण में कुछ सामान्य और मजेदार सांधारण बातें शामिल थी। यह कार्यक्रम डी2सी पर आयोजित किया गया था, और 9 मेधावी छात्रों के शीर्ष 3 दलो को योग्यता प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया था।
- अन्वेषण (10 मार्च 2022): यह एक अंतर–महाविद्यालय, एकल–चक्रीय क्रॉसवर्ड–आधारित पहेली कार्यक्रम था। यह कार्यक्रम डी2सी पर आयोजित किया गया था, और शीर्ष 3 टीमों को योग्यता प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया था। क्रॉसवर्ड मुख्य रूप से एचआर और ओबी विषयों पर आधारित था।
- केसकेडिया (27 फरवरी 2022): यह भा.प्र.सं. रायपुर के प्रबंधन उत्सव – कर्मांता 2022 की छत्रछाया तले आयोजित किया गया एक अंतर–महाविद्यालय कार्यक्रम था। इस कार्यक्रम में शीर्ष बी–स्कूलों के साथ ही इंजीनियरिंग और कला महाविद्यालयों से प्रतिभागियों को भी आमंत्रित किया गया था। इस कार्यक्रम में 2 चक्र शामिल थे; पहले चक्र में ट्रेजर हंट शामिल था, और अर्हता प्राप्त करने वाले प्रतिभागी दूसरे चक्र अर्थात् केस स्टडी–आधारित चक्र में पहुंचे। इस आयोजन में 20,000 रुपये का नकद पुरस्कार शामिल था, जिसके लिए 293 पंजीकृत प्रतिभागियों को 90 दलों में बांटा गया था। इस कार्यक्रम को मुख्य अतिथि और जज के रूप में प्रो. अनुभा दाधीच ने सुशोभित किया।
- पेन इट डाउन (27 फरवरी 2022): यह भा.प्र.सं. रायपुर के प्रबंधन उत्सव – कर्मांता 2022 की छत्रछाया तले आयोजित किया गया एक अंतर–महाविद्यालयी कार्यक्रम था। इस कार्यक्रम में 2 चक्र शामिल थे; पहले चक्र में एक प्रश्नोत्तरी शामिल थी जिसमें प्रतिभागियों को अपनी एचआर और ओबी लर्निंग हंट में गहराई से गोता लगाना था। अर्हता प्राप्त करने वाले प्रतिभागी दूसरे चक्र अर्थात् लेख लेखन चक्र में पहुंचे। इस कार्यक्रम में शीर्ष बी–स्कूलों के साथ ही इंजीनियरिंग और कला महाविद्यालयों से भी प्रतिभागियों को आमंत्रित किया गया था। इस आयोजन में 20,000 रुपये का नकद पुरस्कार शाामिल था, जिसके लिए 223 पंजीकृत प्रतिभागियों को 71 दलों में बांटा गया था। इस कार्यक्रम को मुख्य अतिथि और जज के रूप में प्रो. दामिनी सैनी ने सुशोभित किया।–
- एचआर क्लैविसः एक और सभी के लिए एचआर से संबंधित शब्दावली की समझ बढ़ाने के लिए एचआर शब्दावली श्रृंखला का साप्ताहिक परिचालन किया गया।
- एचआर बजः मासिक एचआर समाचार पत्र प्रथम और द्वितिय वर्ष के सभी छात्रों को एचआर से संबंधित सभी नवीनतम समाचारों, प्रथाओं और घटनाओं के संबंध में अद्यतन रखने के लिए भेजा जाता है।

11.1.5 मंत्र (विपणन क्लब)

भा.प्र.सं. रायपुर का विपणन क्लब मंत्र छात्रों को उद्योग के लिए तैयार करने के लिए बौद्धिक और रचनात्मक दोनों स्तरों पर जोड़ने का काम करता है।

कार्यक्रम

- एक्सप्लोरर (28 नवंबर 2021) –यह विभिन्न ब्रांडों का प्रतिनिधित्व करने वाली टीमों के बीच एक विपणन मुकाबला चुनौती था, जिसके बाद एक ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी चली और अंतिम चक्र के लिए प्रस्तुति दी गई। इस कार्यक्रम ने छात्रों की विभिन्न ब्रांडों का परिप्रेक्ष्य जुटाने और इसके लिए ब्रांड विस्तार के लिए विचार सूझने में सहायता की।
- एलिक्सिर (14 जनवरी 2022) –यह घात विपणन पर आधारित केस आधारित अंतर महाविद्यालयी ऑनलाइन विपणन प्रतियोगिता था। ऑनलाइन विपणन के प्रथम चक्र में, प्रतिस्पर्धा करने की हिम्मत बांधने पर एक प्रश्नोत्तरी आयोजित की गई थी, जिसके बाद घात विपणन केस था।
- क्रिएटिव मैजिक (2 फरवरी 2022) – ऑनलाइन अंतर महाविद्यालयी विज्ञापन–निर्माण प्रतियोगिताओं में किसी विशेष स्थिति के आधार पर विज्ञापन बनाने और उसको आकर्षक बनाने के लिए कई विपणन अवधारणाओं का उपयोग करने की आवश्यकता थी।
- केस फाइल्स 6.0 (15 फरवरी 2022) – क्लब ने छात्रों के विश्लेषणात्मक और आलोचनात्मक चिंतन कौशल को आकर्षित करने के लिए एक अंतर–महाविद्यालयी केस स्टडी चुनौती का आयोजन किया। इसमें दो चक्र शामिल थेः अर्हताकारी ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी चक्र और केस स्टडी चक्र। इन चक्रों में, प्रतिभागियों को वास्तविक जीवन के उद्योग परिदृश्यों का परीक्षण करने के लिए अपनी विपणन रणनीतियों को रखने का अवसर प्रदान किया गया। विचारों का उनकी विशिष्टता, व्यवहार्यता, मुद्दों की गहन समझ और विश्लेषण की गहराई के आधार पर मूल्यांकन किया गया। केस स्टडी का एमबीए ट्रेक के सहयोग से आयोजन किया गया था।
- सीधी बात (27 फरवरी 2022) – इस अतिथि संवाद कार्यक्रम ने छात्रों को उद्योग दिग्गजों के साथ सीधे अंतरक्रिया करने का अवसर प्रदान किया। इस वर्ष के ''सीधी बात'' कार्यक्रम में पैनल चर्चा और उसके बाद छात्र अंतरक्रिया के लिए एक प्रश्नोत्तर चक्र के लिए चार सम्मानित अतिथियों और एक विशेषज्ञ प्रोफेसर को आमंत्रित किया गया था। इसका विषय ''प्रभावी संचार के माध्यम से विघटनकारी नवाचार का मार्ग प्रशस्त करना'' था।
- समर्थ (13 मार्च 2022) – हितधारकों के दृष्टिकोण से संवहनीय विपणन समाधान खोजने के लिए एक अंतर–महाविद्यालयी केस स्टडी पूरी की गई। इस कार्यक्रम में दो चक्रो, अर्हताकरी प्रश्नोत्तरी चक्र और केस प्रस्तुति चक्र का आयोजन किया गया था।
- विपणन वर्कशॉप (14–15 मार्च 2022) – ग्रोथएकेड के सहयोग से 'डिजिटल और वृद्धि विपणन' और 'डेटा विश्लेषण' पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।
- मंत्रा बाइट्स – वह वीडियो श्रृंखला जिसके माध्यम से वरिष्ठ बैच के छात्रों ने अपने ग्रीष्मकालीन प्रशुक्षता नियोजन की तैयारी में कनिष्ठ बैच कामार्गदर्शन करने के लिए अपने नियोजन अनुभव को साझा किया। इस पहल का उद्देश्य छात्रों के बीच जुड़ाव बढ़ाने के साथ–साथ परिसर में साथी शिक्षा के वातावरण का निर्माझा करना था!
- मंत्र मिरर – छात्रों को विपणन जगत की वर्तमान घटनाओं से अवगत रखने के लिए, यह एक मासिक समाचार पत्र है जिसमें दुनिया भर के लेखों और विपणन समाचारों का उद्धरण शामिल होता है।
- जुड़ाव समूह – विभिन्न सोशल नेटवर्किंग प्लेटफॉर्म पर ज्ञान सहभाजन समूह हैं जहां छात्र विचारों और विपणन से संबंधित समाचारों और विचारों का आदान–प्रदान कर सकते हैं। इस आयोजन का उद्देश्य छात्रों को विपणन उद्योग में वर्तमान घटनाओं से अवगत कराना था।
- सीएपी साक्षात्कार मार्गदर्शन सत्रः प्रवेश समिति की बेल द कैट टिप्स सेशन के सहयोग से, विपणन क्लब ने संभावित छात्रों को उनके सीएपी साक्षात्कारों के लिए सलाह देने, मार्गदर्शन करने और सहायता देने के लिए फेसबुक पर एक सत्र का आयोजन किया।

11.1.6 ओपीईपी (परिचालन क्लब)

भा.प्र.सं. रायपुर का परिचालनएवं आपूर्ति श्रृंखला क्लब भारतीय प्रबंध संस्थान रायपुर का सबसे पुराना क्लब है। इस क्लब का उद्देश्य परिचालन और आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन क्षेत्र में छात्रों के बीच रुचि पैदा करना और विकसित करना है। ओपीईपी के सदस्य विभिन्न कार्यक्षेत्र–विशिष्ट गतिविधियों के माध्यम से छात्रों को सक्रिय रूप से सहभागी बनाकर सुनिश्चित करते हैं कि वे वर्तमान रुझानों के साथ अपना तालमेल रखने के लिए अपना ज्ञान सशक्त बनाने के अलावा उससे मूल्य प्राप्त करें।

कार्यक्रम

- क्विज – ओपीएस (29 अक्टूबर 2021): यह प्रश्नोत्तरी परिचालन प्रबंधन अवधारणाओं और परिचालन में वर्तमान प्रवृत्तियों पर आधारित थी। इस आयोजन का उद्देश्य भा.प्र.सं. रायपुर के छात्रों को परिचालन और आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन की दुनिया में मौजूदा रुझानों से जोड़ना था।
- ओपीएस परिचालन परिचालन– एसटीआरएटी (5 दिसंबर 2021): इस कार्यक्रम का पहला चक्र एक ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी था जिसमें प्रमुख बी–स्कूलों के छात्रों ने भाग लिया और शॉर्टलिस्ट की गई टीमें फाइनल चक्र में पहुंचीं, जहाँ उन्हें समयोचित केस स्टडी और परिचालन दिग्गजों के सामने उसे प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान किया गया।
- सीवाईसीएल–ओपीएस (3 जनवरी 2022): सिमुलेशन वातावरण में परिचालन के तकनीकी पहलू के बीच अंतः संबंध बढ़ाने के लिए ऑनलाइन परिचालन प्रश्नोत्तरी और सिमुलेशन गेम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम दो चक्रों में आयोजित किया गया। पहला प्रश्नोत्तरी और उन्मूलन चक्र था, जिसके बाद आखिरी चक्र, सिमुलेशन चक्र था।
- लेट्स टॉक ओपीएस (9 जनवरी 2022): यह कार्यक्रम छात्रों की हालिया परिचालन रुझानों के संबंध में ज्ञान प्राप्त करने में सहायता करने के लिए आयोजित किया गया था। हमने अपने मुख्य अतिथि संदीप चटर्जी (डेलॉइट के निदेशक –उभरती प्रौद्योगिकियां) की सगर्व उपस्थिति में ''उद्योग 4.0 के माध्यम से स्वचालन से बुद्धिमत्ता में परिवर्तन'' विषय पर ओपीएस टॉक का कार्यक्रम आयोजित किया। इसमें हमने उद्योग विशेषज्ञ के साथ सार्थक संवाद का मंच उपलब्ध कराया।
- ओपीएस – एशेंसिया। (4 फरवरी 2022): इस कार्यक्रम का पहला चक्र एक ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी था जिसके बाद केस–स्टडी प्रस्तुति थी, जिसमें प्रमुख बी–स्कूलों के छात्रों को वास्तविक दुनिया की समस्याओं का व्यावहारिक समाधान सूझने के लिए सदियों पुरानी अवधारणाओं और सामने आने वाले हालिया उद्योग के रुझानों के बीच सही संयोजन का पता चला।
- ओपीएस कोजीटेट (17 फरवरी 2022): यह वार्षिक प्रबंधन उत्सव 'कर्मांता' के लिए परिचालन और आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन में बुनियादी सिद्धांतों के अनुप्रयोग का परीक्षण करने के लिए आयोजित की गई एक राष्ट्रीय स्तरीय केस स्टडी प्रतियोगिता थी। इस आयोजन का पहला चक्र एक ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी था जिसमें प्रमुख बी–स्कूलों के छात्रों ने भाग लिया। शॉर्टलिस्ट की गई टीमें फाइनल चक्र में पहुंचीं, जिसमें उन्हें समयोचित केस स्टडी और परिचालन दिग्गजों के सामने उन्हें प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान किया गया।
- लेट्स प्ले ओपीएस (25 फरवरी 2022): यह वार्षिक प्रबंधन उत्सव 'कर्मांता' के लिए परिचालन और आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन में बुनियादी सिद्धांतों के अनुप्रयोग का परीक्षण करने के लिए आयोजित की गई एक राष्ट्रीय स्तरीय सिमुलेशन गेम चुनौती था। इस कार्यक्रम में सिमुलेशन वातावरण में परिचालन के तकनीकी पहलुओं के बीच अंतः संबंध स्थापित करने के लिए एक ऑनलाइन सिमुलेशन गेम शामिल था।

- लेट्स टॉक ओपीएस (12 मार्च 2022): आपूर्ति श्रृंखला कार्यक्षेत्र में उद्योग विशेषज्ञों से लाइव अंतरक्रियात्मक सत्र भा. प्र.सं. रायपुर में अधिगम अनुभव का एक अभिन्न भाग है। परिचालन और आपूर्ति श्रृंखला क्लब स्पष्ट रूप से परिभाषित लक्ष्यों के साथ इन अंतरक्रियाओं, उद्योग भ्रमणों और परियोजनाओं के माध्यम से छात्रों के क्षितिज को व्यापक बनाने की सुविधा प्रदान करता है। इस वर्ष हमने "आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन में डिजिटल पहल" विषय पर अतिथि वक्ता के रूप में श्री बलप्रीत सिंह (रिलायंस इंडस्ट्रीज के एवीपी – डिजिटल परिवर्तन पहल) की मेजबानी की।
- आइसिया – प्रमाणनः ओपीईपी प्रमाणन कार्यक्रम, अतिथि व्याख्यान और केस स्टडी प्रतियोगिताओं के आयोजन में आइसिया (अंतर्राष्ट्रीय आपूर्ति श्रृंखला शिक्षा गठबंधन) के साथ समन्वय करता है। इन गतिविधियों का समन्वय करने के लिए एक छात्र राजदूत नियुक्त किया गया है।
- आई–ओपीएसः परिचालन और आपूर्ति श्रृंखला कार्यक्षेत्र में ज्ञान प्रदान करने के लिए लघु प्रश्नोत्तरियों की श्रृंखला है। इन प्रश्नोत्तरियों का उद्देश्य वास्तविक जीवन के परिदृश्यों के साथ ओपीएस अवधारणा को स्पष्ट करना है। प्रश्नोत्तरियों का सभी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर आयोजन किया गया था।

11.2 गैर–शैक्षणिक क्लब

11.2.1 कर्तव्य

कर्तव्य भा.प्र.सं. रायपुर का सीएसआर क्लब है। यह क्लब छात्रों का समाज में सकारात्मक बदलाव लाने काएक संयुक्त प्रयास है, चाहे वह पर्यावरण के संरक्षण के लिए हो या सामुदायिक विकास और भागीदारी के लिए हो। इस क्लब के एक भाग के रूप में, छात्रों में समाज के प्रति उत्तरदायित्व की भावना विकसित होती है। साथ ही यह उनमें टीम में काम करने और कठिन स्थितियों को आसानी से संभालने की भावना पैदा करता है। सीएसआर गतिविधियों के माध्यम सेछात्र अपने आपको समाज और उससे संबंधित मुद्दों से जोड़ते हैं। एक प्रतिष्ठित बिजनेस स्कूल के नवोदित प्रबंधकों और उभरते प्रमुखों के रूप में, छात्र सीमित संसाधनों, लेकिन अविचल इच्छाशक्ति के साथ बेहतर तरीके से समाज की सेवा करने के लिए अनुकूलत समाधान सूझते हैं।

कार्यक्रम

- प्रतिज्ञा (20 सितंबर 2021) – भा.प्र.सं. रायपुर के नवोदित प्रबंधकों की नैतिक भावना को प्रज्वलित करने के लिए एक शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। छात्रों ने अपने आपसे यह वादा करते हुए शपथ ली, कि वे नैतिक, सामाजिक रूप से जिम्मेदार और उद्योग के संवहनीय उद्देश्यों के अनुरूप निर्णय लेते हुए जिम्मेदार और जवाबदेह प्रबंधक बनेंगे।
- दान उत्सव (26–28 अक्टूबर 2021): दान उत्सव जो हमारे पास है उसमें से कुछ उन लोगों को देकर उन सभी के लिए आभार प्रकट करने का त्योहार है, जिन्हें हमसे ज्यादा इसकी जरूरत है। भा.प्र.सं. रायपुर के छात्रों ने दान अभियान में भाग लिया जिसमें उन्होंने भोजन, कपड़ों, पुसतकों आदि का दान किया।
- उत्तरदायित्व (10 जनवरी 2022) – भारत भर के छात्रों के लिए एक अंतर महाविद्यालयी केस स्टडी प्रतियोगिता था जिसमें प्रतिभागियों ने अपनी पसंद के स्टार्टअप के लिए सीएसआर गतिविधियों का विचार प्रस्तुत किया।
- सहारा (17– 22 जनवरी 2022): दान अभियान जिसमें भा.प्र.सं. रायपुर के स्नातक छात्र छात्राावास छोड़ने से पहले अपनी पुस्तकों, कपड़ो, पर्दों, जूतों, कंबलों आदि का दान करते हैं।
- सफरनामाः एक सतत साक्षात्कार श्रृंखला है जिसमें कर्तव्य सदस्य गैर–सरकारी संगठनों के संस्थापकों का साक्षात्कार लेकर उनके दृष्टिकोण को समझने और उनसे सीखने की कोशिश करते हैं।
- काव्यांजलि (25 फरवरी 2022) – यह एक अंतर–महाविद्यालयी कविता पाठ प्रतियोगिता थी जिसे छात्रों के लिए विभिन्न सामाजिक मुद्दों के संबंध में सोचने और अपनी भावनाओं को आवाज देने के लिए आयोजित किया गया था।
- समाधान (26 फरवरी 2022) – यह अंतर–महाविद्यालयी पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता था जिसमें प्रतिभागियों को एक समस्या कथन दिया गया जिसकोहनल करने के लिए उन्होंने अपने विचारों का प्रस्ताव करते हुए एक पोस्टर डिजाइन किया।
- दास्तान (27 फरवरी 2022) – यह एक अंतर–महाविद्यालयी स्टैंडअप प्रतियोगिता था जिसमें प्रतिभागियों ने एक सामाजिक मुद्दे के संबंध में जागरूकता बढ़ाने के लिए एकालाप, भूमिका निर्वाह, संगीत आदि का प्रदर्शन किया!
- अभिवृद्धि (17 मार्च 2022) – भा.प्र.सं. रायपुर के छात्रों को ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के माध्यम से समाज के किसी भी वर्ग द्वारा सामना किए जाने वाले मुद्दों या समस्याओं की पहचान करने और उसके लिए सर्वोत्तम कार्रवाई खोजने का अवसर दिया गया।

11.2.2 पिक्सेल

भा.प्र.सं. रायपुर का डिजिटल मीडिया क्लबः पिक्सेल भा.प्र.सं. रायपुर का आधिकारिक फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी कवरेज निकाय है। यह रचनात्मक डिजिटल संचार में नए क्षेत्रों और बदलते रुझानों की पड़ताल करता है। यह भा.प्र.सं. रायपुर में आयोजित किए जाने वाले 'कर्मांता' जैसे कार्यक्रमों और उत्सवों को कवर करने के लिए उत्तरदायी है। इसके अलावा, यह ग्राफिक डिजाइनिंग, विचारण और उत्पाद बिक्री में भी है।

कार्यक्रम

- पिक्सेल–ओ–हंट (05–11–2021)– एक ऑनलाइन ट्रेजर हंट कार्यक्रम था। भागीदारी करने वाली टीमों को सुराग ढूंढना और उसकी तस्वीरें क्लिक करना था, जिसके बाद कोलाज बनाना और कहानी सुनाना था। इस कार्यक्रम को जज के रूप में प्रोफेसर हिमांशु एस श्रीवास्तव ने सुशोभित किया और प्रतिभागियों को लीक से हटकर चिंतन और कथन कौशल का मूल्यांकन कर तद्नुसार पुरस्कृत किया गया।
- दृश्यम(11 / 02 / 2022 से 27 / 02 / 2022) – ''दृश्यम'' कार्यक्रम भा.प्र.सं. रायपुर के उत्सव ''कर्मांता'' के एक भाग के रूप में आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम में 2 चक्र शामिल थे। पहला चक्र फोटोग्राफी चक्र था। दूसरा चक्र पोस्टर निर्माण का था। प्रतिभागी किसी फिल्म या किसी श्रृंखला के निदेशक थे और उन्हें कहानी के संबंध में निर्णय लेना और 200–300 शब्दों में फिल्म के सारांश के साथ एक पोस्टर बनाना था।
- पिक्सेलेंस 2.0 (01 / 03 / 2022 से 05 / 03 / 2022) – प्रतिभागियों ने हमें दिए गए विषयों– विंटेज, मैक्रो और आर्किटेक्चर में से एक विशय पर तस्वीर भेजी। सभी को कई तस्वीरों के माध्यम से प्रतिभागियों की विविधतापूर्ण विषय प्रस्तुति को देखने का अवसर मिला। जज द्वारा सर्वश्रेष्ठ तस्वीर का चयन किया गया। भाग लेने वाले लोगों को अपने फोटोग्राफी कौशल के संबंध में अपनी प्रतिभा दिखाने का एक मंच मिला।
- एड–वर–टाइज 3.0 (07 / 03 / 2022 से 12 / 03 / 2022) – एड–वर–टाइज 3.0 विज्ञापन की वीडियो बनाने की प्रतियोगिता था जिसमें प्रतिभागी कम से कम 3 सदस्यों और अधिकतम 5 सदस्यों की एक टीम में भाग ले सकते थे, और ई–कॉमर्स उद्योग से संबंधित किसी भी मौजूदा उत्पाद को चुन सकते थे और अधिकतम 3 मिनट का वीडियो सूझ सकते थे। प्रतिभागियों को वीडियो बनाने मेंयथासंभव रचनात्मक होना था। उन्हें उत्पाद के लिए अभिनव टैगलाइन भी सूझना चाहिए था। इसने उन्हें विपणनकर्ता के दृष्टिकोण से देखते हुए रचनात्मकता लाते हुए अपना वीडियो–निर्माण कौशल और विभिन्न विज्ञापनों के संबंध में अपनी समझ प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान किया, और उन्हें कड़ी प्रतिस्पर्धा में अपने अभिनव कौशल को उजागर करने में सक्षम बनाया।

11.2.3 प्रकृति

प्रकृति क्लब का मिशन पर्यावरण और संवहनीय जीवन के महत्व के संबंध में वैश्विक जागरूकता बढ़ाना है। जैव विविधता में सभी संवेदन समर्थ प्राणियों के मूल्य के संबंध में जागरूकता बढ़ाना है। भविष्य की पीढ़ियों के लिए बेहतर धरती बनाने और सभी लोगों के लिए पर्यावरण अनुकूल जीवन शैली के लिए नए विचारों पर ध्यान केंद्रित करना है।

NOVEMBER 2021

AURAE

OFFICIAL NEWSLETTER OF PRAKRITI -THE ECO CLUB OF IIM RAIPUR

World Heritage forests releasing more carbon than they absorb: UNESCO

World Heritage Forests: Carbon Sinks Under Pressure, a recent report, shows that instead of helping to prevent global warming, some of the world's most important forests actually contribute to total CO2 emissions.

As a result of wildfires, deforestation, and global warming, the first scientific experiment of greenhouse gases in the UNESCO World Heritage List has identified other forests, such as the Yosemite National Park in the United States and the Rio Platano Biosphere Reserve in Honduras. , they emitted more carbon than they had accumulated since the turn of the millennium.

Morro Bay seagrass loss causes change in fish populations

In Morro Bay, the loss of seagrass habitat resulted in a drastic shift in fish species. Flatfish that like the murky seafloor have taken over areas that were formerly home to rich seagrass meadows and rare fish species. Flatfishes like the speckled sanddab and staghorn sculpin have increased in quantity, while seagrass-specialist fish species have declined. For species that rely on seagrass, the loss of eelgrass habitat along the California coast is an issue.

What would the world look like at 1.5C, 2C and 3C?

Half a degree might not sound like a lot when you're relaxing in the sun, but it could have huge and potentially catastrophic effects on our global climate.

Right now the world is on average at least 1.1C warmer than it was at the end of the

कार्यक्रम

- औराः प्रकृति का एक मासिक समाचार पत्र है जिसमें पर्यावरण, जलवायु, नवाचार और दुनिया भर में वर्तमान घटनाओं से संबंधित समाचार शामिल होता है।
- ईको—व्यूः महत्वपूर्ण समाचार और घटनाओं पर प्रकाश डालने के लिए प्रकृति क्लब द्वारा प्रकाशित अर्ध—वार्षिक पत्रिका है।
- संदेशः ''एकल उपयोग वाली प्लास्टिक'' विषय पर आधारित एक डिजिटल विज्ञापन—निर्माण प्रतियोगिता है, जो पर्यावरणीय संवहनीयता के संबंध में जागरूकता फैलाने पर केंद्रित है।
- इको—कल्टः व्यवसाय योजना प्रस्तुति प्रतियोगिता है जिसमें वास्तविक जीवन में समाधान लाना शामिल है। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य छात्रों को उद्योग विशेषज्ञों के सामने वास्तविक जीवन के मामलों का समाधान प्रस्तुत करने का अवसर देना है।
- इको अमिका दिवालीः इको क्लब ने इस वर्श पर्यावरण अनुकूल दिवाली का प्रचार—प्रसार किया। दीवाली को पर्यावरण अनुकूल तरीके से मनाने और पटाखों और प्रदूषण फैलाने वाली अन्य चीजों से बचने के तरीकों पर ध्यान केंद्रित किया गया—
- चैट विद नेचरः एक वीडियो प्रस्तुति प्रतियोगिता है जिसमें प्राकृतिक तत्वों को वास्तविक जीवन में लाना शामिल है। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य विभिन्न पर्यावरणीय खतरों के संबंध में लोगों में जागरूकता पैदा करना और छात्रों को वास्तविक जीवन की समस्याओं का समाधान प्रस्तुत करने का अवसर देकर प्रकृति के तत्वों के संबंध में बात करना था।
- एन्वायरन अलायंसः पर्यावरण और उसके संरक्षण और रखरखाव के लिए निर्धारित नीतियों के संबंध में छात्रों के ज्ञान की जांच करने के लिए पर्यावरण से संबंधित एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता है।
- मीम आईटीः मजेदार तरीके से जागरूकता पैदा करने के लिए मीम प्रस्तुति प्रतियोगिता है।
- रिसाइक्लोमैनियाः अपशिष्ट से सर्वश्रेश्ठ प्रतियोगिता है, जिसमें छात्रों को कुछ सरल लेकिन असाधारण बनाने के लिए बेकार और फेंकी गई वस्तुओं का उपयोग कर निर्माण करने की अपनी कला का एक छोटा वीडियो/क्लिप जमा करना होता है।
- ब्रीज स्लीट एंड एक्शनः एक प्रहसन प्रतियोगिता है जिसमें प्रतिभागियों को अपनी रचनात्मकता स्वयं प्रदर्शित करने का अद्भुत अवसर दिया गया। छात्रों को ''रचनात्मकता'' (जैसे, प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन, समुद्री जीवन पर प्रहसन) का तत्व लागू कर एक सामान्य विषय, ''प्रकृति और पर्यावरण'' का पालन करते हुए एक प्रहसन/नाटक का प्रदर्शन करना था।
- सोशल मीडिया हैंडलः नवाचार, पर्यावरण दिवस, तथ्य, समाचार, पर्यावरण समाचार, ब्लॉग, वाद—विवाद आदि डालना।
- पर्यावरण दिवसः तथ्यों और अपने तरीके से प्रकृति में सुधार लाने के तरीकों के साथ पर्यावरण दिवस मनाना और पर्यावरणीय संसाधनों का उपयोग करते हुए संवहनीयता और लोगों की भूमिकाओं और जिम्मेदारी को बढ़ावा देना।

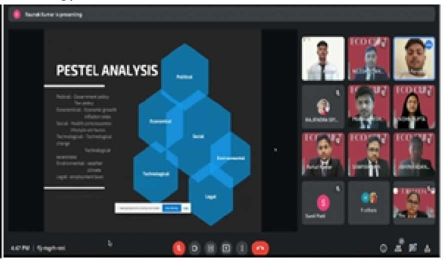

11.2.4 प्रोवक्ता

भा.प्र.सं. रायपुर के सार्वजनिक भाषण क्लबप्रोवक्ता ने कर्मांत के दौरान आयोजित एक अन्य कार्यक्रम के अलावा शैक्षणिक वर्ष 2021–22 के दौरान तीन अलग–अलग कार्यक्रमों का आयोजन किया।

कार्यक्रम

- माइकोड्रॉप (30 अक्टूबर 2021): माइक्रोड्रॉप प्रोवक्ता द्वारा आयोजित किया गया पहला कार्यक्रम था। यह वह कार्यक्रम था जिसमें प्रतिभागियों की भाशण क्षमता, वार्ता कौशल, गैर–मौखिक संचार और समग्र प्रस्तुति कौशलों का परीक्षण किया गया। यह एक वार्ता भूमिका अदायगी कार्यक्रम था जिसमें दो दलों को एक दूसरे के विरूद्ध प्रतिस्पर्धा करनी थी और एक वार्ता भूमिका निभाना था। इस कार्यक्रम से पहले प्रत्येक दल को एक स्थिति दी गई। प्रतिभागियों को वास्तविक जीवन के संघर्षों को अनुभव करने और अपनी बात सिद्ध करने के लिए अपने विश्वासोत्पादक कौशलों का प्रदर्शन करने के लिए अपने संबंधित दलों के साथ योजना बनाना, रणनीति बनाना और सहयोग करना था।
- तरकश (29 जनवरी 2022): तरकश देश के सभी बी–स्कूलों में आयोजित एक अंतर–महाविद्यालय प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम था, जिसमें प्रतिभागियों के साहित्य, भाषा और पठन कौशल का परीक्षण किया गया।
- क्रॉनिकल्स (25 फरवरी 2022): क्रॉनिकल्स दो चक्रों का कार्यक्रम था। पहले कार्यक्रम में एक वर्णन चक्र शामिल था, जिसमें से शीर्ष 15 ने अगले चक्र के लिए अर्हता प्राप्त की। अंतिम चक्र में, प्रतिभागियों को एक कहानी के अलग–अलग अंत दिए गए और अंत के आधार पर प्रतिभागियों को एक कहानी सुनानी थी।
- केरफफल (14 मार्च 2022): केरफफल भाषण अभिनय कार्यक्रम था जिसमें प्रतिभागियों को अपने आपको प्रसिद्ध हस्तियों के स्थान पर रखने और उनके लहजे में एक नए दृष्टिकोण के साथ एक प्रतिष्ठित भाषण देने का अवसर दिया गया।

11.2.5 प्रश्नोत्तरी क्लब

प्रश्नोत्तरी क्लब की स्थापना छात्रों को व्यवसाय के गैर–शैक्षणिक पहलुओं में मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्रदान करने के उद्देश्य से की गई थी ताकि छात्रों को दुनिया भर की नवीनतम गतिविधियों के साथ तालमेल रखते हुए अपने करियर को उच्च स्तर की ओर ढालने का अवसर मिले। इसके अलावा, प्रश्नोत्तरी क्लब शैक्षणिक वर्ष 2021–22 में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन कर बी–स्कूलों और अन्य स्नातक स्कूलों में प्रश्नोत्तरी संस्कृति को विकसित करने का प्रयास कर रहा है।

कार्यक्रम

- पल्स (6 नवंबर 2021) – कई विषय क्षेत्रों–व्यवसाय, खेलकूद, संस्कृति, मनोरंजन, साहित्य – आदि से संबंधित प्रश्नों के साथ एक सामान्य प्रश्नोत्तरी था। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो. धनंजय बापट थे।
- इग्नाइट 2के22 (21 जनवरी 2022) – अपना औद्योगिक और प्रासंगिक बाजार ज्ञान प्रदर्शित करने के लिए आने वाले व्यवसाय स्नातकों के लिए व्यवसाय–विषय वाली प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता था जिसकी शोभा हमारे मुख्य अतिथि और जज प्रो. सौर्य जॉय डे की उपस्थिति ने बढ़ाई।
- इग्नाइट एक्स (24–25 फरवरी 2022) (कर्मांता कार्यक्रम) – भा.प्र.सं. रायपुर के प्रबंधन उत्सव – कर्मांता 2022 – की छत्रछाया तले आयोजित किया गया यह कार्यक्रम 90 के दशक के सभी बच्चों के लिए अतीत के लिए लालायित सैर के लिए 90 के दशक के विषय पर आधारित प्रश्नोत्तरी था जिसका डी2सी और जूम वर्चुअल प्लेटफॉर्म पर आयोजन किया गया था। इस कार्यक्रम में शीर्ष बी–स्कूलों के साथ–साथ इंजीनियरिंग और कला महाविद्यालयों से भी 300 से अधिक प्रतिभागियों को आमंत्रित किया था। इस कार्यक्रम में 10,000रुपये का नकद पुरस्कार शामिल था। इस कार्यक्रम के मानद अतिथि प्रोफेसर शांतनु भद्र थे।
- क्विज–ओ–पीडिया– एक मासिक समाचार पत्र है जो व्यापार, खेलकूद, राजनीतिक मामलों, भू–राजनीति और मनोरंजन क्षेत्रों से नवीनतम समाचारों पर बैच को अद्यतन रखने के लिए दुनिया भर की कुछ समसामयिकी को समेकित करता है।

11.2.6 रंग (सांस्कृतिक क्लब)

भा.प्र.सं., रायपुर का सांस्कृतिक क्लब रंग महाविद्यालय को वर्शभर जुनून और ऊर्जा से स्पंदित रखने का काम करता है। इसका उद्देश्य छात्रों के उत्साह को उठाना और उन्हें नर्तक, संगीतकार, अभिनेता, चित्रकार, लेखक, कवि, कलाकार और, सबसे बढ़कर, स्वप्नद्रश्टा बनने का मंच देकर दुनिया को अपनी प्रतिभा और क्षमता दिखाने के लिए प्रोत्साहित करना है।

कार्यक्रम

- गणेश चतुर्थी (10, 11 सितंबर 2021): इस त्योहार में भगवान गणेश की नवआरंभ के देवता और बाधाओं को दूर करने वाले देवता के रूप में उपासना की जाती है। टीम रंग ने भा.प्रं सं. रायपुर में लोगों के लिए एक पूजा का आयोजन किया।
- रंगरात्रि (12, 16 अक्टूबर 2022): इस कार्यक्रम का उद्देश्य नवरात्रि उत्सव मनाना था, जिसमें लोग नवरात्रि के 9 दिनों की जीवंत ऊर्जा का उत्सव मनाने के लिए एक साथ आते हैं। इसको संगीत, नृत्य और परमानंद से भरी गरबा रात्रि के रूप में मनाया गया।

- दुर्गा पूजा (16 अक्टूबर 2021): दुर्गा पूजा, जिसको दुर्गोत्सव या शारदोत्सव के रूप में भी जाना जाता है, भारतीय उपमहाद्वीप में उद्भव वाला एक वार्षिक हिंदू त्योहार है, जिसमें हिंदू देवी दुर्गा के प्रति श्रद्धा अर्पित की जाती है और उन्हें श्रद्धांजलि दी जाती है और टीम रंग ने महिषासुर पर दुर्गा की विजय का उत्सव मनाया।
- श... फिर कोई है – हैलोवीन नाइट (28 अक्टूबर 2021): यह टीम रंग द्वारा आयोजित एक वर्चुअल हैलोवीन नाइट थी, जिसमें छात्रों ने यथासंभव डरावनी पोशाक पहनने की कोशिश की और एक–दूसरे के साथ कुछ दिल दहला देने वाली वास्तविक जीवन की कहानियां साझा कीं, और इसके तहत विभिन्न पहेलियों से युक्त एक प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया गया था।
- दिवानाइट (4–5 नवंबर 2021): प्रकाश का त्योहार दिवाली भारत के सर्वाधिक प्रसिद्ध त्योहारों में से एक है। टीम ने एक वर्चुअल कार्यक्रम का आयोजन किया जिसमें संकाय सदस्यों ने मधुर गीत गाए, जिसके बाद टीम के विभिन्न प्रमुख सदस्यों और विशेष अतिथि गायक– सौरव हजारिका ने सुंदर कार्यक्रम पेश किया। दियों, आकाश लालटेन और प्रार्थनाओं के साथ परिसर में भी उत्सव मनाया गया।
- क्रिसमस (25 दिसंबर 2022): ईसाई 25 दिसंबर को यीशु का जन्मदिन मनाते हैं। यह यीशु के जन्म से पहले उत्पीड़ित लोगों के लिए आशा का दिन है। टीम रंग ने आनंद और उत्सव की भावना को प्रोत्साहित करने के लिए बैच के लिए ईसाई भजन संगीत और केक काटने के साथ एक कार्यक्रम का आयोजन किया।
- सेक्शन वार्स (26–29 दिसंबर 2021): भा.प्र.सं. रायपुर में, एकजुटता और खेल भावना को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न शैक्षणिक वर्गों के बीच युद्ध आयोजित किया गया। तीन दिनों के दौरान, रंग और खूलकूद क्लब ने ऑनलाइन और परिसर में कई तरह के कियाकलापों में प्रतियोगिताओं का आयोजन किया।
- कागजी नृत्य, गायन और नृत्य प्रतियोगिताओं ने सांस्कृतिक सहगण बनाया। विषय–आधारित सांस्कृतिक रात्रियों में ट्रेजर हंट, एक्वा कनेक्ट, दीवार पर चित्रकारी और फैशन शो जैसी गतिविधियाँ शामिल थीं।

- नववर्ष (31 दिसंबर 2021): नववर्ष वह समय या दिन होता है जब एक नया कैलेंडर वर्ष शुरू होता है और कैलेंडर वर्ष की गणना एक से बढ़ जाती है। टीम रंग ने बैच के लिए एक नृत्य संध्या का आयोजन किया, जिसके बाद केक काटा गया।
- लोहड़ी (18 जनवरी 2022): टीम रंग द्वारा लोहड़ी उत्सव का आयोजन किया गया, जिसमें सभी ने एक साथ आकर अलाव में भाग लिया।
- कर्मांता (25–27 फरवरी 2022): भा.प्र.सं. रायपुर का वार्षिक प्रबंधन उत्सव कर्मांता 2022 टीम रंग द्वारा आयोजित कुछ महान और रोमांचक प्रतियोगिताओं का साक्षी बना:
  - अल्फाज: एक कविता प्रतियोगिता थी जिसमें कई महाविद्यालयों के प्रतिभागियों ने अपनी प्रविष्टियां भेजीं और उनका हमारे जजों द्वारा विभिन्न मानदंडों के आधार पर मूल्यांकन किया गया।
  - किरदार: एक एकालाप प्रतियोगिता थी जिसमें कई महाविद्यालयों के प्रतिभागियों ने अपनी प्रविष्टियां भेजीं और हमारे जजों द्वारा विभिन्न मानदंडों के आधार पर उनका मूल्यांकन किया गया।
  - थिरक: एक एकल नृत्य प्रतियोगिता थी जिसमें कई महाविद्यालयों के प्रतिभागियों ने अपनी प्रविष्टियां भेजीं और हमारे जजों द्वारा विभिन्न मानदंडों के आधार पर उनका मूल्यांकन किया गया।
  - सुर संग्राम: एक एकल गायन प्रतियोगिता थी जिसमें कई महाविद्यालयों के प्रतिभागियों ने अपनी प्रविष्टियां भेजीं और उनका हमारे जजों द्वारा विभिन्न मानदंडों के आधार पर मूल्यांकन किया गया।

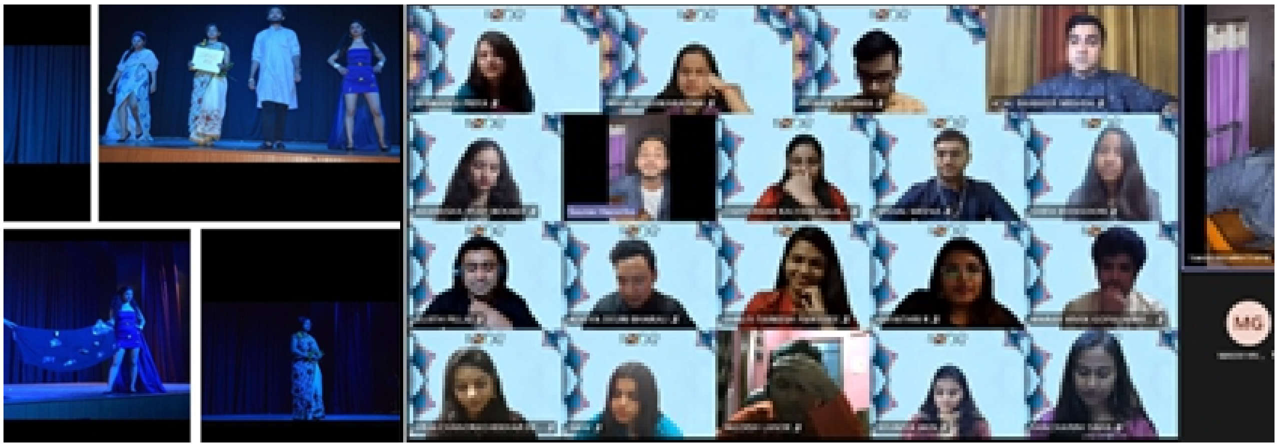

- कलीडो: कलीडो (7–9 मार्च 2022): कलीडो 2020 सदनों का युद्ध था जिसमें पूरे 2020–21 और 2021–23 के बैच को 4 सदनों में बांटा गया था। प्रतियोगिताओं में संगीत, नृत्य, फैशन, रचनात्मक कला, खेलकूद आदि शामिल था। सदनों ने विजेता के खिताब के लिए आपस में प्रतिस्पर्धा की।
  - लहजा: एक एकल कविता प्रतियोगिता थी जिसमें कई महाविद्यालयों के प्रतिभागियों ने अपनी प्रविष्टियां भेजीं और हमारे जजों द्वारा विभिन्न मानदंडों के आधार पर उनका मूल्यांकन किया गया।
  - रचना: एक एकल स्केचिंग प्रतियोगिता थी जिसमें कई महाविद्यालयों के प्रतिभागियों ने अपनी प्रविष्टियां भेजीं और उनका हमारे जजों द्वारा विभिन्न मानदंडों के आधार पर मूल्यांकन किया गया।
  - पश्मीना: एक एकल फैशन प्रतियोगिता थी जिसमें कई महाविद्यालयों के प्रतिभागियों ने अपनी प्रविष्टियां भेजीं और हमारे जजों द्वारा विभिन्न मानदंडों के आधार पर उनका मूल्यांकन किया गया।
  - रंगमंच: एक समूह नाटक प्रतियोगिता थी जिसमें कई महाविद्यालयों के प्रतिभागियों ने अपनी प्रविष्टियां भेजीं और उनका हमारे जजों द्वारा विभिन्न मानदंडों के आधार पर मूल्यांकन किया गया।
  - नटराज: एक एकल नृत्य प्रतियोगिता थी जिसमें कई महाविद्यालयों के प्रतिभागियों ने अपनी प्रविष्टियां भेजीं और हमारे जजों द्वारा विभिन्न मानदंडों के आधार पर उनका मूल्यांकन किया गया।
  - आलाप: एक एकल गायन प्रतियोगिता थी जिसमें 4 सदनों के प्रतिभागियों ने लाइव प्रदर्शन किया और उनका हमारे जजों द्वारा विभिन्न मानदंडों के आधार पर मूल्यांकन किया गया।
  - कथन: एक एकालाप प्रतियोगिता थी जिसमें 4 सदनों के प्रतिभागियों ने लाइव प्रदर्शन किया और हमारे जजों द्वारा विभिन्न मानदंडों के आधार पर उनका मूल्यांकन किया गया।

11.2.7 खेलकूद क्लब

कार्यक्रम

- सेक्शन वॉर्स (26 दिसंबर 2021): एक वार्षिक कार्यक्रम है जिसमें विभिन्न खेलों में 5 दिनों की अवधि में कई आयोजनों में सभी 4 वर्गों की भागीदारी शामिल थी। टूर्नामेंट का प्रारूप निराकरण प्रतियोगिताका था। प्रत्येक आयोजन में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले वर्ग को 25 अंक दिए गए, और उपविजेता को 15 अंक दिए गए। टूर्नामेंट के अंत में, अधिकतम अंकों वाले वर्ग को ''सेक्शन वार्स'' का विजेता घोषित किया गया।
- बीजीएमआई (17 अक्टूबर 2021): यह बीजीएमआई—मोबाइल प्लेटफॉर्म पर खेला जाने वाला एक अंतर—महाविद्यालयी टूर्नामेंट था। प्रतिभागियों को 4 लोगों की टीमों के रूप में पंजीकरण कराना था। शीर्ष 3 को विजेता घोषित किया गया। यह टूर्नामेंट बीजीएमआई—मोबाइल प्लेटफॉर्म के बैटल रॉयल मोड में खेला गया था।
- स्पोर्टिफाई (26 फरवरी 2022): यह खेल के विभिन्न क्षेत्रों से संबंधित एक अंतर—महाविद्यालयी ऑनलाइन प्रश्नोत्तरीथा, जिसे35 प्रश्नों के साथ 30 मिनट के एकल चक्र में 2 की टीम के साथ डेयर टू कॉम्पिटिशन (डी2सी) प्लेटफॉर्म पर आयोजित कियागया था।
- पोक—एरेना (26 फरवरी 2022): च्वामतदवूणबसनइ प्लेटफॉर्म पर टेक्सास होल्डेम प्रारूप में खेला गया एक अंतर—महाविद्यालयी पोकर टूर्नामेंट था। शीर्ष 3 खिलाड़ियों को विजेता घोषित किया गया।
- शतरंज चौंपियनशिप (27 फरवरी 2022): यह एक अंतः महाविद्यालय शतरंज टूर्नामेंट था। यह 8 पूलों का एक लीग टूर्नामेंट था, जिसमें प्रत्येक पूल में 8—10 लोग थे। यह 7 चक्र का स्विस टूर्नामेंट था और प्रत्येक चक्र 4 मिनट का था। प्रत्येक पूल से अंर्हता प्राप्त करने वाला 1 व्यक्ति था और 2 वाइल्डकार्ड प्रविष्टियां थीं, जो अगला उच्चतम अंक प्राप्त करने वाले खिलाड़ी से दूसरे स्थान पर रहने वाले खिलाड़ी थे। अंतिम मुकाबला भी 9 चक्र का स्विस टूर्नामेंट था, जिसमें प्रत्येक चक्र 4 मिनट लंबा था। अंतिम पायदान पर पहुंचने वाले 10 में से शीर्ष 3 को विजेता घोषित किया गया।
- 8 बॉल पूल (26 फरवरी 2022): यह 8 बॉल पूल—मोबाइल प्लेटफॉर्म पर खेला गया अंतर—महाविद्यालयी टूर्नामेंट था। प्रतिभागियों को व्यक्तिगत रूप से पंजीकरण कराना था। यह टूर्नामेंट निराकरण प्रतियोगिता प्रारूप में खेला गया था।
- प्रकर्श (19 सितंबर 2022): एक नीलामी—आधारित—बिल्डिंग टूर्नामेंट प्रारूप था जिसमें नीलामी की गई टीमों ने समग्र विजेता खिताब जीतने के लिए विभिन्न खेलों में प्रतिस्पर्धा की।

11.3 शैक्षणिक वर्ष 21–22 के लिए छात्र मामलों की समिति के कार्यक्रम

11.3.1 हिंदी दिवस

प्रति वर्श 14 सितंबर को हिंदी दिवस मनाया जाता है। हिंदी दिवस हमें हिंदी भाषा का उत्सव मनाने और अपनी संस्कृति और अपने देश में इसका महत्व समझने में हमारी सहायता करता है। वित्त वर्श 21–22 के दौरान, भा.प्र.सं. रायपुर ने भा.प्र. सं. रायपुर के सभी छात्रों के लिए 2 प्रतियोगिताओं, यथा, ''काव्यांजलि'' –जो एक हिंदी कविता पाठ प्रतियोगिता थी, और ''अशुभाष प्रतियोगिता'' –जो एक हिंदी आशुरचना प्रतियोगिता थी, का आयोजन कर हिंदी दिवस मनाया। शीर्ष 3 प्रदर्शन करने वाले छात्रों को रू. 2000 की कुल पुरस्कार राशि के नकद पुरस्कार से सम्मानित किया गया। महामारी के कारण, यह कार्यक्रम ऑनलाइन आयोजित किया गया था।

11.3.2 एक भारत श्रेष्ठ भारत उत्सव

भा.प्र.सं. रायपुर में छात्रों के बीच एक भारत श्रेष्ठ भारत की भावना को बढ़ावा देने के लिए एसएसी ने हमारे देश की समृद्ध संस्कृति और विविधता के ज्ञान और समझ का विस्तार करने के लिए पर्यटन स्थलों का अन्वेषण कराने के लिए रिपोर्ट तैयार करने की प्रतियोगिता का आयोजन किया। प्रतिभागियों को किसी भी सूचीबद्ध गंतव्य पर 3–पृष्ठ की रिपोर्ट प्रस्तुत करनी थी जिसमें उसका इतिहास, वैज्ञानिक योगदान, परंपराएं, सांस्कृतिक महत्व आदि शाामिल था। अंत में, सर्वश्रेष्ठ तीन रिपोर्टों को रू. 700, रू. 500 और रू. 300 के नकद पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

11.3.3 साइबर जागृति दिवस समारोह

साइबर जागृति दिवस एक सरकारी पहल है जिसे सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (पीएसयू), पंचायती राज संस्थानों (पीआरआई), विश्वविद्यालयों, स्कूलों आदि के बीच साइबर सुरक्षा जागरूकता बढ़ाने के लिए आई4सी योजना के अंतर्गत लाया गया है। प्रो. सौर्या जोई डे ने साइबर जागृति दिवस के अवसर पर 200 से अधिक छात्रों को संबोधित किया और छात्रों को निम्नलिखित बिंदुओं के संबंध में ज्ञान प्रदान किया:

1) साइबर अपराध और सुरक्षा
2) दैनिक जीवन में साइबर स्वच्छता की अवधारणा और उपयोग
3) सामाजिक नेटवर्क और पहचान चोरी का परिचय
4) इलेक्ट्रॉनिक भुगतान और उसमें सुरक्षा
5) बिजनेस ईमेल समझौता (बीईसी) के संबंध में जागरूकता

11.3.4 कर्मांता 2022

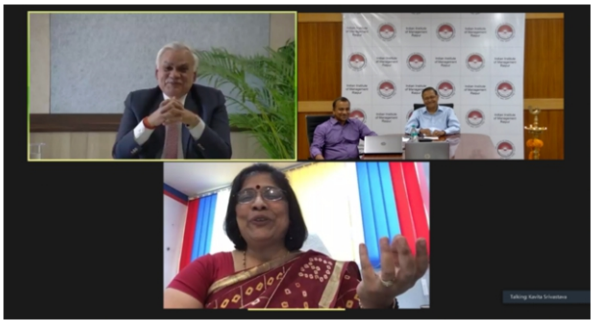

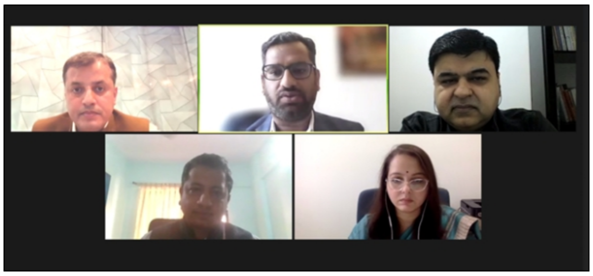

डिसिफर द एनिग्मा विषय के साथ, भा.प्र.सं. रायपुर का प्रमुख वार्षिक प्रबंधन और सांस्कृतिक उत्सव कर्मांता 2022

25 फरवरी – 27 फरवरी तक आयोजित किया गया।यह उत्सव वर्ष का सबसे बड़े कार्यक्रम बनकर उभरने के उद्देश्य से शुरू हुआ जिसका उद्‌घाटन माननीय मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश सरकार के मुख्य सचिव श्री दुर्गा शंकर मिश्रा, विशिष्ट अतिथि यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की उप महाप्रबंधक और क्षेत्रीय प्रमुख सुश्री कविता श्रीवास्तव, भा.प्र.सं. रायपुर के निदेशक प्रो. भरत भास्कर और भा.प्र.सं. रायपुर की छात्र मामलों की समिति के अध्यक्ष प्रो. आर.के. जाना ने किया।

इस मेगा कार्यक्रम में 30 से अधिक व्यवसाय, खेल और मौज–मस्ती से भरे सांस्कृतिक कार्यक्रमों को प्रस्तुत किया गया, जिसमें विपणन में प्रबंधन सम्मेलन भी शामिल था, जिसमें उद्योग जगत के दिग्गजों और प्रतिष्ठित व्यक्तित्वों ने छात्रों को अपने अनुभव और ज्ञान भंडार से समृद्ध किया।

इन कार्यक्रमों में विपणन क्लब मंत्रा की केस फाइलें, परामर्श एवं उद्यमिता क्लबसीईसी द्वारा पिच परफेक्ट, परिचालन क्लब ओपीईपीद्वारा ऑप्स–कॉगिटेट, एचआर क्लबएचआरिधान द्वारा केसकैडिया,, प्रश्नोत्तरी क्लब द्वारा इग्नाइट, पर्यावरण क्लबप्रकृति द्वारा रिसाइक्लोमेनिया, विश्लेषिकी और प्रणालियां क्लब एनासिस द्वारा साइफर, वित्त क्लब इन्वेस्टेट द्वारा फिनेटिक्स, सार्वजनिक भाषण क्लब प्रोवक्ता द्वारा क्रॉनिकल्स, सीएसआर क्लबकर्तव्य द्वारा काव्यांजलि,, डिजिटल मीडिया क्लबपिक्सल द्वारा दृश्यम, खेलकूद क्लब द्वारा पीओके –एरिना, सांस्कृतिक क्लब रंग द्वारा अल्फाज आदि शाामिल था।

प्रबंधन सम्मेलन में श्री विजय मिश्रा, अध्यक्ष (एच एंड आर जॉनसन, भारत), श्री पारेख जैन (सीईओ, ईआईआईआर), श्री चेतन चिचरा (निदेशक, ग्रांट थॉर्नटन भारत एलएलपी), आइसर्टिस के सलाहकारश्री हर्ष पमनानी, सुश्री शुभी जैन (संस्थापक–मातीवाला) और सुश्री अनुषा चंद्रशेखर (सीईओ और सह–संस्थापक, बेरीलश) और श्री आलोक पॉल (सीओओ और सह–संस्थापक, बेरीलश)द्वारा पैनल चर्चा शामिल थी।

यह 3 दिवसीय असाधारण कार्यक्रम गायक सुजून और स्टैंडअप कॉमेडियन करुणेश तलवार के प्रदर्शन के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

11.3.5 सेक्शन वार्स

एकता और खेलकूद की भावना को बढ़ावा देने के लिए भा.प्र.सं. रायपुर में विभिन्न शैक्षणिक वर्गों के बीच सेक्शन वार्स का आयोजन किया गया। रंग और खेलकूद क्लब द्वारा 26/12/22 से 30/12/22 तक पांच दिनों तक वर्चुअल और परिसर दोनों में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।विभिन्न कार्यक्रमों के साथ दिनोंको उचित रूप से बांटा गया था जिसमें क्रिकेट, बास्केटबॉल, वॉलीबॉल और प्रमुख खेल, नुक्कड़नाटक, फीफा, कैरम, बैडमिंटन, और टेबल टेनिस शामिल थे, और सांस्कृतिक रात्रियों में नृत्य, गायन, फैशन शो, दीवार की सजावट आदि जैसे मजेदार कार्यक्रम शामिल थे।

अधिकांश छात्रों के लिए सेक्शन वार्स डील–ब्रेकर था, जिसमें उन्हें अपने वर्ग को जिताने के लिए लड़ते हुए एक दूसरे के साथ अंतरक्रिया करने का अवसर मिला। इन आयोजनों में खेलकूद और सांस्कृतिक दोनों कार्यक्रमों में निष्पक्ष लैंगिक भागीदारी देखी गई। खेल और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के संचयी बिंदुओं की गणना कर एक वर्ग विजेता के रूप में उभरा। इस तीन दिवसीय कार्यक्रम में दोनों बैचों की भारी भागीदारी देखी गई। अंत में, वर्ग बी को सेक्शन वार्स के लिए विजेता पुरस्कारं से सम्मानित किया गया।

11.3.6 गणतंत्र दिवस 2022

भा.प्र.सं. रायपुर ने अपने परिसर में बड़े उत्साह के साथ भारत का 73वां गणतंत्र दिवस मनाया। इस दिन की कार्यवाही औपचारिक रूप से भा.प्र.सं. रायपुर के निदेशक प्रो भरत भास्कर द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर के निरीक्षण के साथ शुरू हुई। निरक्षण के बाद ध्वजारोहण किया गया।

प्रो. भरत भास्कर ने गणतंत्र दिवस के अवसर पर सभी को शुभकामनाएं दी और संबोधित किया। उन्हें भारतीय होने पर गर्व व्यक्त किया। हमारे जैसे जीवंत और विविधतापूर्ण देश, जिसमें कई परंपराएं हैं, को एक साथ जोड़ने के लिए हमें लिखित रूप में एक निश्चित दस्तावेज की आवश्यकता थी। इस देश की बुनियाद के रूप में जिस लिखित दस्तावेज की पूजा की जाती है, वह 'भारत का संविधान' है। हमारा संविधान विश्व के सर्वश्रेष्ठ लोकतांत्रिक देशों का अध्ययन कर और सर्वोत्तम प्रथाओं को अपनाकर बनाया गया था।

प्रो. भास्कर ने आगे सभी को एक संपन्न, समृद्ध राष्ट्र बनाने में योगदान देने के लिए 'आत्मनिर्भरता' के मार्ग का अनुसरण करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने प्रत्येक भारतीय से देश की उपलब्धियों पर गर्व करने का आग्रह किया। हमें अंतरिक्ष, विज्ञान, परमाणु ऊर्जा, परमाणु ऊर्जा और हर दूसरे क्षेत्र में अपनी अपार प्रगति पर विचार करना चाहिए। भारत उन कुछ देशों में से एक है जिसने गंभीर महामारी का मुकाबला करने के लिए सफलतापूर्वक टीकों को विकसित किया। हमें राष्ट्र की सेवा करते हुएं अपने 'कर्म' पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। प्रो. भास्कर ने सभी के भीतर आत्म–निर्भरता को आत्मसात करने के महत्व पर बल दिया।

12 समग्र प्रशासन

निदेशकः प्रो. राम कुमार कांकाणी
डीन अकादमिकः प्रो. कमल के. जैन
मुख्य प्रशासनिक अधिकारीः कर्नल (डॉ.) हरीन्द्र त्रिपाठी (सेवानिवृत्त)

कार्य प्रमुख

अध्यक्ष पीजीपीः प्रो. सुमीत गुप्ता
अध्यक्ष डाक्टरल कार्यक्रमः प्रो. प्रद्युम्न दाश
अध्यक्ष पीजीपीएमडब्ल्यूईः प्रो. मोहित गोस्वामी
अध्यक्ष कार्यकारी शिक्षा और परामर्शः प्रो. संजीव पराशर
अध्यक्ष नियोजन और आईआरः प्रो. सत्यसिबा दास
अध्यक्ष प्रवेशः प्रो. एम. कन्नादासन
अध्यक्ष छात्र मामलेः प्रो. आर. के. जाना
अध्यक्ष अनुसंधानः प्रो. मनोजित चट्टोपाध्याय
अध्यक्ष पुस्तकालयः प्रो. पंकज सिंह
अध्यक्ष एंटी रैगिंगः प्रो. समर सिंह
अध्यक्ष यौन उत्पीड़न समितिः प्रो. अनुभा दाधीच

क्षेत्र अध्यक्ष

व्यापार नीति और सामरिक प्रबंधनः प्रो. प्रद्युम्न दाश
आईटी एवं प्रणालियांः प्रो. सौर्या जोई डे
वित्त और लेखाः प्रो. वैभव लालवानी
एचआरएम और संगठनात्मक व्यवहारः प्रो. दामिनी सैनी
विपणन प्रबंधनः प्रो. अरुणिमा शाह
परिचालन और मात्रात्मक विधियांः प्रो. आर.के. जाना

13 संकाय (अकादमिक कार्मिक)

13.1 संकाय

व्यापार नीति और रणनीति

अंकिता छाबड़ा
असिस्टेंट प्रोफेसर
एफपीएम– भा.प्र.सं. इंदौर

शांतनु भाद्रा
असिस्टेंट प्रोफेसर
पीएच.डी. –आईआईटी कलकत्ता

समर सिंह
एसोसिएट प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस
एफपीएम– भा.प्र.सं. अहमदाबाद

सत्यसिबा दास
एसोसिएट प्रोफेसर
पीएच.डी. – नॉर्वेजियन यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, ट्रॉनहैम, नॉर्वे
पोस्ट डॉक्टरेट, नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ आयरलैंड

आर्थिक वातावरण और सामान्य प्रबंधन

अर्चना पराशर
एसोसिएट प्रोफेसर पीएच.डी. – देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, मध्य प्रदेश

प्रद्युम्न दास
एसोसिएट प्रोफेसर
पीएच.डी. – आईआईटी मुम्बई

मृणाल पी. चावड़ा
असिस्टेंट प्रोफेसर पीएच.डी. – एक्सेटर विश्वविद्यालय
पोस्ट डॉक्टरेट – केप टाउन विश्वविद्यालय, दक्षिण अफ्रीका

रश्मि शुक्ला
असिस्टेंट प्रोफेसर
एफपीएम– भा.प्र.सं. इंदौर

वित्त और लेखा

एम कन्नादासन
प्रोफेसर
पीएच.डी. – अन्ना विश्वविद्यालय चेन्नई

वैभव लालवानी
असिस्टेंट प्रोफेसर
एफपीएम– भा.प्र.सं. लखनऊ

नेमी राजा
असिस्टेंट प्रोफेसर
पीएच.डी. – आईबीएस–हैदराबाद

योगेश चौहान
असिस्टेंट प्रोफेसर
पीएच.डी. – आईबीएस हैदराबाद, आईसीएफएआई फॉर हायर एजूकेशन यूनिवर्सिटी

राजेश पाठक
असिस्टेंट प्रोफेसर
पीएच.डी. – आईबीएस–हैदराबाद, आईसीएफएआई फाउंडेशन फॉर हायर एजूकेशन

एचआरएम और संगठनात्मक व्यवहार

अनुभा दाधीच
असिस्टेंट प्रोफेसर
पीएच.डी. – आईआईटी दिल्ली

दामिनी सैनी
असिस्टेंट प्रोफेसर
पीएच.डी. – एफएमएस, दिल्ली

कमल के जैन
विजिटिंग प्रोफेसर
पीएच.डी. – आगरा विश्वविद्यालय

पंकज सिंह
असिस्टेंट प्रोफेसर
पीएच.डी. – आईआईटी खड़गपुर

आईटी और प्रणालियां

भरत भास्कर
प्रोफेसर
पीएच.डी. – वर्जीनिया विश्वविद्यालय

मनोजित चट्टोपाध्याय
एसोसिएट प्रोफेसर
पीएच.डी. – कलकत्ता विश्वविद्यालय

सौर्या जोई डे
असिस्टेंट प्रोफेसर एफपीएम– भा.प्र.सं. कलकत्ता
पोस्ट डॉक्टरेट– आईएनआरआईए ल्योन एंड यूनिवर्सिटी डी ल्योन, फ्रांस

सुमीत गुप्ता
प्रोफेसर
पीएच.डी. – स्कूल ऑफ कंप्यूटिंग, नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर

विपणन

अरुणिमा शाह
असिस्टेंट प्रोफेसर
पीएच.डी. – भा.प्र.सं. लखनऊ

धनंजय बापत
असिस्टेंट प्रोफेसर
पीएच.डी. – सरदार पटेल विश्वविद्यालय

हिमांशु एस श्रीवास्तव
असिस्टेंट प्रोफेसर
एफपीएम– भा.प्र.सं. इंदौर

जागरुक डावरा
एसोसिएट प्रोफेसर
पीएच.डी. – आईसीएफएआई यूनिवर्सिटी
पोस्ट डॉक्टरेट – आईएसबी, हैदराबाद

संजीव पराशर
प्रोफेसर
पीएच.डी. – कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय

सुशांत कुमार
असिस्टेंट प्रोफेसर
पीएच.डी. – भा.प्र.सं. शिलॉग

विनीता सहाय (अवकाश पर)
प्रोफेसर
पीएच.डी. – सीएसजेएम विश्वविद्यालय, कानपुर

परिचालन और मात्रात्मक विधियां

गोपाल कुमार
असिस्टेंट प्रोफेसर
पीएच.डी. – आईआईटी खड़गपुर
पोस्ट डॉक्टरेट, डीसीयू, डबलिन

मोहित गोस्वामी
असिस्टेंट प्रोफेसर
पीएच.डी. – आईआईटी, खड़गपुर के औद्योगिक और प्रणाली इंजीनियरिंग विभाग से

परीक्षित चरण
एसोसिएट प्रोफेसर
पीएच.डी. – आईआईटी दिल्ली

आर के जाना
असिस्टेंट प्रोफेसर
पीएच.डी. – आईआईटी खड़गपुर
पोस्ट डॉक्टरेट – एनयूएस; पोस्ट डॉक्टरेट, जॉर्ज मेसन यूनिवर्सिटी, यूएसए

रामकुमार एम.
असिस्टेंट प्रोफेसर पीएच.डी. – आईआईटी खड़गपुर
पोस्ट डॉक्टरेट – स्विस फेडरल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (ईटीएच), ज्यूरिख, स्विट्जरलैंड

शलभ सिंह
असिस्टेंट प्रोफेसर
एफपीएम– भा.प्र.सं. लखनऊ

13.2 अतिथि संकाय

- प्रो. आई. श्रीधर, भा.प्र.सं. इंदौर
- प्रो. विजय भास्कर मारियासेटी, हैदराबाद विश्वविद्यालय
- प्रो मंजरी सिंह, भा.प्र.सं. अहमदाबाद
- प्रोफेसर भाग्यलक्ष्मी वेंकटेश, अतिथि संकाय भा.प्र.सं. इंदौर, भा.प्र.सं. विशाखपट्णम
- डॉ. सुनील परमेश्वरन, तरील कंसल्टिंग सर्विसेज, बैंगलोर
- प्रो. संकर्षण बसु, भा.प्र.सं. बैंगलोर
- प्रो. राम मूंदड़ा, अतिथि संकाय, भा.प्र.सं. शिलांग
- डॉ. एस.आर. मुसन्ना, सहायक संकाय – भा.प्र.सं. लखनऊ, भा.प्र.सं. रांची, ग्रेट लेक्स, चेन्नई, आईएमटी गाजियाबाद
- प्रो. शिव कुमार एम., सह–संस्थापक और निदेशक, ऑजेंटिया एलएलसी
- प्रो. अतनु अधिकारी, भा.प्र.सं. कोझिकोड
- श्री अभिषेक परवल, सनदी लेखाकार
- डॉ. पल्लब साहा, द ओपन ग्रुप फाउंडेशन
- श्री विजय खादरबाद, प्रधान सलाहकार टीसीएस

13.3 अधिकारीगण

- कर्नल (डॉ.) हरीन्द्र त्रिपाठी (सेवानिवृत्त): मुख्य प्रशासनिक अधिकारी
- डॉ. चन्द्रकान्त स्वाइः पुस्तकालयाध्यक्ष
- श्री एच. के. देबताः वित्त सलाहकार एवं मुख्य लेखा अधिकारी
- श्री प्रियांक मित्राः प्रणाली प्रबंधक
- श्री शाजी मथाईः प्रशासनिक अधिकारी (अकादमिक)

14 सूचना का अधिकार प्रकोष्ठ

लोक सूचना अधिकारी
केंद्रीय लोक सूचना अधिकारी

प्रियांक मित्रा
केन्द्रीय लोक सूचना अधिकारी
भारतीय प्रबंध संस्थान रायपुर

अ. 2021–22 के दौरान सीपीआईओ द्वारा प्राप्त किए गए/जवाब दिए गए आरटीआई आवेदन (1 अप्रैल 2021 से 31 मार्च 2022 तक ऑनलाइन और ऑफलाइन आरटीआई शामिल हैं)

प्राप्त आवेदनों की संख्या	जवाब दिए गए आवेदनों की संख्या	पूर्णतया जवाब नहीं दिए गए आरटीआई की संख्या के लिए कारण
185	185	10 (धारा 8(1)(ई) के तहत छूट के कारण आंशिक रूप से उत्तर दिया गया)

ब. 2020–21 के दौरान प्राप्त आरटीआई आवेदनों का सारांश
प्राप्त 185 आरटीआई आवेदनों में से 58 आवेदन एमएचआरडी और अन्य लोक प्राधिकरणों द्वारा अग्रेषित किए गए थे, जो प्रकृति में सामान्य थे और भा.प्र.सं. के विभिन्न विभागों से संबंधित थे।

आरटीआई आंकड़े – विभाग वार

विभाग वार	प्राप्त आवेदनों की संख्या
प्रवेश	85
शैक्षणिक	7
छात्रों का नियोजन	2
प्रशासन और लेखा	59
विविध (एक से अधिक विभागों से संबंधित)	32
कुल	**185**

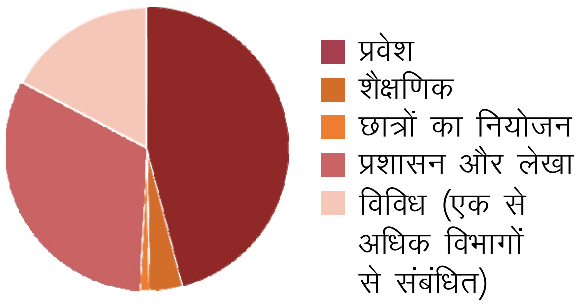

प्रथम अपील – आरटीआई
प्रथम अपीलीय प्राधिकारी

कर्नल (डॉ.) हरीन्द्र त्रिपाठी (सेवानिवृत्त)
मुख्य प्रशासनिक अधिकारी
भारतीय प्रबंध संस्थान रायपुर

अ. आरटीआई अधिनियम के तहत पहली अपील, 2021–22 के दौरान प्रथम अपीलीय प्राधिकारी द्वारा प्राप्त किए गए/जवाब दिए गए

çkIr vkonuk dh la[;k	vkonuk dh la[;k ftudk tokc fn;k x;k
9	9

ब. विभागवार सारांश

विभाग वार	प्राप्त अपीलों की संख्या
प्रवेश	3
शैक्षणिक	1
प्रशासन और लेखा	4
अन्य	1
कुल	**9**

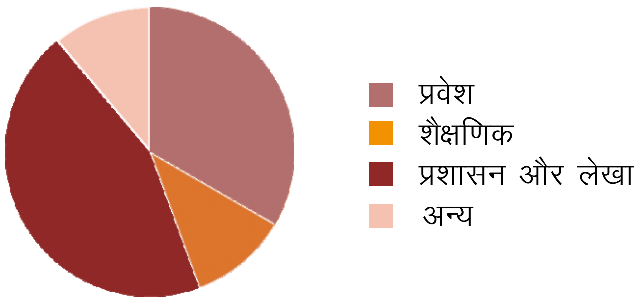

15 निदेशक की रिपोर्ट (भा.प्र.सं. अधिनियम की धारा 26 के अनुसार)

1.
(ए) संस्थान के मामलों की स्थिति;
इस वार्षिक रिपोर्ट के खंड 4 से 9 में संस्थान के मामलों का वर्णन किया गया है।

(बी) राशि, यदि कोई है, जिसे यह अपनी तुलन पत्र में किसी भी अधिशेष भंडार में ले जाने का प्रस्ताव करता है;
वित्तीय वर्ष 2021–22 के अंत में संस्थान द्वारा अधिशेष निधि (सामान्य निधि) से समग्र निधि में रु. 9,73,40,422.00 अंतरित किया गया था। अंतरण पूरा होने पर 31 मार्च 2022 तक अधिशेष/सामान्य निधि में उपलब्ध शेष राशि रु 57,61,49,104.07 थी।

(सी) लेखापरीक्षक की रिपोर्ट में व्यय पर आय के किसी भी अधिशेष या आय पर व्यय की किसी भी कमी की न्यूनोक्ति या अत्युक्ति को किस सीमा तक दर्शाया गया है और इस तरह की न्यूनोक्ति या अत्युक्ति के कारण।
31 मार्च 2022 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए लेखापरीक्षक की रिपोर्ट में व्यय पर आय के किसी भी अधिशेष या आय पर व्यय की किसी भी कमी की न्यूनोक्ति या अत्युक्ति को दर्शाया गया है।

(डी) संस्थान द्वारा शुरू की गई अनुसंधान परियोजनाओं की उत्पादकता जिनका बोर्ड द्वारा यथा निर्दिष्ट मानदंडों के अनुसार मापन किया जा सकता है;
वित्त वर्ष 2021–22 के दौरान संस्थान द्वारा कोई शोध परियोजना आरंभ नहीं की गई।

(ई) संस्थान के अधिकारियों और संकाय सदस्यों की नियुक्तियां;
वित्त वर्ष 2021–22 के दौरान निम्नलिखित अधिकारियों और संकाय सदस्यों को संस्थान में नियुक्त किया गया:

क्रमांक	पूरा नाम	पदनाम	नियुक्ति की तिथि
1	डॉ. राम कुमार कांकाणी	निदेशक	8 मार्च 2022
2	डॉ भावना प्रिया	सहायक प्रोफेसर	14 मार्च 2022

(एफ) शिक्षण, अनुसंधान और ज्ञान अनुप्रयोग में नवाचारों की प्रकृति सहित संस्थान द्वारा निर्धारित प्रदर्शन संकेतक और आंतरिक मानक।
इस वार्षिक रिपोर्ट के खंड 5 में विवरण दिया गया है।

2. वित्तीय वर्ष के दौरान उच्चतम पारिश्रमिक (ऐसे कर्मचारियों को दिए गए भत्तों और किए गए अन्य भुगतानों सहित) प्राप्त करने वाले संस्थान के संकाय सदस्यों और अन्य कर्मचारियों सहित पांच अधिकारियों के नाम और वित्तीय वर्ष के दौरान ऐसे कर्मचारी द्वारा दिया गया योगदान।
संस्थान के निदेशक सहित निम्नलिखित पांच संकाय सदस्यों ने वित्तीय वर्ष के दौरान उच्चतम पारिश्रमिक (भत्तों और अन्य भुगतान सहित) प्राप्त किया और वित्तीय वर्ष के दौरान ऐसे कर्मचारियों द्वारा किए गए योगदान को नीचे सारणीबद्ध किया गया है: –

क्रमांक	कर्मचारी का नाम	पदनाम	ऐसे कर्मचारी द्वारा किया गया अंशदान
1	डॉ. भरत भास्कर	पूर्व निदेशक	अनुसंधान, परामर्श और एमडीपी में संकाय अभिप्रेरणा
2	डॉ. सुमीत गुप्ता	प्रोफेसर	शिक्षण, अनुसंधान, परामर्श और और एमडीपी
3	डॉ. संजीव पराशर	प्रोफेसर	शिक्षण, अनुसंधान, परामर्श और और एमडीपी
4	डॉ. गोपाल कुमार	सहायक प्रोफेसर	शिक्षण, अनुसंधान, परामर्श और और एमडीपी
5	डॉ. एम कन्नादासन	प्रोफेसर	अनुसंधान, परामर्श और और एमडीपी

3. उप–खंड (2) में निर्दिष्ट विवरण में यह दर्शाया जाएगा कि क्या ऐसा कोई कर्मचारी संस्थान के बोर्ड या अकादमिक परिषद के किसी सदस्य का संबंधी है या नहीं और यदि हां, तो ऐसे सदस्य का नाम; और ऐसे अन्य विवरण जैसा कि बोर्ड द्वारा निर्धारित किए जा सकते हैं।

उप खंड (2) में वर्णित कोई भी कर्मचारी संस्थान के बोर्ड या अकादमिक परिषद के किसी भी सदस्य का संबंधी नहीं है।

4.लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट में निहित प्रत्येक टिप्पणी, शर्त या प्रतिकूल टिप्पणी पर उप–खंड (1) में संदर्भित रिपोर्ट में सूचना और स्पष्टीकरण।

सीएजी की टिप्पणियों का इस वार्षिक रिपोर्ट के खंड 17 में लेखापरीक्षा रिपोर्ट के रूप में वर्णन किया गया है।

16 सहायता अनुदान और सामाग्री निधि–

सहायता अनुदान–

वित्तीय वर्ष 2021–22 के दौरान, संस्थान को भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय (एमएचआरडी) से निम्नलिखित सहायता अनुदान मिला था।

कमांक	विवरण	वित्तीय वर्ष 2021–22 (रू. लाख में)
1	योजना अनुदान – क. आवर्ती व्यय – अ. वेतन और मजदूरी के अलावा अन्य ब. मजदूरी व वेतन ख. गैर–आवर्ती व्यय	 0.00 0.00 0.00
2	ओएससी अनुदान	0.00
3	गैर–योजना अनुदान	0.00
	कुल सहायता अनुदान	0.00

सामाग्री निधि –

संस्थान ने वित्तीय वर्ष 2021–22 में मुख्य रूप से एमडीपी, ई–शिक्षा, परमर्श सेवा और ब्याज आय से शुद्ध आय के प्रति रू. 21,00,33,484.34 का लेखा–जोखा दिया है। 31 मार्च 2022 तक समग्र निधि के भाग के रूप में कुल राशि रू. 92,64,49,331.00 थी (अतिरिक्त छात्रावास/अकादमिक भवन समूह आदि के निर्माण के प्रति निर्धारित रू. 61,05,37,333.38 की राशि को छोड़कर)।

17 लेखापरीक्षा प्रतिवेदन

लेखापरीक्षा महानिदेशक का कार्यालय (केंद्रीय रसीद)
नई दिल्ली, शाखा–ग्वालियर

क्रमांक एएमजी– II /एसएआर–09/आई आई एम आर /2021–22/डी –233 Date 09-11-2022

प्रति,
निदेशक,
भारतीय प्रबंध संस्थान (भा . प्र . सं .)
जी . ई. सी . कैंपस , सेजबहार,
रायपुर – 492015

विषय : भारतीय प्रबंध संस्थान (भा . प्र . सं .), रायपुर के वर्ष 2021 –22 के वार्षिक लेखाओं पर पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन।

महोदय,

कृपया संलग्न वर्ष 2021–22 के लिए भारतीय प्रबंध संस्थान, रायपुर के खातों पर पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन देखें । आपसे अनुरोध है कि संसद के समक्ष प्रस्तुत करने से पहले कृपया सुनिश्चित करें कि लेखापरीक्षा प्रतिवेदन और लेखापरीक्षित खातों को बोर्ड ऑफ गवर्नर्स द्वारा अपनाया गया है।

2. उपरोक्त रिपोर्ट को संसद के दोनों सदनों के समक्ष रखे जाने की तारीखों की सूचना दी जाए और मुद्रित सामग्री की दो प्रतियां इस कार्यालय को सूचनार्थ उपलब्ध कराई जाएं।

3. कृपया यह ध्यान दिया जाए कि प्रबंधन पत्र को संसद के समक्ष नहीं रखा जाना है।

4. कृपया प्राप्ति स्वीकार करें।

संलग्नः

1. पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन एवं अनुलग्न।
2. प्रबंधन पत्र

भवदीय
उप निदेशक (केंद्र)

भारतीय प्रबंध संस्थान, रायपुर के 31 मार्च 2022 को समाप्त हुए वर्ष के लेखा खातों की भारतीय नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक द्वारा पृथक लेखापरीक्षा रिपोर्ट।

हमने भारतीय प्रबंध संस्थान अधिनियम, 2017 की धारा 23 (3) के साथ पढ़े जाने वाले नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (कर्तव्य, शक्तियाँ और सेवा की शर्तें) अधिनियम, 1971 की धारा 19(2) के तहत भारतीय प्रबंध संस्थान (भा.प्र.सं.), रायपुर की 31 मार्च 2022 के संलग्न तुलन–पत्र, आय और व्यय खाता और उस तिथि को समाप्त हुए वर्ष के लिए प्राप्ति और भुगतान खाते का लेखा परीक्षण किया है। वित्तीय विवरण भा.प्र.सं. के प्रबंधन की जिम्मेदारी है। हमारी जिम्मेदारी हमारे लेखा परीक्षण के आधार पर इन वित्तीय विवरणों पर एक राय व्यक्त करना है।

2. इस पृथक लेखा परीक्षा प्रतिवेदन में वर्गीकरण, सर्वोत्तम लेखा प्रथाओं के अनुपालन, लेखांकन मानकों और प्रकटीकरण मानदंडों आदि के संबंध में लेखांकन के तरीकों पर ही भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) की टिप्पणियां शामिल हैं। कानून, नियम और विनियमन (औचित्य और नियमितता) के साथ अनुपालन के संबंध में वित्तीय लेन–देन और दक्षता–सह–प्रदर्शन पहलुओं आदि पर लेखा परीक्षा टिप्पणियों को, यदि कोई हो तो, निरीक्षण प्रतिवेदन / सीएजी के लेखा परीक्षा प्रतिवेदन में अलग से सूचित किया गया है।

3. हमने अपने लेखा परीक्षण का आयोजन आम तौर पर भारत में स्वीकृत लेखा परीक्षा के मानकों के अनुसार किया है। इन मानकों की आवश्यकता है कि हम लेखा परीक्षा की योजना एवं आयोजन यह सुनिश्चित करने के लिए करें कि दिया गया वित्तीय विवरण महत्वपूर्ण गलत बयानी से मुक्त है। एक लेखा परीक्षा में, एक परीक्षण के आधार पर, राशि समर्थन साक्ष्यों की जांच, और वित्तीय विवरण की जानकारी शामिल होती है। एक लेखा परीक्षा में प्रबंधन द्वारा प्रयुक्त लेखांकन सिद्धांतों और महत्वपूर्ण अनुमानों का आकलन, साथ ही वित्तीय विवरण की समग्र प्रस्तुति का मूल्यांकन भी शामिल होता है। हमें विश्वास है कि हमारी लेखा परीक्षा हमारी राय के लिए एक उचित आधार प्रदान करती है।

4. अपनी लेखा परीक्षा के आधार पर हम यह प्रतिवेदन करते हैं, किः

(क) हमने वह समस्त जानकारी और स्पष्टीकरण प्राप्त किया है जो हमारे ज्ञान और विश्वास के अनुसार हमारे लेखा परीक्षा के प्रयोजन के लिए आवश्यक था।

(ख) इस प्रतिवेदन के लिए प्रयुक्त तुलन–पत्र, आय और व्यय खाता और प्राप्ती और भुगतान खाता मानव संसाधन विकास मंत्रालय भारत सरकार के आदेश संख्या 29–4/2012–आईएफडी दिनांकित 17 अप्रेल 2015 द्वारा अनुमोदित प्रारूप में तैयार किए गए हैं।

(ग) हमारी राय में, जहां तक यह ऐसी पुस्तकों की हमारी जांच से प्रकट होता है, भा.प्र.सं., रायपुर द्वारा उचित लेखा पुस्तिकाओं और अन्य प्रासंगिक अभिलेखों को तैयार किया गया है।

(घ) हम यह भी सूचित करते हैं किः

अ. प्रबंधन प्त्र
अंकेक्षण प्रतिवेदन में जिन जानकारियों को समाविष्ट नहीं किया गया है उसकी जानकारी निदेशक, भाप्रसं–को, अलग से प्रबंधन हेतु पत्र द्वारा दी गयी है जिसके अनुसार वो उपचारात्मक/ सुधार हेतु कार्यवाही करें।

ब. सहायता अनुदान
वर्ष 2021–2022 के दौरान कोई सहायता अनुदान प्राप्त नहीं हुआ था और 31.03.2022 तक पूर्ववर्ती वर्ष के अनुदान–सहायता की कोई भी अव्ययित राशि शेष नहीं थी।

5. पहले पैराग्राफ में हमारी टिप्पणियों के अधीन, हम यह उल्लेख करते हैं कि इस प्रतिवेदन में प्रयुक्त तुलन–पत्र, आय और व्यय खाता और प्राप्ति और भुगतान खाते लेखांकन पुस्तकों के अनुसार ही हैं।

6. हमारी राय में और हमारी सर्वोत्तम जानकारी में और हमें दिए गए विवरण के अनुसार, लेखांकन नीतियों और लेखा टिप्पणियों के साथ और ऊपर दिए गए महत्वपूर्ण मामलों और इस लेखा परीक्षा प्रतिवेदन के अनुच्छेद में उल्लेखित अन्य मामलों के अधीन पढ़ा जाने वाला उपरोक्त वित्तीय विवरण भारत में स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों के अनुरूप एक सच्चा और निष्पक्ष अवलोकन प्रस्तुत करता है:

(क) जहाँ तक यह 31 मार्च 2022 को भारतीय प्रबंध संस्थान, रायपुर के मामलों के तुलन–पत्र से संबंधित है;

और

(ख) जहाँ तक यह उस तारीख को समाप्त हुए वर्ष के लिए अधिशेष के आय और व्यय खातों से संबंधित है।

वास्ते एवं कृते भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक

स्थान : – नई दिल्ली
दिनाँक :

लेखा परीक्षा महानिदेशक
(केन्द्रीय प्राप्तियाँ)

अनुलग्नक

1. **आंतरिक लेखा परीक्षा प्रणाली की पर्याप्तताः—**
   वर्ष के दौरान भा.प्र.सं., रायपुर की आंतरिक लेखा परीक्षा सनदी लेखाकार प्रतिष्ठान द्वारा आयोजित की गई है।

2. **आंतरिक नियंत्रण प्रणाली की पर्याप्तताः**
   आंतरिक नियंत्रण प्रणाली निम्न कारणों से अपर्याप्त पाई गईः
   (क) निरीक्षण रिपोर्ट (11/2020 से 11/2021) के माध्यम से रिपोर्ट किए गए अनुपालन ऑडिट के 13 पैरा अभी भी लंबित थे।
   (ख) आंतरिक लेखापरीक्षा के 10 पैरा अभी भी लंबित थे।
   (ग) संस्थान का अपना कोई लेखा नियमावली नहीं है।
   (घ) संस्थान विभिन्न प्रकार के रजिस्टरों जैसे व्यय रजिस्टर, अग्रिम रजिस्टर, एलटीसी बिल रजिस्टर, चिकित्सा दावा व्यय रजिस्टर, राजस्व वापसी रजिस्टर का रखरखाव नहीं करता है। हालांकि टैली ईआरपी में इसकी निगरानी की जा रही है।

3. **अचल संपत्तियों के भौतिक सत्यापन की प्रणालीः**
   वित्तीय वर्ष 2021—22 के लिए अचल संपत्तियों का भौतिक सत्यापन किया जा चुका है।

4. **वस्तुसूची के भौतिक सत्यापन की प्रणालीः**
   वर्ष 2021—22 के दौरान वस्तु सूचियों का भौतिक सत्यापन किया गया है।

5. **वैधानिक बकाया राशि के भुगतान में नियमितताः**
   वैधानिक बकाया राशि के भुगतान में कोई अनियमितता नहीं पाई गई है।

वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी / एएमजी—II

18. तुलन–पत्र

भारतीय प्रबंध संस्थान रायपुर

तुलन–पत्र 31 मार्च 2022 तक

(राशि रुपये में)

निधियों के स्त्रोत	अनुसूची	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
कायिक / पूंजी निधि / सामान्य निधि	1	4,57,65,95,460.16	4,43,45,64,270.82
निर्दिष्ट / निर्धारित / अक्षय निधि	2	61,05,37,333.38	51,65,69,497.00
मौजूदा देनदारियां और प्रावधान	3	11,15,47,558.87	11,11,22,040.30
कुल		5,29,86,80,352.41	5,06,22,55,808.12

निधियों के उपयोग	अनुसूची	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
अचल संपत्तियां			
– मूर्त संपत्तियां	4	3,07,39,97,025.09	3,17,58,94,797.22
– अमूर्त संपत्तियां	4	-	-
– जारी पूंजीगत कार्य	4	-	-
निर्धारित / अक्षय निधि से निवेश			
– दीर्घावधिक	5	-	-
– अल्पावधिक		-	-
अन्य निवेश	6	1,61,40,00,000.00	46,40,00,000.00
चालू संपत्तियां	7	50,73,10,806.86	1,32,85,21,490.59
ऋण, अग्रिम और जमा	8	10,33,72,520.46	9,38,39,520.31
कुल		5,29,86,80,352.41	5,06,22,55,808.12
महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ	23		
आकस्मिक देनदारियाँ और लेखांकन टिप्पणियां	24		

भारतीय प्रबंध संस्थान, रायपुर के लिए एवं उनकी ओर से

प्रो. राम कुमार कांकाणी (निदेशक)	कर्नल डॉ. हरिन्द्र त्रिपाठी (सी ए ओ)	हेमन्त कुमार देबाता (एफए एंड सीए ओ)

स्थान :रायपुर
दिनांक :03/06/2022

भारतीय प्रबंध संस्थान रायपुर

आय और व्यय खाता 31 मार्च 2022 को समाप्त हुए वर्ष के लिए

(राशि रुपये में)

विवरण	अनुसूची	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
आय			
शैक्षणिक प्राप्तियां	9	57,91,61,069.82	46,32,94,046.16
अनुदान / सब्सिडी	10	-	-
निवेश से आय	11	5,72,06,506.22	2,55,47,685.00
अर्जित ब्याज	12	30,67,438.95	5,10,96,181.61
अन्य आय	13	97,74,510.16	1,20,73,731.84
पूर्व अवधि आय	14	1,00,154.00	-
कुल (क)		64,93,09,679.15	55,20,11,644.61

विवरण	अनुसूची	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
व्यय			
स्टाफ वेतन एवं भत्ते (स्थापना व्यय)	15	13,15,62,475.53	11,25,31,480.83
शैक्षणिक व्यय	16	12,05,73,893.00	7,64,11,248.66
प्रशासनिक और सामान्य व्यय	17	6,75,61,340.60	6,21,32,885.84
परिवहन व्यय	18	5,87,166.44	11,85,320.73
मरम्मत एवं रखरखाव	19	92,13,442.57	1,59,62,797.96
वित्त लागत	20	79,693.66	99,101.22
मूल्यह्रास	4	10,90,11,885.00	10,87,08,126.00
अन्य व्यय	21	2,62,141.01	6,000.00
पूर्व अवधि व्यय	22	4,24,157.00	2,41,870.00
कुल (ख)		43,92,76,194.81	37,72,78,831.24
व्यय से अधिक आय की शेष राशि (क–ख=ग)		21,00,33,484.34	17,47,32,813.37
घटाएं: कायिक / पूँजी कोष में स्थानांतरण			
भवन निधि		-	-
अन्य		-	-
शेष राशि सामान्य निधि में ले जाई गई		21,00,33,484.34	17,47,32,813.37
महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ	23		
आकस्मिक देनदारियाँ और लेखांकन टिप्पणियां	24		

भारतीय प्रबंध संस्थान, रायपुर के लिए एवं उनकी ओर से

प्रो. राम कुमार कांकाणी
(निदेशक)

कर्नल डॉ. हरिन्द्र त्रिपाठी
(सी ए ओ)

हेमन्त कुमार देबाता
(एफए एंड सीए ओ)

स्थान :रायपुर
दिनांक :03/06/2022

भारतीय प्रबंध संस्थान रायपुर

प्राप्तियां और भुगतान खाता 31 मार्च 2022 को समाप्त हुए वर्ष के लिए

(राशि रुपये में)

प्राप्तियां	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
प्रारंभिक शेष		
क) हाथ रोकड़	411.00	22,127.00
ख) बैंक में शेष		
i) चालू खातों में	1,20,93,429.75	11,443.95
ii) जमा खातों में	-	-
iii) बचत खातों में	1,29,32,44,450.28	1,08,46,39,482.87
प्राप्त अनुदान		
क) भारत सरकार से –राजस्व व्ययपूंजी व्यय	-	-
ख) राज्य सरकार	-	-
ग) अन्य स्त्रोत (अनुदान पर अर्जित आय)	-	-
	-	-
शैक्षणिक प्राप्तियां	52,32,33,650.21	41,34,14,360.39
निर्धारित / अक्षय निधि के तहत प्राप्तियां	-	-
प्रायोजित परियोजनाओं / योजनाओं के तहत प्राप्तियां	-	-
प्रायोजित फैलोशिप और छात्रवृत्ति के तहत प्राप्तियां	20,16,000.00	1,56,45,600.00
निवेश से होने वाली आय:		
क) निर्धारित / अक्षय निधि	2,59,42,061.00	1,64,62,223.00
ख) अन्य निवेश		
प्राप्त ब्याज		
क) बैंक जमा	4,58,74,471.50	1,11,81,302.00
ख) ऋण और अग्रिम	-	-
ग) बैंक में बचत खाते	16,62,985.20	5,85,49,811.51
नकदीकृत निवेश	15,00,00,000.00	15,42,43,524.00
नकदीकृत अनुसूचित बैंक में सावधि जमा		-
अन्य आय (पूर्व अवधि आय सहित)	6,30,12,263.00	6,78,81,266.29
जमा और अग्रिम	1,53,98,716.00	1,33,23,799.00
वैधानिक प्राप्तियों सहित विविध प्राप्तियां	97,03,296.27	
अन्य कोई प्राप्तियां		26,28,000.00

भुगतान	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
व्यय		
क) स्थापना व्यय	7,59,98,283.68	7,51,04,458.74
ख) शैक्षणिक व्यय	10,29,44,128.22	6,88,20,622.37
ग) प्रशासनिक व्यय	6,51,80,236.63	5,90,26,420.17
घ) परिवहन व्यय	8,89,058.00	10,16,645.00
च) मरम्मत और रखरखाव	89,88,279.44	46,90,964.75
छ) अन्य व्यय	-	-
निर्धारित/ अक्षय निधि के तहत भुगतान	3,14,565.00	1,49,503.00
प्रायोजित परियोजनाओं / योजनाओं के तहत भुगतान	-	-
प्रायोजित फैलोशिप और विद्यार्थीवृत्ति के तहत भुगतान	1,40,98,800.00	35,62,800.00
निवेश और जमा		
क) निर्धारित / अक्षय निधि में से	-	-
ख) स्वयं के धन में से सावधि जमा	1,30,00,00,000.00	16,40,00,000.00
अनुसूचित बैंक में सावधि जमा	-	-
अचल संपत्ति और जारी पूंजी कार्य पर व्यय		
क) अचल संपत्ति	70,22,853.00	36,28,137.95
ख) जारी पूंजी कार्य	-	8,89,54,746.23
वैधानिक भुगतान सहित अन्य भुगतान		
क) टीडीएस (जीएसटी टीडीएस सहित)	3,93,11,618.00	2,40,42,975.00
ख) सेवा कर	-	-
ग) एनपीएस	1,46,61,954.00	1,30,63,065.00
घ) कार्य अनुबंध कर	-	-
च) कर्मचारी कल्याण उपकर	-	5,74,919.00
छ) गुड्स एंड सर्विस टैक्स	1,63,86,078.00	97,41,822.00
ज) नियोक्ता अवकाश वेतन/पेंशन कोष में योगदान	7,86,036.00	7,86,036.00
भविष्य निधि / जीआईएस के लिए कर्मचारी योगदान	1,65,360.00	2,47,020.00
अनुदान की वापसी		
जमा और अग्रिम	1,03,45,085.87	1,52,54,513.77
अन्य भुगतान		

भारतीय प्रबंध संस्थान रायपुर

प्राप्तियां और भुगतान खाता 31 मार्च 2022 को समाप्त हुए वर्ष के लिए

(राशि रुपये में)

प्राप्तियां	चालू वर्ष	पिछला वर्ष	भुगतान	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
			अंतिम शेष		
			क) हाथ में रोकड़	1,531.00	411.00
			ख) बैंक में शेष		
			i) चालू खाते में	9,414.35	1,20,93,429.75
			ii) जमा खातों में	48,50,78,723.02	1,29,32,44,450.28
			iii)बचत खाते (ऑटो रोल जमा सहित)	-	-
कुल	2,14,21,81,734.21	1,83,80,02,940.01	कुल	2,14,21,81,734.21	1,83,80,02,940.01

भारतीय प्रबंध संस्थान, रायपुर के लिए एवं उनकी ओर से

प्रो. राम कुमार कांकाणी	कर्नल डॉ. हरिन्द्र त्रिपाठी	हेमन्त कुमार देबाता
(निदेशक)	(सी ए ओ)	(एफए एंड सीए ओ)

स्थान :रायपुर
दिनांक :03/06/2022

भारतीय प्रबंध संस्थान रायपुर

अनुसूची : 1 कायिक / पूंजी कोष/ सामान्य निधि

(राशि रुपये में)

विवरण	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
कायिक निधि		
वर्ष की शुरुआत में शेष राशि	90,00,00,000.00	82,00,00,000.00
जोड़ें: सामान्य निधि से स्थानांतरित	9,73,40,422.00	8,00,00,000.00
घटाएं: निर्धारित निधियों में सीानांतरित	7,08,91,091.00	-
वर्ष के अंत में शेष (क)	92,64,49,331.00	90,00,00,000.00
पूंजी कोष		
वर्ष की शुरुआत में शेष राशि	3,17,58,94,797.22	3,19,08,43,160.10
घटाऐं: सामान्य निधि में स्थानांतरित	-	-
शेष राशि	3,17,58,94,797.22	3,19,08,43,160.10
जोड़ें: सामान्य निधि से खरीदी गई संपत्तियां	42,25,316.87	9,37,59,763.12
जोड़ें: संस्थानध्प्रायोजित परियोजनाओं के निर्धारित कोष से खरीदी गई संपत्तियां, जहां स्वामित्व संस्था में निहित है	28,88,472.00	-
जोड़ें: दान में प्राप्त संपत्तिध्प्राप्त उपहार	324.00	-
घटाएं: मूल्यह्रास की सीमा तक सामान्य निधि में अंतरित	10,90,11,885.00	10,87,08,126.00
वर्ष के अंत में शेष (ख)	3,07,39,97,025.09	3,17,58,94,797.22
सामान्य निधि		
वर्ष की शुरुआत में शेष राशि	35,86,69,473.60	24,99,18,004.35
जोड़ें: मूल्यह्रास की सीमा तक पूंजीगत निधि से स्थानांतरित	10,90,11,885.00	10,87,08,126.00
जोड़ें: वर्ष के लिए अधिशेष	21,00,33,484.34	17,37,33,858.37
घटाएं: पूंजीगत निधि में अंतरित सामान्य निधि से खरीदी गई संपत्तियां	42,25,316.87	9,36,90,515.12
घटाएं: कायिक निधि में स्थानांतरित	9,73,40,422.00	8,00,00,000.00
वर्ष के अंत में शेष (ग)	57,61,49,104.07	35,86,69,473.60
वर्ष के अंत में शेष (क+ख+ग)	4,57,65,95,460.16	4,43,45,64,270.82

नोट:

31 मार्च 2022 तक की अचल संपत्तियों पर संचित मूल्यह्रास रु 41,26,78,736.94 (पिछले वर्ष रु 30,36,66,851.94), सामान्य निधि में शामिल है

अनुसूची – 2 निर्दिष्ट / निर्धारित / अक्षय निधि

(राशि रुपये में)

विवरण	निधिवार विभाजन		कुल	
	पूंजीगत व्यय के लिए निधि*	अन्य निधि**	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
अ.				
क) प्रारंभिक शेष	50,62,19,000.00	1,03,50,497.00	51,65,69,497.00	50,00,00,000.00
ख) वर्ष के दौरान वृद्धि .कायिक निधि से सीानांतरित	7,08,91,091.00	-	7,08,91,091.00	
ग) निधि से किए गए निवेश पर आय	-			
घ) निवेश / अग्रिमों पर अर्जित ब्याज	-			
ङ) बचत बैंक खाते पर ब्याज ;फ्लेक्सी डिपॉजिटद्ध	2,54,35,507.00	5,06,554.00	2,59,42,061.00	1,67,19,000.00
च) अन्य वृद्धि	-			
कुल (क)	60,25,45,598.00	1,08,57,051.00	61,34,02,649.00	51,67,19,000.00
ब.				
निधियों के उद्देश्यों में उपयोग / व्यय				
क) पूंजीगत व्यय	25,45,598.00		25,45,598.00	69,248.00
ख) राजस्व व्यय		3,19,717.62	3,19,717.62	80,255.00
कुल (ख)	25,45,598.00	3,19,717.62	28,65,315.62	1,49,503.00
वर्ष के अंत में अंतिम शेष (अ–आ)	**60,00,00,000.00**	**1,05,37,333.38**	**61,05,37,333.38**	**51,65,69,497.00**
द्वारा प्रस्तुत				
फ्लेक्सी और फिक्स्ड डिपॉजिट में बैंक बैलेंस	60,00,00,000.00	1,05,37,333.38	61,05,37,333.38	51,65,69,497.00
निवेश	-			
अर्जित किंतु अप्राप्य ब्याज	-			
कुल	**60,00,00,000.00**	**1,05,37,333.38**	**61,05,37,333.38**	**51,65,69,497.00**

नोट:

* सिविल निर्माण, फर्नीचर और फर्निशिंग, ऑडियो और वीडियो उपकरण के लिए निर्धारित निधि।

** परिसर में बागवानी और हरियाली कार्य के लिए निर्धारित निधि।

भारतीय प्रबंध संस्थान रायपुर

अनुसूची – 2क अक्षय निधि

(राशि रुपये में)

अक्षय निधि का नाम (2)	अथशेष		वर्ष के दौरान वृद्धि		कुल		वर्ष के दौरान उद्देश्य पर व्यय	इतिशेष		कुल 12 = (10 + 11)
	अक्षय निधि (3)	संचित ब्याज (4)	अक्षय निधि (5)	ब्याज (6)	अक्षय निधि 7 = (3 + 5)	संचित ब्याज 8 = (4 + 6)	9	अक्षय निधि (10)	संचित ब्याज (11)	
	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
कुल	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-

भारतीय प्रबंध संस्थान रायपुर

अनुसूची 3– चालू देयताएं और प्रावधान

(राशि रुपये में)

क्रमांक	विवरण	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
अ	चालू देनदारियां		
1	कर्मचारियों से जमा	-	-
2	विद्यार्थियों से जमा	2,51,03,256.00	2,22,92,217.00
3	विविध लेनदार		
क)	माल और सेवाओं के लिए	19,48,963.04	19,36,970.03
ख)	अन्य	4,15,200.00	1,35,280.00
4	जमा–अन्य (ईएमडी, सुरक्षा जमा सहित)	17,34,088.00	20,74,222.00
5	वैधानिक देनदारियां (जीपीएफ, टीडीएस, सीपीएफ, जीआईएस, एनपीएस, जीएसटी):		
क)	विलंबित	-	-
ख)	अन्य	65,81,876.00	1,05,86,433.44
6	अन्य मौजूदा देनदारियां		
क)	वेतन एवं भत्ते	8,69,712.00	12,000.00
ख)	प्रायोजित परियोजनाओं के तहत प्राप्तियां (अनुसूची 3क देखें)	1,52,665.00	1,52,665.00
ग)	प्रायोजित फैलोशिप और विद्यार्थीवृत्ति के तहत प्राप्तियां	-	1,20,82,800.00
घ)	अप्रयुक्त अनुदान	-	-
च)	अग्रिम अनुदान	-	-
छ)	अन्य निधि	62,56,785.51	51,07,670.15
ज)	अन्य देनदारियां	57,54,265.61	89,20,720.66
	कुल (अ)	4,88,16,811.16	6,33,00,978.28
ब	प्रावधान		
1	गृह व्यवस्था	8,73,716.00	8,89,250.00
2	उपदान ''	1,36,89,379.00	1,04,59,320.00
3	बिजली शुल्क	17,60,870.00	22,27,610.00
4	संचयी अवकाश नकदीकरण	1,26,72,534.00	72,83,405.00
5	मरम्मत और रखरखाव	19,96,146.52	18,37,997.12
6	अंकेक्षण शुल्क	9,52,684.00	6,21,470.00
7	सुरक्षा सेवाएँ	12,63,024.00	12,98,921.00
8	अतिथि संकाय को मानदेय	1,50,75,343.33	1,50,35,833.32
9	अन्य आवर्ती व्यय	1,44,47,050.86	76,84,630.58
10	अनावर्ती व्यय	-	4,82,625.00
	कुल (ब)	6,27,30,747.21	4,78,21,062.02
	महायोग (अ + ब)	1,1,15,47,558.87	11,11,22,040.30

भारतीय प्रबंध संस्थान रायपुर

अनुसूची 3 अ– प्रायोजक परियोजना

क्रमांक	परियोजना का नाम (2)	अथशेष		वर्ष के दौरान प्राप्तियाँ/वसूली (5)	कुल (6)	वर्ष के दौरान व्यय (7)	इतिशेष	
		जमा (3)	नामे (4)				जमा (8)	नामे (9)
1	अस्सेस्सिन्ग इंडिया'स लोकस एंड इवॉल्विंग पॉलिसी इंटरवेंशन : मेक इंडिया एंड इंडस्ट्री 4.0	1,52,665.00	-		1,52,665.00			
	कुल	**1,52,665.00**	-		**1,52,665.00**		152,665.00	
	पिछला वर्ष	1,52,665.00	-		1,52,665.00		152,665.00	

अनुसूची 3 आ– –प्रायोजित फैलोशिप और छात्रवृत्ति

क्रमांक	प्रायोजक का नाम (2)	01.04.2021 का अथशेष		वर्ष के दौरान लेन–देन		31.03.22 का इतिशेष	
		जमा (3)	नामे (4)	जमा (5)	नामे (6)	जमा (7)	नामे (8)
1	विश्वविद्यालय अनुदान आयोग	-	-	-	-	-	
2	सामाजिक न्याय मंत्रालय	1,20,82,800.00	-	-	1,20,82,800.00	-	
3	जनजातीय कल्याण मंत्रालय	-	-	20,16,000.00	20,16,000.00	-	
	कुल	**1,20,82,800.00**	-	**20,16,000.00**	**1,40,98,800.00**	-	

भारतीय प्रबंध संस्थान रायपुर

अनुसूची 3 (इ) यूजीसी, भारत सरकार और राज्य सरकार से प्राप्त अप्रयुक्त अनुदान

(राशि रुपये में)

	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
अ. योजना अनुदान : भारत सरकार	-	-
शेष राशि बी / एफ	-	-
जोड़ें : प्राप्तियां वर्ष के दौरान		
कुल (क)		
घटाऐं : वापसी	-	-
घटाऐं : राजस्व व्यय के लिए उपयोग	-	
घटाऐं : पूंजी व्यय के लिए उपयोग		
कुल (ख)		
अप्रयुक्त आगे बढ़ाया (क–ख)	-	
ब. यूजीसी अनुदान : योजना		
शेष राशि आगे लाया गया	-	-
जोड़े : प्राप्तियां वर्ष के दौरान	-	-
कुल (ग)	-	-
घटायें : वापसी	-	-
घटाऐं : राजस्व व्यय के लिए उपयोग	-	-
घटाऐं : पूंजी व्यय के लिए उपयोग	-	-
कुल (घ)	-	-
अप्रयुक्त आगे बढ़ाया (ग–घ)	-	-
स. यूजीसी अनुदान : गैर योजना		
शेष राशि आगे लाया गया	-	-
जोड़े : प्राप्तियां वर्ष के दौरान	-	-
कुल (ङ)	-	-
घटाऐं : वापसी	-	-
घटाऐं : राजस्व व्यय के लिए उपयोग	-	-
घटाऐं : पूंजी व्यय के लिए उपयोग	-	-
कुल (च)	-	-
अप्रयुक्त आगे बढ़ाया (ङ–च)	-	-
द राज्य सरकार से अनुदान		
शेष राशि आगे लाया गया	-	-
जोड़ें : प्राप्तियां वर्ष के दौरान	-	-
कुल (छ)	-	-
घटाऐं : वापसी	-	-
घटाऐं : राजस्व व्यय के लिए उपयोग	-	-
घटाऐं : पूंजी व्यय के लिए उपयोग	-	-
कुल (ज)	-	-
अप्रयुक्त आगे बढ़ाया (छ–ज)	-	-
महायोग (अ + ब + स + द)	-	-

अनुसूची – 4 अचल संपत्तियाँ

(राशि रुपये में)

क्रमांक	परिसंपत्ति मद	सकल समुच्चय				वर्ष 2021–22 के लिए मूल्यह्रास				निवल समुच्चय	
		01.04.2021 का अथशेष	वर्ष के दौरान परिवृद्धि	वर्ष के दौरान कटौती / समायोजन	31.03.2022 को इतिशेष	01.04.2021 को अथशेष	वर्ष के लिए मूल्यह्रास	वर्ष के दौरान कटौती	31.03.2022 को इतिशेष	31.03.2021	31.03.2022
1	भूमिः – पूर्ण स्वामित्व	-	-		-	-	-		-	-	-
2	स्थल विकास	2,70,08,057.00	70,857.87		2,70,78,914.87	-	-		-	2,70,08,057.00	2,70,78,914.87
3	भवन	2,03,24,19,802.77	-		2,03,24,19,802.77	9,00,60,315.01	4,06,48,396.00		13,07,08,711.01	1,94,23,59,487.76	1,90,17,11,091.76
4	सड़कें और पुल	16,82,10,922.00	-		16,82,10,922.00	93,48,020.00	33,64,218.00		1,27,12,238.00	15,88,62,902.00	15,54,98,684.00
5	नलकूप और जलापूर्ति	6,23,61,484.00	-		6,23,61,484.00	34,87,808.00	12,47,230.00		47,35,038.00	5,88,73,676.00	5,76,26,446.00
6	सीवरेज और ड्रेनेज	5,85,26,486.00	-		5,85,26,486.00	32,25,906.00	11,70,530.00		43,96,436.00	5,53,00,580.00	5,41,30,050.00
7	विद्युत प्रतिष्ठान और उपकरण	46,46,94,906.00	-		46,46,94,906.00	5,83,59,137.00	2,32,34,746.00		8,15,93,883.00	40,63,35,769.00	38,31,01,023.00
8	संयंत्र और मशीनें	37,13,62,203.00	-		37,13,62,203.00	3,62,22,813.00	1,85,68,111.00		5,47,90,924.00	33,51,39,390.00	31,65,71,279.00
9	यूपीएस सिस्टम	1,94,90,837.00	-		1,94,90,837.00	1,01,26,767.00	38,98,167.00		1,40,24,934.00	93,64,070.00	54,65,903.00
10	फर्नीचर, बिल्डिंग ऑटोमेशन सिस्टम इत्यादि	10,38,97,245.00	-		10,38,97,245.00	77,92,292.00	77,92,292.00		1,55,84,584.00	9,61,04,953.00	8,83,12,661.00
11	चाहरदीवारी	5,16,41,481.00	-		5,16,41,481.00	10,32,830.00	10,32,830.00		20,65,660.00	5,06,08,651.00	4,95,75,821.00
12	कार्यालय और छात्रावास उपकरण	1,27,76,122.45	22,72,990.00		1,50,49,112.45	63,99,859.09	10,96,188.00		74,96,047.09	63,76,263.36	75,53,065.36
13	श्रव्य दृश्य उपकरण	41,71,313.48	3,00,987.00		44,72,300.48	19,79,186.92	2,83,439.00		22,62,625.92	21,92,126.56	22,09,674.56
14	कंप्यूटर और बाह्य उपकरण	2,25,95,634.99	9,03,461.00		2,34,99,095.99	2,17,68,363.04	3,89,857.00		2,21,58,220.04	8,27,271.95	13,40,875.95
15	फर्नीचर, फिक्स्चर और फिटिंग	3,74,03,997.33	25,67,098.00		3,99,71,095.33	2,34,31,680.95	29,86,106.00		2,64,17,786.95	1,39,72,316.38	1,35,53,308.38
16	वाहन	27,60,967.00	-		27,60,967.00	12,97,612.40	2,76,097.00		15,73,709.40	14,63,354.60	11,87,257.60
17	पुस्तकालय किताब और वैज्ञानिक पत्रिकाएं	2,87,73,406.00	9,47,055.00		2,97,20,461.00	1,76,67,477.39	29,72,014.00		2,06,39,491.39	1,11,05,928.61	90,80,969.61
18	लघु मूल्य की संपत्ति	11,29,187.00	51,664.00		11,80,851.00	11,29,187.00	51,664.00		11,80,851.00	-	-
	कुल (अ)	3,46,92,24,052.02	71,14,112.87		3,47,63,38,164.89	29,33,29,254.80	10,90,11,885.00	-	40,23,41,139.80	3,17,58,94,797.22	3,07,39,97,025.09
19	जारी पूँजी कार्य (अ)	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-

क्रमांक	परिसंपत्ति मद	सकल समुच्चय				वर्ष 2021–22 के लिए मूल्यह्रास				निवल समुच्चय	
		01.04.2021 का अथशेष	वर्ष के दौरान परिवृद्धि	वर्ष के दौरान कटौती / समायोजन	31.03.2022 को इतिशेष	01.04.2021 को अथशेष	वर्ष के लिए मूल्यह्रास	वर्ष के दौरान कटौती	31.03.2022 को इतिशेष	31.03.2021	31.03.2022
20	कंप्यूटर सॉफ्टवेअर	88,30,515.82	-		88,30,515.82	88,30,515.82	-	-	88,30,515.82		-
21	लाईब्रेरी ई–जर्नल्स	15,07,081.32			15,07,081.32	1,507,081.32	-	-	15,07,081.32	-	-
	कुल (स)	1,03,37,597.14	-	-	1,03,37,597.14	1,03,37,597.14	-	-	1,03,37,597.14	-	-
	महायोग (अ+ब+स)	3,47,95,61,649.16	71,14,112.87	-	3,48,66,75,762.03	30,36,66,851.94	10,90,11,885.00	-	41,26,78,736.94	3,17,58,94,797.22	3,07,39,97,025.09
	पिछला वर्ष	3,38,86,83,522.41	1,39,75,31,763.93	1,30,66,53,637.18	3,47,95,61,649.16	19,49,58,725.94	10,87,08,126.00	-	30,36,66,851.94	3,19,37,24,796.47	3,17,58,94,797.22

भारतीय प्रबंध संस्थान रायपुर

अनुसूची – 4 अ– योजना

(राशि रुपये में)

क्रमांक	परिसंपत्ति मद	सकल समुच्चय				वर्ष 2021–22 के लिए मूल्यह्रास				निवल समुच्चय	
		01.04.2021 का अथशेष	वर्ष के दौरान परिवृद्धि	वर्ष के दौरान कटौती/समायोजन	31.03.2022 को इतिशेष	01.04.2021 को अथशेष	वर्ष के लिए मूल्यह्रास	वर्ष के दौरान कटौती	31.03.2022 को इतिशेष	31.03.2021	31.03.2022
1	भूमिः – पूर्ण स्वामित्व	--	-		-		-		-		
2	स्थल विकास	2,70,08,057.00	-	-	2,70,08,057.00	-	-	-	-	2,70,08,057.00	2,70,08,057.00
3	भवन	1,88,80,70,117.18	-	-	1,88,80,70,117.18	8,71,73,320.34	3,77,61,402.00	-	12,49,34,722.34	1,80,08,96,796.84	1,76,31,35,394.84
4	सड़कें और पुल	16,82,10,922.00	-	-	16,82,10,922.00	93,48,020.00	33,64,218.00	-	1,27,12,238.00	15,88,62,902.00	15,54,98,684.00
5	नलकूप और जलापूर्ति	6,23,61,484.00	-	-	6,23,61,484.00	34,87,808.00	12,47,230.00	-	47,35,038.00	5,88,73,676.00	5,76,26,446.00
6	सीवरेज और ड्रेनेज	5,85,26,486.00	-	-	5,85,26,486.00	32,25,906.00	11,70,530.00	-	43,96,436.00	5,53,00,580.00	5,41,30,050.00
7	विद्युत प्रतिष्ठान और उपकरण	46,46,94,906.00	-	-	46,46,94,906.00	5,83,59,137.00	2,32,34,746.00	-	8,15,93,883.00	40,63,35,769.00	38,31,01,023.00
8	संयंत्र और मशीनें	37,13,62,203.00	-	-	37,13,62,203.00	3,62,22,813.00	1,85,68,111.00	-	5,47,90,924.00	33,51,39,390.00	31,65,71,279.00
9	यूपीएस सिस्टम	1,94,90,837.00	-	-	1,94,90,837.00	1,01,26,767.00	38,98,167.00	-	1,40,24,934.00	93,64,070.00	54,65,903.00
10	फर्नीचर, बिल्डिंग ऑटोमेशन सिस्टम इत्यादि	10,38,97,245.00	-	-	10,38,97,245.00	77,92,292.00	77,92,292.00	-	1,55,84,584.00	9,61,04,953.00	8,83,12,661.00
11	चाहरदीवारी	5,16,41,481.00	-	-	5,16,41,481.00	10,32,830.00	10,32,830.00	-	20,65,660.00	5,06,08,651.00	4,95,75,821.00
12	कार्यालय और छात्रावास उपकरण	1,16,26,670.45	-	-	1,16,26,670.45	63,36,641.10	8,39,505.00	-	71,76,146.00	52,90,029.35	44,50,524.35
13	श्रव्य दृश्य उपकरण	41,71,313.48	-	-	41,71,313.48	19,79,186.92	2,60,865.00	-	22,40,051.92	21,92,126.56	19,31,261.56
14	कंप्यूटर और बाह्य उपकरण	2,14,80,586.04	-	-	2,14,80,586.04	2,14,80,586.04	-	-	2,14,80,586.04	-	-
15	फर्नीचर, फिक्स्चर और फिटिंग	3,64,87,697.33	-	-	3,64,87,697.33	2,33,74,684.95	27,24,851.00	-	2,60,99,535.95	1,31,13,012.38	1,03,88,161.38
16	वाहन	27,60,967.00	-	-	27,60,967.00	12,97,612.40	2,76,097.00	-	15,73,709.40	14,63,354.60	11,87,257.60
17	पुस्तकालय किताब और वैज्ञानिक पत्रिकाए	2,80,36,186.00	-	-	2,80,36,186.00	1,75,93,755.39	28,03,586.00	-	2,03,97,341.39	1,04,42,430.61	76,38,844.61
18	लघु मूल्य की संपत्ति	8,73,465.00	-	-	8,73,465.00	8,73,465.00	-	-	8,73,465.00	-	-
	कुल (अ)	3,32,07,00,623.48	-	-	3,32,07,00,623.48	28,97,04,825.14	10,49,74,430.00	-	39,46,79,255.14	3,03,09,95,798.34	2,92,60,21,368.34
19	जारी पूँजी कार्य (अ)	-	-	–	-	-	-	-	-	-	-

क्रमांक	परिसंपत्ति मद	सकल समुच्चय				वर्ष 2021–22 के लिए मूल्यह्रास				निवल समुच्चय	
		01.04.2021 का अथशेष	वर्ष के दौरान परिवृद्धि	वर्ष के दौरान कटौती/समायोजन	31.03.2022 को इतिशेष	01.04.2021 को अथशेष	वर्ष के लिए मूल्यह्रास	वर्ष के दौरान कटौती	31.03.2022 को इतिशेष	31.03.2021	31.03.2022
20	कंप्यूटर सॉफ्टवेअर	88,30,515.82	- -		88,30,515.82	88,30,515.82	- -	-	88,30,515.82		-
21	लाईब्रेरी ई–जर्नल्स	15,07,081.32			15,07,081.32	1,507,081.32	-	-	15,07,081.32	-	-
	कुल (स)	1,03,37,597.14	-	-	1,03,37,597.14	1,03,37,597.14	-	-	1,03,37,597.14	-	-
	महायोग (अ+ब+स)	3,33,10,38,220.62	-	-	3,33,10,38,220.62	30,00,42,422.28	10,49,74,430.00	-	40,50,16,852.28	3,03,09,95,798.34	2,92,60,21,368.34
	पिछला वर्ष	3,38,57,54,951.04	1,15,28,91,020.18	1,20,76,07,750.60	3,33,10,38,220.62	19,49,49,338.94	10,50,93,083.34	-	30,00,42,422.28	3,19,08,05,612.10	3,03,09,95,798.34

अनुसूची 4ब – योजनेत्तर

(राशि रुपये में)

क्रमांक	परिसंपत्ति मद	सकल समुच्चय				वर्ष 2021–22 के लिए मूल्यह्रास				निवल समुच्चय	
		01.04.2021 का अथशेष	वर्ष के दौरान परिवृद्धि	वर्ष के दौरान कटौती/समायोजन	31.03.2022 को इतिशेष	01.04.2021 को अथशेष	वर्ष के लिए मूल्यह्रास	वर्ष के दौरान कटौती/समायोजन	31.03.2022 को इतिशेष	31.03.2021	31.03.2022
1	भूमिः – पूर्ण स्वामित्व	- -	--	-	-	-	- -	-	- -	-	-
2	स्थल विकास	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
3	भवन	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
4	सड़कें और पुल	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
5	नलकूप और जलापूर्ति	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
6	सीवरेज और ड्रेनेज	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
7	विद्युत प्रतिष्ठान और उपकरण	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
8	संयंत्र और मशीनें	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
9	वैज्ञानिक और पुस्तकालय उपकरण	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
10	कार्यालय और छात्रावास उपकरण	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
11	श्रव्य दृश्य उपकरण	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
12	कंप्यूटर और बाह्य उपकरण	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
13	फर्नीचर, फिक्स्चर और फिटिंग	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
14	वाहन	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
15	पुस्तकालय किताब और वैज्ञानिक पत्रिकाए	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
16	लघु मूल्य की संपत्ति	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
		-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
	कुल (अ)	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
17	जारी पूँजी कार्य (अ)	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-

	परिसंपत्ति मद	सकल समुच्चय				वर्ष 2021–22 के लिए मूल्यह्रास				निवल समुच्चय	
		01.04.2021 का अथशेष	वर्ष के दौरान परिवृद्धि	वर्ष के दौरान कटौती/समायोजन	31.03.2022 को इतिशेष	01.04.2021 को अथशेष	वर्ष के लिए मूल्यह्रास	वर्ष के दौरान कटौती/समायोजन	31.03.2022 को इतिशेष	31.03.2021	31.03.2022
18	कंप्यूटर सॉफ्टवेअर	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
19	लाईब्रेरी ई–जर्नल्स	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
20	पेटेंट	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
	कुल (स)	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
	महायोग (अ+ब+स)	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
	पिछला वर्ष	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-

भारतीय प्रबंध संस्थान रायपुर

अनुसूची 4 इ– अमूर्त परिसंपत्तियां– योजनेत्तर

क्रमांक	अमूर्त संपत्तियाँ	सकल समुच्चय				वर्ष 2021–22 के लिए मूल्यह्रास				निवल समुच्चय	
		01.04.2021 का अथशेष	वर्ष के दौरान परिवृद्धि	वर्ष के दौरान कटौती / समायोजन	31.03.2022 को इतिशेष	01.04.2021 को अथशेष	वर्ष के लिए मूल्यह्रास	वर्ष के दौरान कटौती	31.03.2022 को इतिशेष	31.03.2021	31.03.2022
1	कंप्यूटर सॉफ्टवेअर	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
2	लाईब्रेरी ई–जर्नल्स	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
3	पेटेंट अधिकार	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
	कुल (स)	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
	पिछला वर्ष	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-

भारतीय प्रबंध संस्थान रायपुर

अनुसूची 4 इ (I)– पेटेंट और कॉपीराइट

(राशि रुपये में)

विवरण	अथशेष	वृद्धि	सकल	वर्ष दौरान ऋण	2022 तक	2021 तक
क. स्वीकृत पेटेंट 1. वर्ष 20XX-XX में प्राप्त पेटेंट का 31.03.XXXX को शेष (मूल मूल्य – रूपये...../–) 2. वर्ष 20XX-XX में प्राप्त पेटेंट का 31.03.XXXX को शेष (मूल मूल्य – रूपये...../–) 3. वर्ष 20XX-XX में प्राप्त पेटेंट का 31.03.XXXX को शेष (मूल मूल्य – रूपये...../–) 4. चालू वर्ष के दौरान स्वीकृत पेटेंट						

विवरण	अथशेष	वृद्धि	सकल	वर्ष दौरान ऋण	2022 तक	2021 तक
ख. आवेदित पेटेंट में से लंबित पेटेंट : 1. 20XX-XX से 20XX-XX के दौरान किए गए व्यय 2. 20XX-XX के दौरान किए गए व्यय 3. 20XX-XX के दौरान किए गए व्यय						
कुल						
ग. महायोग(क + ख)						

भारतीय प्रबंध संस्थान रायपुर

अनुसूची 4ई – अन्य

(राशि रुपये में)

क्रमांक	परिसंपत्ति मद	सकल समुच्चय				वर्ष 2021–22 के लिए मूल्यह्रास				निवल समुच्चय	
		01.04.2021 का अथशेष	वर्ष के दौरान परिवृद्धि	वर्ष के दौरान कटौती / समायोजन	31.03.2022 को इतिशेष	01.04.2021 को अथशेष	वर्ष के लिए मूल्यह्रास	वर्ष के दौरान कटौती	31.03.2022 को इतिशेष	31.03.2021	31.03.2022
1	भूमिः – पूर्ण स्वामित्व	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
2	स्थल विकास	-	70,857.87	-	70,857.87	-	-	-	-	-	70,857.87
3	भवन	14,43,49,685.59	-	-	14,43,49,685.59	28,86,994.67	28,86,994.00	-	57,73,988.67	14,14,62,690.92	13,85,75,696.92
4	सड़कें और पुल	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
5	नलकूप और जलापूर्ति	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
6	सीवरेज और ड्रेनेज	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
7	विद्युत प्रतिष्ठान और उपकरण	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
8	संयंत्र और मशीनें	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
9	यूपीएस सिस्टम	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
10	फर्नीचर, बिल्डिंग ऑटोमेशन सिस्टम इत्यादि	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
11	चाहरदीवारी	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
12	कार्यालय और छात्रावास उपकरण	11,49,452.00	22,72,990.00	-	34,22,442.00	63,217.99	2,56,68.00	-	3,19,900.99	10,86,234.01	31,02,541.01
13	श्रव्य दृश्य उपकरण	-	3,00,987.00	-	3,00,987.00	-	22,574.00	-	22,574.00	-	2,78,413.00
14	कंप्यूटर और बाह्य उपकरण	11,15,048.95	9,03,461.00	-	20,18,509.95	2,87,777.00	3,89,857.00	-	6,77,634.00	8,27,271.95	13,40,875.95
15	फर्नीचर, फिक्स्चर और फिटिंग	9,16,300.00	25,67,098.00	-	34,83,398.00	56,996.00	2,61,255.00	-	3,18,251.00	8,59,304.00	31,65,147.00
16	वाहन	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
17	पुस्तकालय किताब और वैज्ञानिक पत्रिकाए	7,37,220.00	9,47,055.00	-	16,84,275.00	73,722.00	1,68,428.00	-	2,42,150.00	6,63,498.00	14,42,125.00
18	लघु मूल्य की संपत्ति	2,55,722.00	51,664.00	-	3,07,386.00	2,55,722.00	51,664.00	-	3,07,386.00	-	-
	कुल (अ)	**14,85,23,428.54**	**71,14,112.87**	**-**	**15,56,37,541.41**	**36,24,429.66**	**40,37,455.00**	**-**	**76,61,884.66**	**14,48,98,998.88**	**14,79,75,656.75**
19	जारी पूँजी कार्य (अ)	-	-	–	-	-	-	-	-	-	-
	अमूर्त संपत्ति										
20	कंप्यूटर सॉफ्टवेअर	-	-		-	-	-	-	-		-
21	लाईब्रेरी ई–जर्नल्स	-			-	-	-	-	-	-	-
		-			-	-	-	-	-	-	-
	कुल (स)	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
	महायोग (अ+ब+स)	**14,85,23,428.54**	**71,14,112.87**	-	**15,56,37,541.41**	**36,24,429.66**	**40,37,455.00**	-	**76,61,884.66**	**14,48,98,998.88**	**14,79,75,656.75**
	पिछला वर्ष	29,28,571.37	24,46,40,743.75	9,90,45,886.58	14,85,23,428.54	9,387.00	36,15,042.66	-	36,24,429.66	29,19,184.37	14,48,98,998.88

टिप्पणीः वर्ष के दौरान परिवर्धन में शामिल हैं:

निर्धारित निधि	25,45,598.00
प्रायोजित परियोजनाएं	-
खुद की निधि	45,68,514.87
कुल	**71,14,112.87**

भारतीय प्रबंध संस्थान रायपुर

अनुसूची – 5 निर्धारित / अक्षय निधि से निवेश

(राशि रुपये में)

क्रमांक	विवरण	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
1	केन्द्र सरकार की प्रतिभूतियों में	-	-
2	राज्य सरकार की प्रतिभूतियों में	-	-
3	अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियों में	-	-
4	शेयर	-	-
5	डिबेंचर और बांड	-	-
6	बैंकों में सावधि जमा	-	-
7	फ्लेक्सी खाता (बचत बैंक खाते में)	-	-
	कुल	-	-

अनुसूची – 5(अ) निर्धारित / अक्षय निधि से निवेश

(राशि रुपये में)

क्रमांक	निधियाँ	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
1			
2			
	कुल	-	-

अनुसूची 6 – निवेश – अन्य

(राशि रुपये में)

क्रमांक	निधियाँ	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
1	केन्द्र सरकार की प्रतिभूतियों में	-	-
2	राज्य सरकार की प्रतिभूतियों में	-	-
3	अन्य स्वीकृत प्रतिभूतियों में	-	-
4	अंश	-	-
5	डिबेंचर और बांड	-	-
6	अनुसूचित बैंकों के साथ सावधि जमा	1,26,12,00,000.00	30,00,00,000.00
7	एचडीएफसी लिमिटेड के साथ सावधि जमा	35,28,00,000.00	16,40,00,000.00
	कुल	**161,40,00,000.00**	**46,40,00,000.00**

अनुसूची 7 – चल सम्पत्तियां

(Amount in ₹)

क्रमांक	विवरण	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
1	भंडार		
a	भंडार और पुर्जों	-	-
b	फुटकर औजार	-	-
c	प्रकाशनो	-	-
d	प्रयोगशाला रसायन, उपभोज्य और कांच के बर्तन	-	-
e	निर्माण सामग्री	-	-
f	विद्युत सामग्री	-	-
g	लेखन सामग्री	2,38,402.89	2,25,200.33
h	जल आपूर्ति सामग्री		-
2	विविध देनदार		
a	छह महीने से अधिक की अवधि के लिए बकाया ऋण	-	-
b	अन्य	35,29,577.60	48,94,794.23
3	नकद और बैंक शेषः		
a	अनुसूची बैंकों के साथ		
	चालू खातों में	9,414.35	1,20,93,429.75

क्रमांक	विवरण	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
	सावधि जमा खातों में	1,84,53,158.00	1,80,63,205.00
	बचत खातों में:		
	फ्लेक्सी बैलेंस	48,50,41,585.02	1,29,24,20,176.17
	बचत खाता शेष	37,138.00	8,24,274.11
b	गैर–अनुसूचित बैंकों के साथ		
	सावधि जमा खातों में	-	-
	बचत खातों मे	-	-
c	नकदी शेष	1,531.00	411.00
4	डाकघर बचत खात	-	-
	कुल	50,73,10,806.86	1,32,85,21,490.59

भारतीय प्रबंध संस्थान रायपुर

अनुसूची 8 – ऋण, अग्रिम एवं जमा

(राशि रुपये में)

क्रमांक	विवरण	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
1	कर्मचारियों को अग्रिमः (ब्याज रहित)		
	क) वेतन	56,937.00	-
	ख) महोत्सव	-	-
	ग) चिकित्सा अग्रिम	-	-
	घ) यात्रा अग्रिम	-	-
2	कर्मचारियों को दीर्घावधिक अग्रिमः		
	क) वाहन ऋण	-	-
	ख) गृह ऋण	-	-
	ग) अन्य	-	-
3	अग्रिम और अन्य राशि नकद या वस्तु के रूप में या मूल्य प्राप्ति के रूप में वसूली योग्यः		
	क) पूंजी खाते पर	-	2,65,613.68
	ख) आपूर्तिकर्ताओं को	18,48,159.90	40,98,217.36
	ग) अन्य –टीडीएस पूर्वदत्त व्यय	92,96,187.34	63,20,954.54
4	पूर्वदत्त व्यय		
	घ) बीमा	14,32,369.32	31,968.03
	ङ) अन्य व्यय	2,22,40,370.99	2,61,18,214.62
5	जमा		
	क) टेलीफोन	33,500.00	33,500.00
	ख) पट्टा किराया	-	200,000.00
	ग) विद्युत	48,00,000.00	50,92,562.00
	घ) लामबंदी अग्रिम	-	-
	ङ) अन्य	34,480.00	34,480.00
	च) जीएसटी / सेवा कर/ इनपुट क्रेडिट	7,04,727.69	6,15,902.08
6	अर्जित आय		
	क) निर्धारित/अक्षय निधि के निवेश पर	-	-
	क) निवेश पर (उपार्जित ब्याज और बकाया नहीं)	6,04,52,766.22	2,17,38,120.00
	क) बचत बैंक फ्लेक्सी खाते पर (उपार्जित और देय नहीं ब्याज)	-	2,88,21,788.00
	क) अन्य (आय शामिल है (अप्राप्त देय शुल्क)	24,73,562.00	4,68,200.00
7	प्राप्य दावे	-	-
	कुल	**10,33,72,520.46**	**9,38,39,520.31**

अनुसूची – 9 शैक्षणिक प्राप्तियां

(राशि रुपये में)

क्रमांक	विवरण	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
1	विद्यार्थियों से शुल्क		
क	शैक्षणिक शुल्क		
i	पीजीपी कार्यक्रम	35,12,01,540.18	35,57,03,392.00
ii	पीजीपीएमडब्ल्यूई कार्यक्रम	1,58,00,000.00	2,66,07,600.00
iii	ईएफपीएम कार्यक्रम	8,00,000.00	18,55,000.00
iv	ई–पीजीपी कार्यक्रम	15,62,84,627.56	2,84,26,000.00
	कुल (अ)	**52,40,86,167.74**	**41,25,91,992.00**

(राशि रुपये में)

क्रमांक	विवरण	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
ख	अन्य शुल्क		
i	पीजीपी कार्यक्रम	3,94,956.00	4,18,924.00
ii	पीजीपीएमडब्ल्यूई कार्यक्रम	31,226.00	30,600.00
iii	ईएफपीएम कार्यक्रम	18,131.00	2,20,300.00
iv	एफपीएम कार्यक्रम	1,14,736.00	3,867.00
v	ई–पीजीपी कार्यक्रम	18,27,251.72	19,07,235.16
	कुल (ब)	**23,86,482.72**	**25,80,926.16**
2	प्रकाशनों की बिक्री		
क	प्रवेश प्रपत्रों की बिक्री	-	-
	कुल (स)	-	-
3	अन्य शैक्षणिक प्राप्तियां		
क	एमडीपी आय	23,28,935.48	1,10,58,378.00
ख	ई–लर्निंग आय	5,03,08,693.88	3,66,81,750.00
ग	पंजीकरण / प्रायोजन आय	50,790.00	3,81,000.00
	कुल (द)	**5,26,88,419.36**	**4,81,21,128.00**
	कुल (अ+ब+स+द)	**57,91,61,069.82**	**46,32,94,046.16**

भारतीय प्रबंध संस्थान रायपुर

अनुसूची – 10 अनुदान / सब्सिडी (प्राप्त अशोध्य अनुदान)

(राशि रुपये में)

विवरण	योजना			कुल योजना	योजनेत्तर यूजीसी	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
	भारत सरकार	यूजीसी					
		योजना	विशिष्ट योजनाएं				
अग्रेषित शेष	-	-	-	-	-	-	-
जोड़ें: वर्ष के दौरान प्राप्तियाँ	-	-	-	-	-	-	-
कुल	-	-	-	-	-	-	-
घटाएं: यूजीसी को वापसी	-	-	-	-	-	-	-
घटाएं: पूँजी व्यय में प्रयुक्त (अ)	-	-	-	-	-	-	-
शेष	-	-	-	-	-	-	-
घटाएं: राजस्व व्यय में प्रयुक्त (आ)	-	-	-	-	-	-	-
आगे ले जाया गया शेष (इ)	-	-	-	-	-	-	-

भारतीय प्रबंध संस्थान रायपुर

अनुसूची – 11 निवेश से आय

(राशि रुपये में)

क	विवरण	कॉर्पस/सामान्य निधि		अन्य निवेश	
		चालू वर्ष	पिछला वर्ष	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
1	ब्याज				
	क) सरकारी प्रतिभूतियों पर	-	-	-	-
	ख) अन्य बांड / डिबेंचर	-	-	-	-
2	आवधिक जमा पर ब्याज	1,04,07,199.00	2,13,44,692.00	-	-
3	आय उपार्जित लेकिन सावधि जमा पर देय नहीं	5,15,25,960.22	42,02,993.00	-	-
4	बचत बैंक खातों पर ब्याज	-	-	-	-
5	अन्य	-	-	-	-
	कुल	6,19,33,159.22	2,55,47,685.00	-	-
	निर्धारित / अक्षय निधि में हस्तांतरित	37,70,042.00	-		
	सेवानिवृत्ति लाभ दायित्व में स्थानांतरित	9,56,611.00	9,98,955.00	-	-
	शेष राशि	5,72,06,506.22	2,45,48,730.00	-	-

अनुसूची – 12 अर्जित ब्याज

(राशि रुपये में)

क	विवरण	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
1	अनुसूचित बैंकों के बचत खातों पर (निर्धारित निधियों में अंतरित ब्याज का शुद्ध – रु. 2,21,72,019/–, पिछला वर्ष रु. 1,67,19,000/– और अन्य निधि – रु. 3,00,779/–, पिछला वर्ष रु. 2,43,223/–)	24,99,056.10	5,06,90,022.61
2	ऋण पर		
	कर्मचारी / अमला		
3	देनदारों और अन्य प्राप्तियों पर		
	अन्य (सीएसपीडीसीएल के साथ जमा)	5,68,382.85	4,06,159.00
	कुल	**30,67,438.95**	**5,10,96,181.61**

अनुसूची – 13 अन्य आय

(राशि रुपये में)

क	विवरण	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
क	भूमि और भवन से आय		
1	विद्यार्थी आवास किराया		
2	लाइसेंस शुल्क	7,33,393.00	6,51,776.00
3	सभागृह / खेल का मैदान / कन्वेंशन सेंटर, आदि का किराया		
4	प्राप्त विद्युत शुल्क	6,10,034.81	5,36,366.36
5	प्राप्त जल शुल्क		
6	दुकान / सुविधा ब्लॉक / जीएच से किराया	31,365.00	27,700.00
ख	संस्थान के प्रकाशनों की बिक्री		
ग	कार्यक्रमों के आयोजनों से आय		
1	वार्षिक समारोह / खेल कार्निवल से सकल प्राप्तियां		
	घटाएं: वार्षिक समारोह / खेल कार्निवाल पर किए गए प्रत्यक्ष व्यय		
2	उत्सव से सकल प्राप्तियां		
	घटाएं: उत्सव पर किए गए प्रत्यक्ष व्यय		
3	शैक्षिक पर्यटन के लिए सकल प्राप्तियां		
	घटाएं: पर्यटन पर किए गए प्रत्यक्ष व्यय		
4	अन्य		
घ	अन्य		
1	कैट परीक्षा से राजस्व	77,24,295.35	97,54,872.00
2	विविध प्राप्ति	6,75,422.00	11,03,017.48
	कुल	**97,74,510.16**	**1,20,73,731.84**

अनुसूची – 14 पूर्व–अवधि आय

(Amount in ₹)

क	विवरण	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
1	शैक्षणिक प्राप्तियां	-	-
2	निवेश से आय	-	-
3	अर्जित ब्याज	-	-
4	अन्य आय : सिविल रखरखाव शुल्क	1,00,154.00	-
	कुल	1,00,154.00	-

भारतीय प्रबंध संस्थान रायपुर

अनुसूची – 15 कर्मचारियों को भुगतान एवं लाभ (स्थापना व्यय)

(राशि रुपये में)

क्रमांक	विवरण	चालू वर्ष			पिछला वर्ष		
		योजना	योजनेत्तर	कुल	योजना	योजनेत्तर	कुल
1	वेतन और मजदूरी	9,54,11,437.00	-	9,54,11,437.00	8,20,37,240.00	-	8,20,37,240.00
2	भत्ता और बोनस	-	-	-		-	
3	भविष्य निधि / पेंशन निधि में अंशदान	7,35,324.00	-	7,35,324.00	7,86,036.00	-	7,86,036.00
4	अन्य निधि में योगदान : एनपीएस	87,12,409.00	-	87,12,409.00	75,85,391.00	-	75,85,391.00
5	कर्मचारी कल्याण व्यय	4,40,257.60	-	4,40,257.60	10,69,455.92	-	10,69,455.92
6	सेवानिवृत्ति और सेवा समाप्ति लाभ	82,99,212.00	-	82,99,212.00	14,32,262.00	-	14,32,262.00
7	एलटीसी सुविधा	2,10,351.27	-	2,10,351.27	10,75,358.00	-	10,75,358.00
8	चिकित्सा सुविधा	12,39,117.69	-	12,39,117.69	5,90,074.59	-	5,90,074.59
9	बाल शिक्षा भत्ता	6,25,500.00	-	6,25,500.00	4,92,750.00	-	4,92,750.00
10	मानदेय (संकाय कार्यभार)	74,25,000.00	-	74,25,000.00	70,87,500.00	-	70,87,500.00
11	स्थानांतरण अनुदान /व्यय	6,03,867.00	-	6,03,867.00	8,38,746.34		8,38,746.34
12	प्रकाशन प्रोत्साहन	78,59,999.97	-	78,59,999.97	95,36,666.98	-	95,36,666.98
	कुल	13,15,62,475.53	-	13,15,62,475.53	11,25,31,480.83	-	11,25,31,480.83

अनुसूची – 15अ कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति और सेवा समाप्ति लाभ

(राशि रुपये में)

क्रमांक	विवरण	पेंशन	उपदान	अवकाश नकदीकरण	कुल	पिछला वर्ष
1	01.04.2021 का अथशेष	-	1,04,59,320.00	72,83,405.00	1,77,42,725.00	1,73,01,894.00
2	जोड़ें: अन्य संगठनों से प्राप्त योगदान का पूंजीकृत मूल्य	-	-	3,78,675.00	3,78,675.00	3,47,490.00
3	निवेश पर प्राप्त ब्याज		5,47,296.00	4,09,315.00	9,56,611.00	9,98,955.00
4	कुल (क)	-	1,10,06,616.00	80,71,395.00	1,90,78,011.00	1,86,48,339.00
5	घटाएं: वर्ष के दौरान वास्तविक भुगतान(ख)	-	8,69,712.00	1,45,598.00	10,15,310.00	23,37,876.00
6	31/03/2022 को उपलब्ध शेष ग = (क–ख)	-	1,01,36,904.00	79,25,797.00	1,80,62,701.00	1,63,10,463.00
7	31/03/2022 को बीमांकिक मूल्यांकन के अनुसार आवश्यक प्रावधान (घ)	-	1,36,89,379.00	1,26,72,534.00	2,63,61,913.00	1,77,42,725.00
अ	चालू वर्ष में किए जाने वाले प्रावधान;6 .5द्ध अ	-	35,52,475.00	47,46,737.00	82,99,212.00	14,32,262.00
आ	नई पेंशन योजना में अंशदान	-	-	-	87,12,409.00	75,85,391.00
इ	पेंशन फंड और अवकाश नकदीकरण में योगदान (भा प्र सं लखनऊ द्वारा प्रबंधित फंड)	-	-	-	7,35,324.00	7,86,036.00
ई	सेवानिवृत्त कर्मचारियों के लिए चिकित्सा प्रतिपूर्ति	-	-	-	-	
उ	सेवानिवृत्ति पर निवास स्थान का सफर	-	-	-	-	
ऊ	जमा संबद्ध बीमा भुगतान	-	-	-	-	
	कुल (अ+आ+इ+ई+उ+ऊ)	-	35,52,475.00	47,46,737.00	1,77,46,945.00	9,803,689.00

अनुसूची – 16 शैक्षणिक व्यय

(राशि रुपये में)

क्रमांक	विवरण	चालू वर्ष			पिछला वर्ष		
		योजना	योजनेत्तर	कुल	योजना	योजनेत्तर	कुल
1	प्रयोगशाला व्यय	-	-	-	-	-	-
2	फील्ड वर्क / सम्मेलन व्यय में भागीदारी	-	-	-	-	-	-
3	सम्मेलन का आयोजन संस्थान द्वारा किया गया	5,46,689.59	-	5,46,689.59	2,70,529.95	-	2,70,529.95
4	सेमिनारों / कार्यशालाओं पर व्यय	-	-	-	-	-	-
5	अभ्यागत शिक्षकों को भुगतान	41,73,000.00	-	41,73,000.00	49,14,000.00	-	49,14,000.00
6	लॉजिंग, बोर्डिंग और यात्रा व्यय – विजिटिंग फैकल्टी	-	-	-	-	-	-
7	फैसिलिटेटर को भुगतान (ईपीजीपी) कार्यक्रम	3,17,77,671.36		3,17,77,671.36	73,80,489.00		73,80,489.00
8	विद्यार्थी कल्याण व्यय	12,52,546.69	-	12,52,546.69	11,25,826.00	-	11,25,826.00
9	प्रवेश व्यय	39,20,136.48	-	39,20,136.48	6,10,777.31	-	6,10,777.31
10	दीक्षांत समारोह खच	1,33,804.85	-	1,33,804.85	-	-	-
11	वृत्ती/साधन सह–योग्यता वृत्ति	71,10,296.94	-	71,10,296.94	82,01,042.76	-	82,01,042.76
12	सदस्यता व्यय	2,62,85,974.73	-	2,62,85,974.73	2,44,45,535.68	-	2,44,45,535.68
13	अध्ययन सामग्री	2,35,11,094.58	-	2,35,11,094.58	1,17,77,569.40	-	1,17,77,569.40
14	प्लेसमेंट व्यय	18,06,666.13	-	18,06,666.13	5,12,625.34	-	5,12,625.34
15	संकाय विकास कार्यक्रम	9,77,561.55	-	9,77,561.55	6,97,677.34	-	6,97,677.34
16	अंतरराष्ट्रीय प्रत्यायनध्सदस्यता शुल्क व्यय	15,81,467.34	-	15,81,467.34	23,86,784.97	-	23,86,784.97
17	विनिमय घाटा	4,46,770.00		4,46,770.00	40,185.93	-	40,185.93
18	एमडीपी कार्यक्रम	13,03,251.24		13,03,251.24	43,23,121.11	-	43,23,121.11
19	ई–लर्निंग प्रोग्राम	1,28,45,227.41		1,28,45,227.41	67,38,346.37	-	67,38,346.37
20	अन्य व्यय	29,01,733.78	-	29,01,733.78	29,86,737.50	-	29,86,737.50
	कुल	12,05,73,893.00	-	12,05,73,893.00	7,64,11,248.66	-	7,64,11,248.66

भारतीय प्रबंध संस्थान रायपुर

अनुसूची – 17 प्रशासनिक एवं सामान्य व्यय

(राशि रुपये में)

क्रमांक	विवरण	चालू वर्ष			पिछला वर्ष		
		योजना	योजनेत्तर	कुल	योजना	योजनेत्तर	कुल
क	अवसंरचना:						
1	विद्युत एवं उर्जा	2,08,31,162.00	-	2,08,31,162.00	2,05,20,374.00	-	2,05,20,374.00
2	जल प्रभार	22,84,920.00	-	22,84,920.00	17,32,480.00	-	17,32,480.00
3	सुविधा प्रबंधन – स्पोर्ट्स ब्लॉक	31,73,517.44	-	31,73,517.44	14,69,672.16	-	14,69,672.16
4	किराया, दरें और कर (संपत्ति कर सहित)	-	-	-	-	-	-
5	गृह व्यवस्था	87,35,780.50	-	87,35,780.50	91,99,873.20	-	91,99,873.20
6	सुरक्षा सुविधाएँ	1,25,42,788.69	-	1,25,42,788.69	1,32,81,724.10	-	1,32,81,724.10
7	आवर्ती व्यय – स्थायी परिसर	-	-	-	50,000.00	-	50,000.00
ख	संचार						
1	डाक एवं स्टेशनरी	28,282.00	-	28,282.00	13,067.00	-	13,067.00
2	टेलीफोन, फैक्स और इंटरनेट प्रभार	4,07,678.81	-	4,07,678.81	3,74,157.81	-	3,74,157.81
3	–इंटरनेट प्रभार /सॉफ्टवेअर (वार्षिक सदस्यता)	26,79,490.21	-	26,79,490.21	24,54,970.94	-	24,54,970.94
ग	अन्य						
1	प्रिंटिंग और लेखा सामग्री	6,20,435.35	-	6,20,435.35	3,07,996.89	-	3,07,996.89
2	यात्रा और वाहन व्यय	-	-	-	-	-	-
3	आतिथ्य	-	-	-	-	-	-
4	लेखा परीक्षक शुल्क और जेब खर्च	12,43,386.00	-	12,43,386.00	8,46,604.00	-	8,46,604.00
5	व्यावसायिक शुल्क	-	-	-	-	-	-
6	विज्ञापन और प्रचार	-	-	-	-	-	-
7	पत्रिकाएँ और जर्नल्स	76,248.50	-	76,248.50	26,128.50	-	26,128.50
8	बोर्ड और अन्य समिति की बैठक व्यय	6,89,044.56	-	6,89,044.56	5,96,364.84	-	5,96,364.84
9	प्रशिक्षण स्टाफ)	-	-	-	-	-	-
10	किराया शुल्क – श्रम ठेकेदार	59,32,410.48	-	59,32,410.48	52,96,035.07	-	52,96,035.07
11	भर्ती व्यय	16,69,644.98	-	16,69,644.98	3,83,214.00	-	3,83,214.00
12	कार्यालय उपभोग्य	48,732.89	-	48,732.89	86,502.02	-	86,502.02
13	सामान्य सेवाओं पर जीएसटी	63,80,208.09	-	63,80,208.09	54,36,972.12	-	54,36,972.12
14	अन्य व्यय	2,17,610.10	-	2,17,610.10	56,749.19	-	56,749.19
	कुल	**6,75,61,340.60**	-	**6,75,61,340.60**	**6,21,32,885.84**	-	**6,21,32,885.84**

अनुसूची – 18 परिवहन व्यय

(राशि रुपये में)

क्रमांक	विवरण	चालू वर्ष			पिछला वर्ष		
		योजना	योजनेत्तर	कुल	योजना	योजनेत्तर	कुल
1	वाहन (संस्थान के स्वामित्व वाले)						
	क) संचालन व्यय	1,58,853.64	-	1,58,853.64	62,123.52	-	62,123.52
	ख) मरम्मत और रखरखाव	-	-	-	-	-	-
	ग) बीमा व्यय	-	-	-	-	-	-
2	किराए / पट्टे पर लिये गए वाहन						
	क) किराया / पट्टा व्यय	-	-	-	-	-	-
3	बस सेवा का किराया	31,380.00	-	31,380.00	10,76,332.00	-	10,76,332.00
4	वाहन (टैक्सी) किराया व्यय	3,96,932.80	-	3,96,932.80	46,865.21	-	46,865.21
	कुल	5,87,166.44	-	5,87,166.44	11,85,320.73	-	11,85,320.73

अनुसूची – 19 मरम्मत एवं रखरखाव

(राशि रुपये में)

क्रमांक	विवरण	चालू वर्ष			पिछला वर्ष		
		योजना	योजनेत्तर	कुल	योजना	योजनेत्तर	कुल
1	भवन (सिविल और विद्युत कार्य)	44,761.00	-	44,761.00	1,95,801.00	-	1,95,801.00
2	फर्नीचर	-	-	-	-	-	-
3	संयंत्र और मशीनरी	-	-	-	-	-	-
4	कार्यालयीन उपकरण	8,29,862.36	-	8,29,862.36	2,17,744.11	-	2,17,744.11
5	आईटी – कंप्यूटर और सहायक उपकरण	2,84,942.50	-	2,84,942.50	2,512.50	-	2,512.50
6	पुस्तकालय उपकरण	2,85,437.51	-	2,85,437.51	1,94,317.24	-	1,94,317.24
7	श्रव्य दृश्य उपकरण	-	-	-	-	-	-
8	अन्य विद्युत उपकरण	-	-	-	-	-	-
9	गेस्ट हाउस का रखरखाव	2,254.00	-	2,254.00	1,510.00	-	1,510.00
10	विविध वर्क्स – जीईसी कैंपस	-	-	-	28,71,450.00	-	28,71,450.00
11	बागवानी कार्य	-	-	-	-	-	-
12	एस्टेट रखरखाव	77,48,223.70	-	77,48,223.70	1,24,66,763.11	-	1,24,66,763.11
13	मरम्मत – कैंप कार्यालय	17,961.50	-	17,961.50	12,700.00	-	12,700.00
	कुल	**92,13,442.57**	-	**92,13,442.57**	**1,59,62,797.96**	-	**1,59,62,797.96**

भारतीय प्रबंध संस्थान रायपुर

अनुसूची – 20 वित्त लागत

(राशि रुपये में)

क्रमांक	विवरण	चालू वर्ष			पिछला वर्ष		
		योजना	योजनेत्तर	कुल	योजना	योजनेत्तर	कुल
1	बैंक शुल्क	79,693.66	-	79,693.66	99,101.22		99,101.22
	कुल	**79,693.66**	-	**79,693.66**	**99,101.22**	-	**99,101.22**

अनुसूची – 21 अन्य व्यय

(राशि रुपये में)

क्रमांक	विवरण	चालू वर्ष			पिछला वर्ष		
		योजना	योजनेत्तर	कुल	योजना	योजनेत्तर	कुल
1	डूबत और संदिग्ध ऋणों / अग्रिमों हेतु प्रावधान						
2	अशोध्य शेष बट्टे खाते	2,62,141.01	-	2,62,141.01	6,000.00	-	6,000.00
	कुल	**2,62,141.01**	-	**2,62,141.01**	**6,000.00**	-	**6,000.00**

अनुसूची – 22 पूर्व–अवधि व्यय

(राशि रुपये में)

क्रमांक	विवरण	चालू वर्ष			पिछला वर्ष		
		योजना	योजनेत्तर	कुल	योजना	योजनेत्तर	कुल
1	यूपीएस के लिए रखरखाव शुल्क	1,41,453.00	-	1,41,453.00		-	
2	एसटीपी और डब्ल्यूटीपी संयंत्र का अनुरक्षण प्रभार	63,243.00	-	63,243.00		-	
3	यात्रा खर्च	9,316.00	-	9,316.00		-	
4	वेब होस्टिंग शुल्क	2,10,145.00	-	2,10,145.00		-	
5	बाल्मर और लॉरी द्वारा प्रदान की जाने वाली हवाई टिकट, होटल और कैब सेवा	-	-	-	2,36,870.00	-	2,36,870.00
6	अस्थायी परिसर में सिविल कार्य	-	-	-	5,000.00	-	5,000.00
	कुल	**4,24,157.00**	-	**4,24,157.00**	**2,41,870.00**	-	**2,41,870.00**

भारतीय प्रबंध संस्थान रायपुर

अनुसूची 23: महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां

1) विरचन का आधार

वित्तीय विवरणों को ऐतिहासिक लागत अभिसमय के अंतर्गत और सामान्य तौर पर भारत में सामान्यतः स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों (आईजीएएपी) के अनुसार लेखांकन की उपचय विधि के आधार पर तैयार किया गया है।

2) वित्तीय विवरण हेतु प्रारूप

वित्तीय विवरणों को शिक्षा मंत्रालय (पूर्व में एमएचआरडी के रूप में जाना जाता था) द्वारा प्रस्तावित ''एकसमान लेखांकन मानकों (यूएएस) के अंतर्गत लेखों के संशोधित प्रारूप'' के आधार पर तैयार किया गया है, जो सभी केंद्रीय शैक्षणिक संस्थानों (सीईआई) के लिए लागू होता है और भारत सरकार के मानव संसाधन मंत्रालय के उच्चतर शिक्षा विभाग, नई दिल्ली के संयुक्त सचिव और वित्तीय सलाहकार द्वारा पत्र संख्या 29/04–2012–आईएफडी दिनांकित 17/04/2015 संप्रेषित किया गया है। संस्थान ने लेखांकन प्रक्रिया की उस रूपरेखा का पालन किया है जिसे वित्तीय वर्ष 2015–16 से लेखों के नए प्रारूप में वित्तीय विवरणों के विरचन के लिए इसमें दिए गए दिशानिर्देशों के अनुसार निर्धारित किया गया है और जिसका अनुपालन किया गया है। इसी को भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (सीएजी) द्वारा भी अनुमोदित किया गया है देखें उनका पत्रा संख्या आरसी (एबी)/विवि/लेखों का प्रारूप ए/सी एस/04–31/2013 दिनांकित 10/04/2015।

3) अनुमानों का उपयोगे

वित्तीय विवरणों के विरचन के लिए वित्तीय विवरणों की तिथि तक परिसंपत्तियों और देयताओं (आकस्मिक देयताओं सहित) की सूचित राशियों और प्रतिवेदन अवधि के दौरान सूचित आय और व्यय में प्राक्कलन करने और अनुमान लगाने की आवश्यकता होती है। प्रबंधन का मानना है कि वित्तीय विवरणों के विरचन में प्रयुक्त अनुमान विवेकपूर्ण और उचित हैं। भविष्य के परिणाम इन अनुमानों से भिन्न हो सकते हैं। वास्तविक परिणामों और अनुमानों के बीच अंतर को उस अवधि में अभिज्ञात किया गया है जिसमें परिणामो को जाना या कार्यान्वित किया गया है।

4) स्थायी परिसंपत्तियां और मूल्यह्रास

मूर्त परिसंपत्तियां

स्थायी परिसंपत्तियों को भाड़ा, शुल्कों और करों और अधिग्रहण, संस्थापन और चालू करने से संबंधित आकस्मिक प्रत्यक्ष खर्चों घटा मूल्यह्रास सहित अधिग्रहण की लागत पर निर्दिष्ट किया गया है।

निर्माण एजेंसी द्वारा पूरा किए गए और संस्थान को सौंपे गए स्थायी परिसर के मूल्यांकन के लिए प्रगति पर पूंजीगत कार्य से लागत का प्रभाजन वर्ग मीटर में अलग–अलग परिसंपत्तियों के निर्मित क्षेत्र पर आधारित था। इसके बाद, संस्थान ने अपने संबंधित भवन समूह के अंतर्गत इन स्थायी परिसंपत्तियों को वर्गीकृत किया था।

अस्थायी परिसर में बड़े नवीकरण पर उठाया गया खर्च राजस्व व्यय माना गया है और आय और व्यय लेखा पर प्रभारित किया गया है।

बीईआर (आर्थिक मरम्मत से परे) मदों के रूप में वर्गीकृत स्थायी परिसंपत्तियों को पूंजीगत परिसंपत्तियों के कम हो गए मूल्य पर प्रस्तुत किया गया है, जिन्हें भौतिक परिसंपत्तियां सत्यापन समिति द्वारा रू. 1/– प्रति इकाई की दर से बीईआर मद घोषित किया गया है।

भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय की फाइल संख्या 8/6/2017–टीएस–वी (सी) दिनांकित 4 अक्टूबर 2017 के अंतर्गत प्रावधान के अनुसार, रु. 5,000/– प्रति इकाई मूल्य तक की परिसंपत्तियों को नगण्य मूल्य की परिसंपत्तियां माना गया है।

उपहार के रूप में मिली पुस्तकालय की पुस्तकों की रु. 1/– प्रति पुस्तक कीमत आंकी गई है।

स्थायी परिसंपत्तियों की लागत घटा संचित मूल्यह्रास पर कीमत आंकी गई है। स्थायी परिसंपत्तियों पर मूल्यह्रास सीधी रेखा विधि (एसएलएम) और सीएजी द्वारा अनुमोदित केंद्रीय शैक्षणिक संस्थान (सीईआई) के लेखों के संशोधित प्रारूप के अंतर्गत निर्धारित दरों के अंतर्गत प्रदान किया गया है। दरों को नीचे संलग्न किया गया है:

मूर्त परिसंपत्तियां	मूल्यह्रास की दर	मूर्त परिसंपत्तियां	मूल्यह्रास की दर
भवन	2%	श्रव्य और दृश्य उपस्कर	7.5%
सड़क और पुल	2%	फर्नीचर, फिक्सचर और फिटिंग	7.5%
ट्यूब वेल और जलापूर्ति	2%	मोटर वाहन	10%
सीवरेज और जल निकासी	2%	पुस्तकालय की पुस्तकें	10%
विद्युत संस्थापन और उपस्कर	5%	कंप्यूटर व सहायक उपकरण	20%
संयंत्र व यंत्र	5%	यूपीएस प्रणाली	20%
कार्यालय/छात्रावास उपस्कर	7.5%	नगण्य मूल्य की परिसंपत्तियां	100%
चाहरदीवारी	2%		

मूल्यह्रास वर्ष के दौरान परिवर्धन पूरे वर्ष के लिए प्रदान किया गया है।

अमूर्त परिसंपत्तियां

अमूर्त परिसंपत्तियों को अभिज्ञात किया गया है, जहां यह संभावना है कि परिसंपत्तियों के कारण भविष्य में आर्थिक लाभ उद्यम में प्रवाहित होगा और जहां इसके मूल्य/लागत का विश्वसनीय ढंग से मापन किया जा सकता है। अमूर्त परिसंपत्तियों को अधिग्रहण की लागत, घटा संचित परिशोधन और क्षीणता हानि पर निर्दिष्ट किया गया है।

स्थायी उपयोग के लिए खरीदे गए कंप्यूटर सॉफ्टवेयर को अमूर्त परिसंपत्तियों के रूप में वर्गीकृत किया गया है और 2.5 वर्षों की अवधि में परिशोधित किया गया है।

ई–पत्रिका सदस्यता शुल्क को अमूर्त परिसंपत्तियों के रूप में वर्गीकृत किया गया है और 2.5 वर्षों की अवधि में परिशोधित किया गया है।

5) निवेश

''दीर्घकालिक निवेश'' के रूप में वर्गीकृत निवेश को लागत पर वहन किया गया है। लागत में दलाली, अंतरण टिकट जैसे अधिग्रहण व्यय शामिल हैं। अस्थायी के अलावा,ऐसे निवेशों की लागत वहन करने में ह्रास के लिए प्रावधान किया गया है।

6) स्टॉक

भण्डार और उपभोग्य सामग्रियों के समापक स्टॉक की लागत पर कीमत आंकी गई है और तुलन पत्र में चालू परिसंपत्तियों के अंतर्गत प्रकटीकरण किया गया है।

7) राजस्व परिज्ञान

छात्रों से शुल्कों को उपचय आधार पर अभिज्ञात किया गया है।

सावधि जमा पर ब्याज को उपचय आधार पर अभिज्ञात किया गया है।

सामाग्री निधि से निवेश पर ब्याज को उपचय आधार पर अभिज्ञात किया गया है और आय और व्यय लेखा में जमा किया गया है।

8) विदेशी मुद्रा लेनदेन

विदेशी मुद्रा के मूल्यवर्ग में लेनदेन का लेनदेन की तिथि पर प्रचलित विनिमय दर पर लेखा–जोखा दिया गया है।

9) सरकारी अनुदान

सरकारी अनुदान का प्राप्ति आधार पर लेखा–जोखा दिया गया है। हालांकि, जहां वित्तीय वर्ष से संबंधित अनुदान जारी करने हेतु स्वीकृति 31 मार्च से पहले मिली है और अनुदान अगले वित्तीय वर्ष में मिला है, अनुदान का उपचय आधार पर लेखा–जोखा दिया गया है और समतुल्य राशि को अनुदानकर्ता से पुनर्प्राप्ति योग्य दिखाया गया है।

पूंजीगत व्यय (उपचय आधार पर) के प्रति उपयोग किए गए योजना अनुदान को पूंजी निधि में हस्तांतरित किया गया है।

स्थायी परिसंपत्तियों से संबंधित पूंजी अनुदान/फंड को परिसंपत्तियों के उपयोगी जीवनकाल पर व्यवस्थित और युक्तिसंगत आधार पर सामान्य निधि में अंतरित किया गया है, अर्थात्, पूंजी अनुदान/फंड को उन अवधियों के दौरान और उस अनुपात में सामान्य निधि में अंतरित किया गया है जिस अवधि में और जिस अनुपात में मूल्यह्रास प्रभारित किया गया है।

राजस्व व्यय (उपचय आधार पर) को पूरा करने के लिए अनुदानों को उपयोग की गई सीमा तक उस वर्ष की आय माना गया है जिसमें अनुदान मिले हैं।

अप्रयुक्त अनुदानों (इस तरह के अनुदानों से भुगतान किए गए अग्रिम सहित) को आगे ले जाया गया है और तुलन पत्र में देयता के रूप में प्रदर्शित किया गया है।

10) सेवानिवृत्ति लाभ

प्रासंगिक संविधि के अनुसार भविष्य निधि में अंशदान, जो कि एक परिभाषित अंशदान योजना है, को आय और व्यय लेखा पर उपचय आधार पर प्रभारित किया गया है।

परिभाषित लाभ योजना होने के नाते ग्रेच्युटी और अवकाश नकदीकरण जैसे सेवानिवृत्ति लाभों को बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर प्रदान किया गया है।

संस्थान में अवशोषित कर लिए गए संस्थान के कर्मचारियों के पिछले नियोक्ताओं से प्राप्त पेंशन और ग्रेच्युटी के पूंजीकृत मूल्य को संबंधित प्रावधान लेखों में जमा किया गया है।

ग्रेच्युटी और अवकाश नकदीकरण के वास्तविक भुगतान को संबंधित प्रावधानों में लेखों में नामे किया गया है।

अन्य सेवानिवृत्ति लाभों अर्थात् नई पेंशन योजना में अंशदान का उपचय आधार पर लेखा–जोखा दिया गया है।

11) प्रावधान, आकस्मिक देयताएं और आकस्मिक परिसंपत्तियां

मापन में अनुमान की बहुत अधिक मात्रा अंतर्ग्रस्त करने वाले प्रावधानों को अभिज्ञात किया गया है जब पिछली घटनाओं के परिणामस्वरूप कोई वर्तमान दायित्व है, और यह संभावना है कि संसाधनों का बहिर्वाह होगा। प्रावधानों को इसके वर्तमान मूल्य पर छूट नहीं दी गई है और तुलन पत्र की तिथि पर दायित्व का निपटारा करने के लिए आवश्यक वर्तमान अनुमान के आधार पर निर्धारित किया गया है। इनकी तुलन पत्र की प्रत्येक तिथि को समीक्षा की गई है और वर्तमान सर्वोत्तम अनुमानों को परिलक्षित करने के लिए समायोजित किया गया है।

आकस्मिक देयताओं को अभिज्ञात नहीं किया गया है, लेकिन नोट के माध्यम से लेखों में प्रकट किया गया है। आकस्मिक परिसंपत्तियों को वित्तीय विवरणों में न तो अभिज्ञात किया गया है और न ही प्रकट किया गया है।

भारतीय प्रबंध संस्थान रायपुर

अनुसूची 24: आकस्मिक देयताएं और लेखों पर टिप्पणियां

1. आकस्मिक देयताएं

(क) विवादित मांगें: वित्तीय वर्ष 2017–18 (कर निर्धारण वर्ष 2018–19) के लिए आयकर देयता के प्रति रु. 2,65,65,720/–की मांग मिली थी। संस्थान की कर देयता को आयकर अधिनियम की धारा 10 (23सी) (वीआई) के अंतर्गत छूट दी गई है। इस संबंध में, 3 जनवरी 2022 को आयकर विभाग के डीसीआईटी (छूट) के समक्ष धारा 154 के अंतर्गत संशोधन प्रस्तुत किया गया था। इसके बाद संस्थान द्वारा अन्यायपूर्ण मांग को निरस्त करने के लिए आयकर देयता के अपीलीय प्राधिकरण के समक्ष अपील दायर की गई थी। (पिछले वर्ष रु. शून्य).

(ख) संस्थान के विरूद्ध और ऋण के रूप में अभिस्वीकृत नहीं दावे: रु. शून्य– (पिछले वर्ष रु. शून्य)

2. अनिष्पादित पूंजी अनुबंध

सकल पूंजी अनुबंध रु. शून्य (पिछले वर्ष रु. शून्य) जिसमें से अनिष्पादित पूंजी अनुबंध (शुद्ध अग्रिम) रु. शून्य (पिछले वर्ष रु. शून्य)।

3. चालू परिसंपत्तियां, ऋण और अग्रिम

प्रबंधन की राय में, चालू परिसंपत्तियों, ऋणों, अग्रिमों और जमाओं का साधारण क्रम में प्राप्ति पर मूल्य है, जो तुलन पत्रा में दर्शाई गई कुल राशि के कम से कम बराबर है।

4. कराधान

संस्थान को आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 10 (23सी) (वीआई) के अंतर्गत आयकर से छूट मिली है। इसको देखते हुए आयकर के लिए कोई प्रावधान आवश्यक नहीं माना गया है।

5. विदेशी मुद्रा में व्यय

विवरण	2021-2022 (₹)	2020-2021 (₹)
क) यात्रा	0.00	0.00
ख) ई संसाधन/व्यष्टि अध्ययन/सिमुलेशन सॉफ्टवेयर/सदस्यता शुल्क	1,66,51,999.20	1,53,49,535.54
कुल	1,66,51,999.20	1,53,49,535.54

6. विदेशी मुद्रा में अर्जन

विवरण	2021-2022 (₹)	2020-2021 (₹)
शैक्षणिक शुल्क और जमा (ई–पीजीपी)/पंजीकरण शुल्क	9,05,416.00	1,84,864.25

7. संस्थान द्वारा आयोजित सम्मेलनों और शिखर सम्मेलनों पर व्यय का विवरण

(अनुसूची 9 ''शैक्षणिक आयं'' और अनुसूची 16 ''शैक्षणिक व्यय'')

क.	विवरण	2021-2022 (₹)	2020-2021 (₹)
1	राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों/एचआर शिखर सम्मेलनों के प्रति सकल व्यय।	7,59,375.59	2,70,529.05
2	घटा: पंजीकरण शुल्क और प्रायोजन आय	50,790.00	3,81,000.00
3	संस्थान से शुद्ध सहायता/(आय) – आय और व्यय लेखो पर प्रभारित	7,08,585.59	(1,10,470.05)

8. पूर्व छात्र और एसएसी गतिविधियों के लिए निधि शेश का विवरण
(अनुसूची 3 ''वर्तमान देयताओ और प्रावधान'' में शामिल)

क.	विवरण	2021-2022 (₹)	2020-2021 (₹)
1	वर्ष की शुरुआत में अप्रयुक्त शेश	51,07,670.15	32,03,595.97
2	जोड़ें: वर्ष के दौरान प्राप्त अंशदान	24,02,021.00	25,71,300.00
3	जोड़ें: वर्ष के दौरान जमा ब्याज	3,00,779.00	2,43,223.00
4	घटाएं: वर्ष के दौरान किया गया पूंजीगत व्यय	3,42,874.00	0.00
5	घटाएं: वर्ष के दौरान किया गया राजस्व व्यय	12,10,810.64	9,10,448.82
6	वर्ष के अंत में अप्रयुक्त शेष	62,56,785.51	51,07,670.15

9. यह संस्थान 26/04/2010 को इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट सोसाइटी रायपुर के नाम से स्थापित किया गया था देखें प्रमाणन संख्या 2886, दिनांकित 26/04/2010। नया रायपुर विकास प्राधिकरण (छत्तीसगढ़ राज्य सरकार द्वारा स्थापित एक विशिष्ट क्षेत्र विकास प्राधिकरण) ने भा.प्र.सं. रायपुर के स्थायी परिसर की स्थापना करने के लिए पोटा और चेरिया के दो गांवों में फैले संस्थान को 9 नवंबर 2011 को 77.03 हेक्टेयर भूमि, 20 जून 2012 को 1.97 हेक्टेयर भूमि और 29 सितंबर 2016 को 1.92 हेक्टेयर भूमि हस्तांतरित की थी। यह संस्था भा.प्र.सं. अधिनियम के अंतर्गत प्रावधान के अनुसार 31 जनवरी 2018 से निगम निकाय है।

10. संबंधित पक्ष लेनदेनों का प्रकटीकरण
संस्थान द्वारा बोर्ड और संस्थान की विभिन्न समितियों की बैठकों में भाग लेने के लिए बोर्ड सदस्यों को निम्नलिखित मानदेय का भुगतान किया गया था।

क.	Name of the Board Members	2021-2022 (₹)	2020-2021 (₹)
1	श्रीमती श्यामला गोपीनाथ, अध्यक्ष	1,18,000.00	70,800.00
2	डॉ. विजय चौथाईवाले	30,000.00	90,000.00
3	प्रो. उत्कर्श मजमुदार	1,65,200.00	1,40,000.00
4	श्री भूपेश डिंगर	1,70,000.00	1,00,000.00
5	श्री फिरदोस वांड्रेवाला	1,50,000.00	1,30,000.00
6	श्री आनंद एस संचेती	40,000.00	0.00
7	सुश्री अनुराधा पारस्कर	70,000.00	90,000.00
	कुल राशि	7,43,200.00	6,20,800.00

11. पिछले वर्ष के लिए संगत आंकड़ों को चालू वर्ष के आंकड़ों के साथ तुलनीय बनाने के लिए जहां भी आवश्यक है, पुनर्वर्गीकृत/पुनर्व्यवस्थित किया गया है।

12. अनुसूची 1 से 8 तुलन पत्र के साथ संलग्न है और तुलन पत्र का अभिन्न भाग है और अनुसूची 9 से 22 आय और व्यय लेखो का अभिन्न भाग है। अनुसूची 23 और 24 तुलनपत्र के साथ–साथ आय और व्यय लेखों का अभिन्न भाग है।

भारतीय प्रबंध संस्थान, रायपुर के वास्ते और की ओर से

प्रो. राम कुमार कांकाणी (निदेशक)	कर्नल डॉ. हरिन्द्र त्रिपाठी (सी ए ओ)	हेमन्त कुमार देबाता (एफए एंड सीए ओ)

भारतीय प्रबंध संस्थान रायपुर
Indian Institute of Management Raipur
Atal Nagar, P. O.- Kurru (Abhanpur), Raipur (C.G.) 493 661
Phone : 0771-2474700, Fax : 0771-2474701,
Email : cao@iimraipur.ac.in
www.iimraipur.ac.in